@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 16 मई 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 191 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पेट्रोल-डीजल 3-3 रुपये महंगे हुए

नई कीमतें लागू

दिल्ली में पेट्रोल 97.77 रुपये लीटर हुआ

● कंपनियों को अभी भी 25-30 रुपये प्रति लीटर का घाटा

एजेंसी
नई दिल्ली। ट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। दिल्ली में अब पेट्रोल 97.77 रुपए प्रति

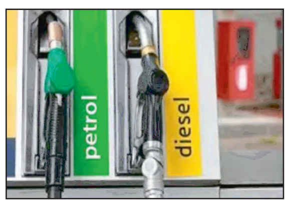

लीटर में मिलेगा। डीजल की कीमत 90.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं। करीब 2 साल बाद दामों में ये बढ़ोतरी की गई है। वहीं कंपनियों को अभी भी पेट्रोल-डीजल पर 25-30 रुपये प्रति लीटर का घाटा हो रहा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों के साथ प्रमुख शहरों में CNG भी 2 प्रति रुपये किलो तक महंगी हो गई हैं। दिल्ली में अब एक किलो CNG के लिए 79.09 रुपये खर्च करने होंगे।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में क्यों हुई बढ़ोतरी?

इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। क्रूड की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रहती है तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं।

राहुल बोले- मोदी सरकार की गलती की कीमत जनता चुकाएगी

इस बीच राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, 'गलती मोदी सरकार की, कीमत जनता चुकाएगी।' उन्होंने आगे कहा कि 3 रुपए का झटका तो

लग चुका है, बाकी की वसूली अभी किस्तों में की जाएगी। राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार की गलतियों का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

तेल कंपनियों को हर महीने 30 हजार करोड़ का घाटा हो रहा था

सरकार के मुताबिक, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सरकारी कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण घाटे में चल रही थीं। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा के अनुसार कंपनियों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की बिक्री पर हर महीने करीब 30,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।

अन्य चीजों के दाम भी बढ़ सकते हैं...

डीजल के दाम बढ़ने का सीधा असर आम आदमी की जेब और किचन पर पड़ता है।

इसे ऐसे समझिए:

मालभाड़ा बढ़ेगा: ट्रक और टेम्पो का किराया बढ़ जाएगा, जिससे दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल और राशन महंगे हो जाएंगे।

खेती की लागत: ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसानों को ज्यादा खर्च करना होगा, जिससे अनाज की लागत बढ़ेगी।

बस-ऑटो का किराया: सार्वजनिक परिवहन और स्कूल बसों के किराए में भी इजाफा देखने को मिल सकता है।

पड़ोसी देशों में बढ़े दाम, भारत में अब हुआ इजाफा

सरकार अब तक यह तर्क देती रही थी कि पश्चिम एशिया युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में उछाल आया है। इसके चलते पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 15फीसदी से 20फीसदी तक बढ़ गईं, लेकिन भारतीय उपभोक्ताओं पर इसका बोझ नहीं डाला गया।

भोजशाला को हाईकोर्ट ने माना मंदिर

● फैसले के बाद हिंदू पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की कैविएट

एजेंसी
नई दिल्ली। धार स्थित भोजशाला परिसर विवाद मामले में हिंदू पक्ष ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में कैविएट याचिका दायर की। याचिका में मांग की गई है कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर होने वाली किसी भी अपील पर हिंदू पक्ष को सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए। यह कैविएट जितेंद्र सिंह 'विशेन' की ओर से अधिवक्ता बरुण कुमार सिन्हा के माध्यम से दाखिल की गई। याचिका में कहा गया है कि उपरोक्त मामले में हस्ताक्षरकर्ता को नोटिस दिए बिना कोई आदेश पारित न किया जाए। जितेंद्र सिंह विशेन इस मामले में छठे याचिकाकर्ता थे, जिस पर इंदौर स्थित मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की खंडपीठ ने शुक्रवार को फैसला सुनाया। हिंदू पक्ष के लिए बड़ी जीत माने जा रहे इस फैसले में हाईकोर्ट ने धार जिले स्थित विवादित भोजशाला परिसर को देवी सरस्वती को समर्पित मंदिर घोषित किया। साथ ही कहा कि इसके प्रशासन और प्रबंधन का निर्णय केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ले सकते हैं।

एएसआई के आदेश को कोर्ट ने किया रद्द

हाईकोर्ट ने एएसआई के 7 अप्रैल 2003 के उस आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें मुस्लिम समुदाय को हर शुक्रवार भोजशाला परिसर में नमाज अदा करने की अनुमति दी गई थी। खंडपीठ ने यह भी कहा कि मुस्लिम समुदाय, जो 11वीं शताब्दी के एएसआई संरक्षित स्मारक को 'कमाल मौला मस्जिद' कहता है, वह मस्जिद निर्माण के लिए धार जिले में अलग भूमि आवंटन हेतु मध्य प्रदेश सरकार से संपर्क कर सकता है।

सम्राट विक्रमादित्य अंतरराष्ट्रीय सम्मान के लिए 20 मई तक नामांकन आमंत्रित

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने सम्राट विक्रमादित्य की गौरवशाली स्मृति में 'सम्राट विक्रमादित्य अंतराष्ट्रीय सम्मान' स्थापित किया गया है। इस सम्मान के लिए राज्य शासन द्वारा नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने शुक्रवार को बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर यह सम्मान देने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि सम्राट विक्रमादित्य के शौर्य, न्यायप्रियता, सुशासन, दानशीलता, प्रजावत्सलता एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन द्वारा संस्कृति विभाग के सहयोग से स्थापित सम्राट विक्रमादित्य अंतराष्ट्रीय सम्मान की राशि एक करोड़ एक लाख रुपये निर्धारित की गई है।

राहुल की विदेश यात्राओं को लेकर अस्पष्टता चिंताजनक, कांग्रेस को देना चाहिए जवाब: किरेन रिजिजू

'राहुल गांधी को सुरक्षा देने वाली एजेंसियां भी परेशान हो चुकी हैं'

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की विदेश यात्राओं की 'फंडिंग' और खर्च पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद की कुछ विदेश यात्राओं को लेकर 'अस्पष्टता' चिंताजनक है। इसलिए कांग्रेस पार्टी को पूरे देश के सामने जवाब देने की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि राहुल गांधी पर बहुत गंभीर सवाल उठा है। सभी भारतीयों को भारत के नियम और कानून मानने पड़ेंगे। सांसदों को तो नियम के साथ ही काम करना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'सवाल इसलिए भी गंभीर है कि अगर किसी सांसद को विदेश दौरे पर जाना हो तो राज्यसभा सचिव, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय को सूचना देनी होती है। विदेशी सुविधा के बारे में भी सूचना देनी होती है। पासपोर्ट और वीजा के माध्यम से हर सांसद विदेश दौरे पर जा सकता है। राहुल गांधी की सबसे बड़ी समस्या है कि सांसद बनने के बाद वे जब भी विदेश दौरे पर जाते हैं तो कभी खबर नहीं करते हैं। वे कहां रुकते हैं और किसके मिलते हैं, इसकी जानकारी भी नहीं देते हैं।'

पेट्रोल-डीज़ल की बढ़ी कीमतों के विरुद्ध 'आप' का हल्ला बोल

कौमी पत्रिका
चंडीगढ़ 15, मई। आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्र की भाजपा वाली मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ़ लुधियाना, अमृतसर और जालंधर में ज़ोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर आप नेताओं ने कहा कि पांच राज्यों में चुनाव के बाद केंद्र की भाजपा सरकार ने लगातार गैस सिलेंडर और अब पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए हैं, जिससे आम लोगों की ज़िंदगी पर आर्थिक बोझ पड़ा है। मोदी सरकार की विदेश नीति फेल साबित हुई है। अमृतसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान विधायक कुलदीप धालीवाल ने कहा कि महंगाई के कारण देश के लोगों की कमर पहले ही टूट चुकी हैं और ऊपर से तेल की कीमतों में इस ज़बरदस्त बढ़ोतरी ने गरीब और मध्य वर्गीय परिवारों का जीना मुश्किल कर दिया है। पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ ही रोज़मर्रा की

दूसरी चीज़ों और सब्ज़ियों के दाम भी आसमान छू रहे हैं, जिसके लिए सीधे तौर पर मोदी सरकार की कॉर्पोरेट परस्त नीतियां ज़िम्मेदार हैं। लुधियाना में विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष जतिंदर खंगूड़ा ने केंद्र सरकार को चेतावनी दी कि अगर बढ़ी हुई कीमतें तुरंत वापस नहीं ली गईं, तो आम आदमी पार्टी इस संघर्ष को और तेज़ करेगी और लोगों के हक़ के लिए सड़क से संसद तक आवाज़ उठाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा आम लोगों के साथ खड़ी रही है और केंद्र सरकार की इस लूट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जालंधर में जिला अध्यक्ष अमृतपाल सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण आम लोग महंगाई के बोझ तले दबे हुए हैं। पेट्रोल और डीज़ल की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम आदमी के घर का बजट पूरी तरह से बिगाड़ दिया है। उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से हर वर्ग प्रभावित हो रहा है और इसका सीधा असर रोज़ाना की ज़रूरतों पर भी पड़ रहा है।

पांच दिन में दिया चार बच्चों को जन्म

नार्मल डिलीवरी देख चिकित्सक भी हैरान, किलकारियां सुनकर परिजन खुश

एजेंसी
नई दिल्ली। मुरादाबाद के टीएमयू अस्पताल में संभल जिले के ओबरी गांव निवासी अमीना (31) ने चार बच्चों को जन्म दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि हाई रिस्क मामले में चारों बच्चों की डिलीवरी पूरी तरह सामान्य तरीके से हुई। आमतौर पर ऐसे मामलों में सिजेरियन ऑपरेशन किया जाता है।डॉक्टरों की निगरानी में मां और चारों नवजात सुरक्षित हैं। अमीना को आठ मई को प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अगले दिन नौ मई को उन्होंने पहले बेटे को जन्म दिया। इसका वजन करीब 710 ग्राम था। उस समय गर्भावस्था लगभग साढ़े छह से सात महीने की थी। डॉक्टरों ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए बाकी बच्चों की डिलीवरी को रोक दिया। इसके बाद पांच दिनों तक लगातार निगरानी और उपचार चलता रहा। 14 मई को

अमीना को दोबारा प्रसव पीड़ा हुई और उन्होंने एक बेटे व दो बेटियों को जन्म दिया। डॉक्टरों के मुताबिक यह मामला इसलिए भी बेहद खास था क्योंकि गर्भ में पल रहे चारों बच्चे अलग-अलग थैली में थे। गर्भावस्था के दूसरे महीने में अल्ट्रासाउंड के दौरान ही यह स्पष्ट हो गया था कि महिला के गर्भ में चार भ्रूण हैं। गर्भावस्था के दौरान अमीना को लीवर और ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ा। हालत बिगड़ने पर उन्हें कई बार अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। परिवार हर 15 से 20 दिन में नियमित जांच और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचता रहा।डॉक्टरों की टीम लगातार मां और बच्चों की स्थिति पर नजर बनाए रही। अस्पताल प्रशासन के अनुसार फिलहाल सभी नवजात डॉक्टरों की निगरानी में हैं। इनमें से एक बच्चा पूरी तरह सामान्य है। जबकि दो बच्चों को विशेष देखभाल की जरूरत है।

डॉक्टरों का कहना-

इस तरह की हाई रिस्क प्रेग्नेंसी में मां और बच्चों दोनों की जान को गंभीर खतरा रहता है। बच्चों के पिता और किराना स्टोर संचालक मोहम्मद आलिम ने अस्पताल और डॉक्टरों की टीम का आभार जताया है।

महाराष्ट्र में 'स्मार्ट ग्रीन ग्रिड' योजना को मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र में बढ़ती बिजली मांग, औद्योगिक विस्तार और हरित ऊर्जा की ओर बढ़ते रुझान को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने 'महाराष्ट्र : एक्सेलेरेटिंग ग्रीन एनर्जी एंड स्टोरेज टेक्नोलॉजीज इंटीग्रेशन इन कनेक्टेड ग्रिड' नामक एक महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी दी है। लगभग 12,303 करोड़ रुपये की इस योजना के लिए विश्व बैंक से 8,616 करोड़ रुपये का ऋण लेने को राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है। ऊर्जा विभाग के 14 मई 2026 के शासन निर्णय के अनुसार, इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य की ट्रांसमिशन प्रणाली को अधिक मजबूत बनाना, अक्षय ऊर्जा को बड़े पैमाने पर ग्रिड में एकीकृत करना, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करना और भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा के लिए पंप्ड स्टोरेज परियोजनाओं को बढ़ावा देना है। यह योजना 2026 से 2031 के बीच लागू की जाएगी।

पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र में बिजली की मांग लगातार बढ़ी है। कोविड के बाद अर्थव्यवस्था के तेजी से उबरने के साथ बिजली मांग में 8 से 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्तमान में राज्य की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 52.5 गीगावॉट है, जिसमें से 21.8 गीगावॉट (41.6 प्रतिशत) क्षमता नवीकरणीय ऊर्जा की है।

आंध्र प्रदेश में 16 हजार करोड़ रुपये की एएमसीए रक्षा परियोजना का शिलान्यास

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा की महत्वपूर्ण आवश्यकता : राजनाथ सिंह

एजेंसी
हैदराबाद। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं जिले के पुट्टपर्थी में लगभग 16 हजार करोड़ रुपये की एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना की आधारशिला रखी। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और मंत्री नारा लोकेश भी मौजूद रहे। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी परियोजना की कुल लागत लगभग 15,803 करोड़ रुपये है और इसके माध्यम से करीब 7,500 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद जताई गई है। एएमसीए परियोजना के साथ-साथ रक्षा क्षेत्र से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं तथा ड्रोन सिटी परियोजना का भी शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने रक्षा उत्पादों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। प्रदर्शनी में अत्याधुनिक मिसाइलें, हैंड ग्रेनेड, उन्नत बंदूकें, फाइटर जेट के प्रोटोटाइप और विभिन्न स्वदेशी रक्षा उपकरण प्रदर्शित किए गए। अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता को मजबूत करने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान को नई गति देगी। दरअसल, एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट

(एएमसीए) भारत का स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी का दो इंजन वाला स्टील्थ मल्टीरोल लड़ाकू विमान कार्यक्रम है। इसे भारतीय वायुसेना और नौसेना की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना का नेतृत्व वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, एएमसीए को अमेरिका के F-35, चीन के J-20 और रूस के Su-57 जैसे आधुनिक स्टील्थ लड़ाकू विमानों की क्षमता को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जा रहा है। इस विमान में 'सुपरक्रूज' क्षमता, इंटरनल वेपन्स बे, अत्याधुनिक सेंसर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित तकनीक और कम रडार पहचान जैसी उन्नत विशेषताएं होंगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, परियोजना के तहत विमान के इंटीग्रेशन, परीक्षण, सत्यापन और प्रमाणन के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे एएमसीए कार्यक्रम की प्रगति तेज होगी। अधिकारियों ने बताया कि इस लड़ाकू विमान का पहला प्रोटोटाइप वर्ष 2028 तक तैयार होने की संभावना है, जबकि वर्ष 2035 तक इसे भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन में शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

भारत-यूएई के बीच 7 विषयों पर सहमति

5 अरब डॉलर के निवेश के साथ हुए कई समझौते

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूएई यात्रा के दौरान 7 अहम विषयों पर सहमति बनी है। दोनों देशों के बीच सामरिक रक्षा साझेदारी के ढांचे पर समझौता हुआ। ऊर्जा क्षेत्र में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तथा तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आपूर्ति से जुड़े समझौतों पर सहमति बनी। गुजरात के वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा भारतीय अवसंरचना क्षेत्र, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की गई। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और यूएई के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तथा अबूधाबी नेशनल ऑयल कंपनी से जुड़े समझौते का उद्देश्य भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है। इससे भारत को कच्चे तेल और एलपीजी की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित होगी। यह समझौता भविष्य में वैश्विक संकट या तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव के दौरान भारत को राहत देने में मदद करेगा। एलपीजी आपूर्ति सहयोग समझौते के तहत यूएई भारत को दीर्घकालिक आधार पर तरलीकृत पेट्रोलियम गैस उपलब्ध कराएगा। इससे भारत की घरेलू गैस जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिलेगी। यह समझौता ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के साथ

दोनों देशों की आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को भी मजबूत करेगा। भारत और यूएई के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी ढांचे का उद्देश्य रक्षा उद्योग सहयोग को बढ़ाना है। इसके तहत दोनों देश रक्षा तकनीक साझा करने और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे। इससे क्षेत्रीय सुरक्षा और दोनों देशों के सामरिक संबंध मजबूत होंगे। वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने का समझौता भारत के समुद्री और औद्योगिक क्षेत्र को नई गति देगा। इससे जहाज मरम्मत उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और 'मेक इन इंडिया' अभियान को मजबूती मिलेगी। इस परियोजना से स्थानीय स्तर पर रोजगार और निवेश के अवसर भी बढ़ेंगे। जहाज निर्माण और मरम्मत क्षेत्र में कौशल विकास सहयोग का उद्देश्य भारतीय युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण देना है। इससे भारत में शिपबिल्डिंग और शिप रिपेयर क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार होंगे। भारत में एआई सुपर कंप्यूटिंग क्लस्टर स्थापित करने के समझौते के तहत यूएई की तकनीकी कंपनी भारत में अत्याधुनिक डेटा सेंटर और सुपर कंप्यूटर क्षमता विकसित करेगी। इससे भारत के कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अनुसंधान और डिजिटल नवाचार मिशन को गति मिलेगी तथा तकनीकी क्षेत्र में नई संभावनाएं खुलेंगी। यूएई के भारत में 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा भारतीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को बड़ा समर्थन देगी। यह निवेश सड़क, बंदरगाह, ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देगा। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी और भारत की विकास गति को मजबूती मिलेगी।

बदरीनाथ-केदारनाथ धाम पर वृद्ध और दिव्यांगों को दर्शन में प्राथमिकता, नई एसओपी जारी

देहरादून। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने बदरीनाथ धाम और केदारनाथ धाम में वृद्ध एवं दिव्यांग श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने के लिए प्राथमिक दर्शन सुविधा लागू करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में मंदिर समिति ने मानक प्रचालन विधि (एसओपी) जारी कर दी है। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी के निर्देश पर मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़ ने इसके आदेश जारी किए। बीकेटीसी हेमंत द्विवेदी ने कहा कि दोनों धामों में बुजुर्ग और दिव्यांग श्रद्धालुओं को सम्मानजनक, सुरक्षित और सुगम दर्शन उपलब्ध कराने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। एसओपी के तहत 50-50 श्रद्धालुओं के 15 मिनट के चार स्लॉट निर्धारित किए गए हैं, जिनमें केवल वृद्ध और दिव्यांग श्रद्धालुओं को दर्शन कराए जाएंगे। दर्शन का समय सुबह 8 बजे से 8:15 बजे, 10 बजे से 10:15 बजे और शाम 3 बजे से 3:15 बजे और 4:45 बजे से 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस व्यवस्था के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के श्रद्धालुओं को आधार कार्ड और पंजीकरण के आधार पर यह सुविधा दी जाएगी। दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए वास्तविक स्थिति का आकलन करने के बाद प्राथमिक दर्शन की अनुमति दी जाएगी।

महाराष्ट्र में विमान कंपनियों को बड़ी राहत, एटीएफ पर वैट 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत किया

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण बढ़ी विमान ईंधन कीमतों और हवाई मार्गों पर पड़े असर के बीच महाराष्ट्र सरकार ने विमान कंपनियों को बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाले वैट (वैट) 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत करने का फैसला लिया है। वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नया कर दर 15 मई 2026 से लागू होगा और 14 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। सरकार के इस फैसले से एटीएफ पर 11 प्रतिशत की सीधी कटौती हुई है, जिससे विमान कंपनियों के ईंधन खर्च में कमी आने की संभावना है। भारतीय एयरलाइंस के कुल संचालन खर्च में ईंधन की हिस्सेदारी लगभग 35 से 40 प्रतिशत तक होती है। ऐसे में इस टैक्स कटौती को विमानन उद्योग के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते सप्लाई चेन प्रभावित हुई है और कई देशों के हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके कारण उड़ानों के रूट लंबे हो गए हैं और विमान कंपनियों की लागत बढ़ गई है। इसी के मद्देनजर केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय ने महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से एटीएफ पर टैक्स कम करने को लेकर चर्चा की थी। देश में एटीएफ पर सबसे ज्यादा वैट लगाने वाले राज्यों में तमिलनाडु (29 प्रतिशत), दिल्ली (25 प्रतिशत) और महाराष्ट्र शामिल थे। महाराष्ट्र में पहले 18 प्रतिशत वैट लिया जा रहा था, जिसे अब घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है। इस बीच शुक्रवार को ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जबकि विमान ईंधन पर टैक्स कम किया गया है। इसे लेकर अब आम लोगों के बीच चर्चा शुरू हो गई है कि सरकार क्या अब आम जनता को भी राहत देने के लिए कदम उठाएगी?

अमिताभ बच्चन के बाद रणबीर कपूर ने खरीद रामनगरी में जमीन

अयोध्या(एजेंसी)। श्रीराम की नगरी अयोध्या को लेकर बॉलीवुड के कलाकारों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। महानायक अमिताभ बच्चन के बाद अभिनेता रणबीर कपूर ने भी अयोध्या में 2.42 करोड़ की जमीन का एग्रीमेंट कराया है। रजिस्ट्री बाद में कराई जाएगी। यह जमीन 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप' की परियोजना में ली जा रही है। इससे पहले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने पहले ही सरयू तट पर दो जमीनें खरीदी और एक का एग्रीमेंट कराया है। अब दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के बेटे रणबीर कपूर ने भी सरयू तट पर जमीन खरीदने के लिए एग्रीमेंट कराया है। बताया गया है कि अभिनेता रणबीर के पॉवर ऑफ अटार्नी ने गुरुवार को 198.26 वर्ग मीटर जमीन का एग्रीमेंट द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप के साथ किया है। यह जमीन सरयू तट के तिहुरा माझा क्षेत्र में ली जा रही है। जमीन की कीमत दो करोड़ 42 लाख 15 हजार 786 रुपये बताई गई है। लोढ़ा ग्रुप श्रीराम मंदिर से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर नई साइट डेवलप कर रहा है। लोढ़ा ग्रुप के साथ ही उसके आसपास भी लोग जमीन खरीद रहे हैं। उपायुक्त स्टाम्प योगेंद्र प्रताप सिंह के मुताबिक राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या में सेलिब्रिटीज का निवेश लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि अभिनेता रणबीर कपूर के पॉवर ऑफ अटार्नी की ओर से गुरुवार को लोढ़ा ग्रुप के साथ जमीन का एग्रीमेंट कराया है। जमीन की रजिस्ट्री बाद में कराई जाएगी।

पहले ही कहा था...साइकिल से बेहतर कुछ नहीं, पेट्रोल की बढ़ी कीमतों पर अखिलेश का तंज

लखनऊ (एजेंसी)। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी का एलान किया है। इस फैसले को लेकर सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मोदी सरकार को घेराबंदी की है। अखिलेश ने एक्स पर ट्वीट किया, मैंने पहले ही कहा था....... साइकिल से बेहतर कुछ नहीं। बता दें कि अखिलेश ने योगी मंत्रिमंडल में विभाग के बंटवारे में हो रही देरी पर भी योगी सरकार को घेरा है। ट्वीट कर लिखा कि उप में मंत्रियों के नाम के बाद, अब क्या उनके विभागों की 'पर्ची' भी ऊपर से आएगी?

पंजाब में ईंधन मूल्य वृद्धि पर विपक्ष हमलावार, आम आदमी की कमर तोड़ने वाला फैसला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अचानक हुई तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी ने तीव्र राजनीतिक बहस शुरू कर दी है। आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल ने केंद्र सरकार पर हमला बोलकर फैसले को आम आदमी की कमर तोड़ने वाला और जनविरोधी बताया है। विपक्ष का आरोप है कि यह वृद्धि किसानों और मध्यम वर्ग पर भारी बोझ डालेगी, जिससे दैनिक जरूरत की सभी चीजें महंगी होंगी। पंजाब के वित्त मंत्री और आप के वरिष्ठ नेता हरपाल सिंह चीमा ने कदम को भाजपा का किसान-विरोधी और जनविरोधी चेहरा बेनकाब करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एक ओर ईंधन महंगा करती है और दूसरी तरफ धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सिर्फ 72 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी करती है, जो किसानों की आय पर सीधा वार है। मान सरकार में मंत्री चीमा के अनुसार, एमएसपी बढ़ाकर तुरंत डीजल महंगा करने से किसानों का वाजिब मुआवजा छीना गया है। वहीं कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने भी केंद्र पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मोदी सरकार पर पाखंड का आरोप लगाकर कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी वाहनों के कम इस्तेमाल, कार पूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने का उपदेश देते हैं, और दूसरी तरफ चुपचाप पेट्रोल-डीजल महंगा कर देते हैं। कांग्रेस नेता वडिंग ने सवाल किया, यही या उस नाटक के पीछे का असली खेल? उन्होंने चेतावनी दी कि इससे किसानों, ट्रक ऑपरेटरों और मध्यम वर्गीय परिवारों पर ज्यादा मार पड़ेगी, जिससे जरूरत की हर चीज फिर महंगी होगी और अबकी बार, पेट्रोल सौ के पार की स्थिति बनेगी। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने भी बढ़ोतरी को कमरतोड़ बताकर कहा कि इससे पहले से ही महंगाई से जूझ रहे आम आदमी को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को भी इसकी मार झेलनी पड़ेगी, और 72 रुपये की मामूली एमएसपी वृद्धि से उन्हें कोई राहत नहीं मिलेगी।

उन्नाव रेप केसः सुप्रीम कोर्ट से कुलदीप सेंगर को बड़ा झटका, रद्द हुआ हाईकोर्ट का फैसला

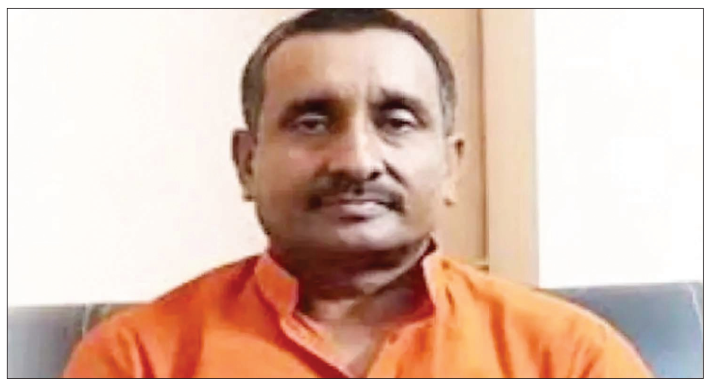

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव रेप मामले में अहम फैसला सुनाकर पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ा झटका दे दिया है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द किया है, जिसमें सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित की गई थी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस उच्च न्यायालय भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील को स्वीकार कर दिल्ली उच्च न्यायालय को निर्देश दिया है कि वह सेंगर के दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा के खिलाफ दायर याचिका पर दो माह के भीतर फैसला करने का प्रयास करे। यह फैसला तब आया है जब बीते साल दिसंबर में दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेंगर को जमानत पर रिहा करने और उनकी उम्रकैद की सजा को निलंबित करने का आदेश दिया था। इस आदेश पर पीड़िता और आम जनता में गहरा आक्रोश देखने को मिला था, जिसके बाद सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इसके पहले 29 दिसंबर को भी सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के जमानत के आदेश पर रोक लगा दी थी।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, सेंगर की ओर से वरिष्ठ वकील एन. हरिहरन ने दलील दी कि घटना के समय पीड़िता नाबालिग नहीं थी। हालांकि, सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील का पुरजोर विरोध किया। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि उच्च न्यायालय का यह मानना गलत है कि एक विधायक लोक सेवक नहीं होता। जस्टिस बागची ने भी इस दृष्टिकोण से सहमति जताकर कहा कि उच्च न्यायालय का यह जरूरत से ज्यादा तकनीकी दृष्टिकोण सही नहीं है। सीजेआई ने उच्च न्यायालय से इस बात पर भी फिर से विचार करने को कहा है कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) के तहत मुकदमा चलाने के लिए एक विधायक को लोक सेवक माना जा सकता है या नहीं।

दरअसल, 23 दिसंबर 2023 के अपने आदेश में दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा था कि सेंगर को पॉक्सो एक्ट की धारा 5(सी) (एक लोक सेवक द्वारा यौन शोषण) के तहत दोषी ठहराया गया था, लेकिन एक चुना हुआ प्रतिनिधि भारतीय दंड संहिता की धारा 21 के तहत लोक सेवक की परिभाषा में फिट नहीं बैठता है। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सेंगर को जेल में ही रहना होगा और उच्च न्यायालय को मामले की फिर से विस्तृत सुनवाई करनी होगी।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ अवमानना याचिका खारिज

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुनंद ब्रह्मचारी के खिलाफ दायर अवमानना याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। आशुतोष महाराज ने प्रयागराज में पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को अग्रिम जमानत देते समय लगाई गई शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का अनुरोध किया था। अवमानना याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने कहा कि यदि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जमानत की शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं, तो याचिकाकर्ता के पास इस अदालत द्वारा दी गई अग्रिम जमानत निरस्त करने के लिए आवेदन दाखिल करने का वैधानिक उपाय उपलब्ध है। इससे पहले न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने इस अवमानना याचिका पर सुनवाई से स्वयं को यह कहते हुए अलग कर लिया था कि वह इस मामले की सुनवाई नहीं करना चाहते। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने मामला न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की अदालत को सौंप दिया था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती कई सभाएं कर रहे हैं और सार्वजनिक बयान दे रहे हैं, जो अदालत के आदेश का उल्लंघन है।

ममता के वकील ड्रेस पर बार काउंसिल प्रमुख बोले- फर्जी लोग घूमते रहते हैं

-बीसीआई ने लाइसेंस पर उठाए सवाल, जांच शुरू

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वकील की ड्रेस पहनकर पेश होने पर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने उनके वकालत करने के वैध लाइसेंस पर संदेह व्यक्त करते हुए आधिकारिक जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने तीखा तंज कसते हुए कहा कि कई फर्जी लोग भी सक्रिय रहते हैं, इसलिए इस मामले की पुष्टि करना आवश्यक है।

पूरा मामला 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई कथित हिंसा से जुड़ी एक जनहित याचिका से शुरू हुआ। ममता बनर्जी वकील के काले कोट और सफेद बैंड में चीफ जस्टिस सुजॉय पॉल की बेंच के सामने पेश हुईं और अपनी पार्टी का पक्ष रखा। बीसीआई चेयरमैन ने आपत्ति जताते हुए कहा कि जब वह आरजी कर मामले में सुप्रीम कोर्ट गई थीं, तब वह वकील की वेशभूषा में नहीं थीं, लेकिन इस बार उन्होंने निर्धारित ड्रेस पहनकर कोर्ट में पैरवी की।

इस घटना के बाद बीसीआई ने पश्चिम बंगाल राज्य बार काउंसिल को पत्र लिखकर दो दिनों के भीतर ममता बनर्जी के कानूनी प्रैक्टिस के दर्जे की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। परिषद ने मुख्य रूप से उनके एनरोलमेंट नंबर, पंजीकरण की तारीख और वर्तमान स्टेटस की जानकारी तलब की है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह उठाया गया है कि चूंकि ममता बनर्जी 2011 से 2026 तक मुख्यमंत्री के संवैधानिक पद पर रहीं, तो क्या उन्होंने इस अवधि के दौरान नियमों के तहत अपनी प्रैक्टिस निलंबित करने की आधिकारिक सूचना दी थी?

शैक्षणिक पृष्ठभूमि की बात करें तो ममता बनर्जी के पास जोगेश चंद्र चौधरी लॉ कॉलेज से कानून (एलएलबी) की डिग्री है। हालांकि, बार काउंसिल के नियमों के अनुसार, किसी भी लाभकारी या संवैधानिक पद पर रहने के दौरान वकालत का लाइसेंस निलंबित रखना अनिवार्य होता है। वर्तमान में बीसीआई इस बात की जांच कर रहा है कि क्या एक दशक से अधिक समय तक राजनीति में सक्रिय रहने के बाद, बिना प्रक्रिया पूरी किए उनका सीधे वकील के रूप में कोर्ट में पेश होना वैध है या नहीं। राज्य बार काउंसिल की रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में आगे की कानूनी स्थिति साफ होगी।

बसों में बढ़ती आग पर गडकरी का ऐलान, यात्रियों को मिलेगी विश्वस्तरीय सुरक्षा

भारत में बनेगी अमेरिका और यूरोप जैसी बसें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बसों में आग लगने और सड़क हादसों की लगातार बढ़ती घटनाओं से चिंतित केंद्र की मोदी सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऐलान किया कि आने वाले समय में देश में यूरोप और अमेरिका के स्तर की अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस बसें तैयार होंगी। उन्होंने कहा कि इन नए सुरक्षा मानकों को केवल नई बसों में ही नहीं, बल्कि पुरानी बसों में भी अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। केंद्र सरकार का लक्ष्य बस यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाना और हादसों में होने वाली जनहानि को कम करना है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने खुद स्वीकार किया कि वर्तमान में देश की कई बसों का डिज़ाइन सुरक्षा के लिहाज़ से कमजोर है। हादसे के वक्त कई यात्री बस से बाहर नहीं निकल पाते, क्योंकि आपातकालीन दरवाजे जाम होते हैं या उसमें लोहे की रॉड जैसी बाधाएं लगी होती हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर की बसों का उदाहरण देकर बताया कि उसमें बड़े इमरजेंसी ग्लास और विशेष प्लास्टिक हथौड़े होते हैं, जिससे यात्री शीशा तोड़कर तुरंत बाहर आ सकते हैं। अब भारत में बनने वाली नई बसों में इसतरह के फीचर्स अनिवार्य किए जाएंगे।

केंद्र सरकार के नए सुरक्षा मानकों में बेहतर इमरजेंसी एग्जिट, सीट बेल्ट, अत्याधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम, इमरजेंसी लाइट और ड्राइवर की नींद पहचानने वाले सेंसर शामिल होंगे। विशेष रूप से, नई स्लीपर बसों को केवल अधिकृत फैक्ट्रियों में ही बनाया जा सकेगा और बिना फायर सेफ्टी जांच के उनका पंजीकरण नहीं होगा। नियमों का उल्लंघन कर अवैध बदलाव करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जेल की सजा तक हो सकती है।

बता दें कि हाल के महीनों में देश के विभिन्न हिस्सों में बसों में आग लगने की कई दर्दनाक घटनाएं सामने आई हैं। मध्य प्रदेश के इंदौर में पार्किंग में खड़ी बसों में आग लगने से लेकर राजस्थान के उदयपुर में चलती स्लीपर बस का आग का गोला बन जाना, इन हादसों ने लोगों को झकझोर दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, शॉर्ट सर्किट, इंजन का अत्यधिक गर्म होना, डीजल रिसाव, एसी सिस्टम में खराबी, अवैध गैस सिलेंडर और हाई-टेंशन तारों के संपर्क में आना बसों में आग लगने के प्रमुख कारण हैं। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि इन कड़े सुरक्षा नियमों के लागू होने के बाद बस यात्राएं पहले से कहीं अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकेंगी।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप

-संदिग्ध विदेशी मुद्रा के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट एलएच 754 बी में बम होने की धमकी से शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हड़कंप मच गया। उड़ान के दौरान एयरलाइन के कस्टमर सपोर्ट को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया था कि विमान में बम रखा गया है और हैदराबाद पहुंचने से पहले उसमें धमाका कर दिया जाएगा। इस संदेश के मिलते ही एयरपोर्ट की सुरक्षा एजेंसियां, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल तुरंत अलर्ट मोड पर आ गए।

राहत की बात यह रही कि विमान ने हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। लैंडिंग के तुरंत बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को सीधे आइसोलेशन बे (सुरक्षित क्षेत्र) में ले जाया गया। विमान में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी सघन जांच की गई। सुरक्षा बलों और डॉग स्क्वायड द्वारा विमान की बारीकी से ली गई तलाशी में फिलहाल कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां अब इस धमकी भरे ईमेल के स्रोत और इसे भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान करने में जुटी हैं।

इसी दौरान, हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान एक अन्य मामले में भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा बरामद की गई है। बैंकॉक जाने की तैयारी कर रहे सैयद इस्माइल अली नामक एक यात्री के सामान की जब सीआईएसएफ जवानों ने सामान्य बैगेज स्क्रीनिंग की, तो उसमें संदिग्ध विदेशी करेंसी पाई गई। जांच करने पर बरामद की गई विदेशी मुद्रा की भारतीय कीमत लगभग 11,85,930 रुपये आंकी गई है। सुरक्षा अधिकारियों ने उचित दस्तावेज न होने के कारण पूरी रकम को जब्त कर लिया है और आरोपी यात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारी अब इस बात की तफ्तीश कर रहे हैं कि इतनी बड़ी रकम कहां से लाई गई थी और इसे अवैध रूप से बैंकॉक क्यों ले जाया जा रहा था।

श्रीलंका का मट्टाला एयरपोर्ट को लेकर भारत की बढ़ी सामरिक चिंताएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका सरकार द्वारा दक्षिणी शहर हंबनटोटा के पास स्थित मट्टाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को विदेशी निवेशकों को सौंपने की नई प्रक्रिया शुरू करने से भारत की चिंताएं एक बार फिर बढ़ गई हैं। रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील माने जाने वाले इस हवाईअड्डे की स्थिति चीन के नियंत्रण वाले हंबनटोटा बंदरगाह के बेहद करीब है, जिसके चलते नई दिल्ली इस पूरे घटनाक्रम पर करीबी नजर बनाए हुए है। श्रीलंका सरकार ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से आगामी 9 जून तक एक्सप्रेशंस ऑफ इंटरेस्ट आमंत्रित किए हैं। यह हवाईअड्डा 30 वर्षीय बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर मॉडल के तहत निवेशकों को सौंपे जाने का प्रस्ताव है, जिसमें तय अवधि के बाद इसे पुनः श्रीलंका सरकार को वापस कर दिया जाएगा।

भारत लंबे समय से अपने पड़ोसी देशों में चीन समर्थित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को लेकर सतर्क रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह हंबनटोटा बंदरगाह का पुराना अनुभव है, जहां कर्ज न चुका पाने के कारण श्रीलंका ने 2017 में इस बंदरगाह को 99 साल की लीज पर चीन को सौंप दिया था। वर्ष 2013 में करीब 20.9 करोड़ डॉलर की लागत से बने मट्टाला हवाईअड्डे के लिए भी 19 करोड़ डॉलर का ऋण चीन के एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक से लिया गया था। आधुनिक रनवे के बावजूद यह एयरपोर्ट कभी भी यात्री और एयरलाइन ट्रैफिक आकर्षित नहीं कर सका और अब तक इसे करीब 13 करोड़ डॉलर का भारी नुकसान हो चुका है। ऐसे में यह आशंका गहरा गई है कि कहीं हंबनटोटा पोर्ट की तरह यह हवाईअड्डा भी अंततः चीन के हाथों में न चला जाए।

इससे पहले वर्ष 2024 में इस एयरपोर्ट को भारत और रूस के एक संयुक्त उपक्रम को 30 साल की लीज पर देने की योजना बनी थी, लेकिन कोलंबो में सत्ता परिवर्तन के बाद यह प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला गया। अब नई निवेश प्रक्रिया के तहत भारत के पास दोबारा मौका हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि हंबनटोटा जैसे रणनीतिक क्षेत्र में भारतीय कंपनियों की भागीदारी भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति और हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा रणनीति के लिहाज से एक बेहद महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

एके एंटनी की सलाह से बदला राहुल गांधी का रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में कांग्रेस के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर चली लंबी माथापच्ची आखिरकार गुरुवार को समाप्त हो गई है। पार्टी नेतृत्व ने वरिष्ठ नेता वीडी सतीशन के नाम पर मुहर लगाई है, जबकि राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले केसी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर हो गए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस फैसले के पीछे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी की अहम भूमिका रही, जिन्होंने राहुल गांधी का रुख बदलने में निर्णायक योगदान दिया।

सूत्रों के अनुसार शुरुआती दौर में राहुल गांधी केसी वेणुगोपाल के नाम के पक्ष में थे। हालांकि केरल कांग्रेस संगठन, सहयोगी दलों और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच वीडी सतीशन के नाम पर अधिक सहमति दिखाई दे रही थी। सतीशन को जनता के बीच मजबूत पकड़ रखने वाला नेता माना जाता है और यही बात अंततः उनके पक्ष में गई। जब मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी के भीतर मतभेद बढ़ने लगे तो कांग्रेस नेतृत्व ने वरिष्ठ नेता एके एंटनी से राय मांगी। सोनिया गांधी के भरोसेमंद माने जाने वाले एंटनी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जमीनी स्तर पर वीडी सतीशन को ज्यादा समर्थन हासिल है। बताया जाता है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बीच इस विषय पर चर्चा हुई, जिसके बाद पार्टी नेतृत्व ने अपना फैसला बदल लिया। एंटनी की राय के बाद राहुल गांधी भी सतीशन के नाम पर सहमत हो गए।

एके एंटनी को कांग्रेस संगठन में प्रभाव लंबे समय से कायम है। यूपीए सरकार के दौरान वह रक्षा मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर रह चुके हैं। केरल की राजनीति में भी उनका लंबा अनुभव रहा है और वह राज्य के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। 2004 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ओमान चांडी को राज्य की कमान सौंपी गई थी।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि एंटनी की राय आज भी कांग्रेस नेतृत्व में बेहद अहम मानी जाती है। इसका उदाहरण 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद बनी 'एके एंटनी कमेटी' भी रही, जिसने पार्टी की हार पर समीक्षा रिपोर्ट तैयार की थी। उस रिपोर्ट में कहा गया था कि कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगा और इससे हिंदू मतदाताओं के बीच दूरी बनी। माना जाता है कि इसी रिपोर्ट के बाद कांग्रेस ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए सॉफ्ट हिंदुत्व की लाइन अपनाई थी।

कैदियों का पार्सल रोकना या देरी करना अब स्टाफ की मर्जी नहीं, जवाबदेही होगी

-दिल्ली की जेलों में अब जेल प्रशासन की मनमानी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की जेलों में अब कैदियों के पार्सल को लेकर जेल प्रशासन की मनमानी और प्रक्रिया में होने वाली अनियमितताओं पर पूरी तरह लगाम लग जाएगी। जेल मुख्यालय ने एक बेहद सख्त और व्यापक सर्कुलर जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि पार्सल की जांच और वितरण में अब किसी भी स्तर पर पारदर्शिता से समझौता नहीं होगा। नए दिशा-निर्देशों का सीधा संदेश है कि पार्सल रोकना या उसमें देरी करना अब स्टाफ की मर्जी का खेल नहीं, बल्कि जवाबदेही होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेल प्रशासन के संज्ञान में समय-समय पर ऐसी बातें आती रही हैं जहां पार्सल प्राप्त करने की प्रक्रिया में देरी या अस्पष्टता के कारण कैदियों और उनके स्वजन को असुविधा का सामना करना पड़ता था। कई बार सुरक्षा जांच के नाम पर पार्सल लंबे समय तक लंबित रहते थे। अब पार्सल केवल निचले स्तर के कर्मियों द्वारा नहीं जांचे जाएंगे। डिप्टी सुपरिटेंडेंट स्तर के अधिकारी की व्यक्तिगत मौजूदगी में ही पार्सल खोला जाएगा। इससे जांच की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

जेल के वेलफेयर ऑफिसर को जिम्मेदारी दी गई है कि वे हर हफ्ते पार्सल रजिस्टर की जांच करें। उन्हें यह रिपोर्ट देनी होगी कि किसी भी कैदी को उसके सामाजिक या आर्थिक आधार पर पार्सल सुविधा से वंचित तो नहीं किया जा रहा। यदि किसी पार्सल को सुरक्षा कारणों से अस्वीकार किया जाता है या उसमें देरी होती है, तो जेल अधीक्षक को इसका ठोस कारण लिखित में दर्ज करना होगा। अब मौखिक आदेशों पर पार्सल नहीं रोके जा सकेंगे। यदि पार्सल में कोई भी प्रतिबंधित वस्तु पाई जाती है, तो उसे तुरंत जब्त कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके संदेह की स्थिति में पार्सल का अनिवार्य रूप से एक्सरे स्कैन कराया जाएगा। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रशासन ने आदेश दिया है कि पार्सल में आने वाली हर छोटी-बड़ी वस्तु का विवरण कैदी संपत्ति रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा।

NEET 2026: जब सिस्टम ने बच्चों को धोखा दिया

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 12 मई को NEET-UG 2026 रद्द किया, परीक्षा के नौ दिन बाद जब 22 लाख से ज़्यादा बच्चे उसमें बैठ चुके थे, तो वो ऐलान बेहद रूखा और सरकारी अंदाज़ में था। कुछ लाइनें, एक औपचारिक आदेश, और बस। उसमें वो बोझ नहीं था जो उन लाखों बच्चों पर उस वक्त पड़ा, जिन्होंने सालों की मेहनत उसी एक दिन के लिए लगाई थी और जिन्हें अब एक ऐसी रद्दगी को पचाना था जिसमें उनकी कोई गलती नहीं थी। तथ्य किसी से छुपे नहीं हैं। अप्रैल के मध्य में, परीक्षा से हफ्तों पहले, 410 सवालों का एक गेस पेपर कुछ चुनिंदा लोगों में घूमने लगा था। इसमें असल पेपर के सभी 90 जीव विज्ञान और सभी 45 रसायन विज्ञान के सवाल मौजूद थे। कुल 720 में से 600 अंकों के सवाल उन लोगों के पास थे जिन्होंने पैसे दिए। कीमतें खुद सब कुछ बयां करती हैं। शुरुआत में 10 से 25 लाख रुपये। 1 मई तक 5 लाख। और परीक्षा की रात तक सिर्फ 30,000 रुपये, यानी पेपर व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर इस तेज़ी से फैल रहा था कि कोई एजेंसी उसे रोक नहीं सकती थी। ये नेटवर्क केरल, राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र और उत्तराखंड तक फैला था। लातूर के एक कोचिंग संस्थान ने परीक्षा से पहले एक मॉक टेस्ट करवाया जिसमें 42 सवाल असल पेपर से हूबहू मिलते थे। किसी के पास हफ्तों पहले ही असली प्रश्नबैंक तक पहुंच थी। ये कोई हाशिये का धंधा नहीं था, इसकी जड़ें मेडिकल एडमिशन के पूरे तंत्र में थीं।

वो बच्चे जिन्होंने कुछ नहीं किया

इस पूरे घोटाले का सबसे कम चर्चा होने वाला पहलू वही है जो सबसे ज़्यादा मायने रखता है। 22 लाख से ज़्यादा बच्चों ने ये परीक्षा दी। उनमें से भारी बहुमत का किसी लीक सामग्री से कोई वास्ता नहीं था। उनके लिए NEET सिर्फ एक परीक्षा नहीं है। दो, कभी-कभी तीन साल की पूरी ज़िंदगी उसी एक दिन पर टिकी होती है। कोचिंग की फीस, घर से दूर हॉस्टल की ज़िंदगी, वो वीकेंड जो मॉक टेस्ट में डूब गए, वो पारिवारिक कार्यक्रम जो छूट गए, वो दोस्तियां जो चुपचाप रोक दी गईं। छोटे शहरों में और कमज़ोर तबकों के परिवारों में तो यह अक्सर एक पीढ़ी का सबसे बड़ा दांव होता है, आर्थिक भी और भावनात्मक भी। इस तरह की रद्दगी का मानसिक असर किसी नई तारीख के ऐलान से नहीं भरता। 2024 के NEET विवाद के बाद मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बच्चों में चिंता, अवसाद और कुछ बेहद दुखद मामलों में और भी गंभीर नतीजे दर्ज किए थे। अकेला अनिश्चितता का वो दौर, परीक्षा और रद्दगी के बीच का ना-जाने का वक्त, अपने आप में नुकसान करता है। जिन बच्चों ने 3 मई के आसपास अपनी तैयारी चरम पर पहुंचाई थी, उन्हें अब महीनों फिर से वही दबाव झेलना होगा, बिना किसी इस बात की गारंटी के कि जो सिस्टम एक बार नाकाम हुआ वो अब सुधर चुका है। यहां एक और बात साफ कहनी ज़रूरी है। अच्छे घरों के बच्चे दोबारा शुरुआत कर सकते हैं, एक और कोचिंग साइकल, एक और साल की तैयारी। लेकिन जो बच्चे आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों से आते हैं, उनके लिए एक और साल की देरी सिर्फ देरी नहीं होती। कई बार वो आखिरी मौके का अंत होती है। परीक्षा दोबारा होगी, लेकिन एक और साल का बोझ सब पर बराबर नहीं पड़ता, और इस घोटाले की कोई भी ईमानदार चर्चा इस फ़र्क को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकती।

NTA के पास क्या था

सारा दोष लापरवाही पर डालने से पहले रिकॉर्ड को ठीक से देखना ज़रूरी है। NTA ने AI आधारित ष्टष्टञ्जङ्क निगरानी, GPS ट्रैकिंग, बायोमेट्रिक सत्यापन और वॉटरमार्क वाले दस्तावेज़ लगाए थे। 120 से ज़्यादा टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल रिपोर्ट किए, पोर्टल पर 1,500 से ज़्यादा शिकायतें दर्ज हुईं। एजेंसी सोई नहीं थी। फिर भी कुछ काम नहीं आया, क्योंकि सेंध ऊपर लगी, छपाई या डिस्पैच के स्तर पर, इससे पहले कि ये कोई भी सुरक्षा उपाय काम में आता। घेरा अंदर से टूटा। यह फ़र्क समझना ज़रूरी है क्योंकि दोनों तरह की नाकामियों का इलाज अलग है। परीक्षा केंद्र की गड़बड़ी को हॉल में निगरानी बढ़ाकर ठीक किया जा सकता है। ऊपर की सेंध को ठीक करने के लिए हर उस इंसान और हर उस प्रक्रिया का ऑडिट करना होगा जो प्रश्नपत्र को लिखे जाने से लेकर बच्चे के सामने रखे जाने तक उसे छूती है। ये दो अलग काम हैं, और दोनों को एक मानने से सुधार का भ्रम तो पैदा होता है, असल सुधार नहीं।

मीडिया ट्रायल और कानूनी प्रक्रिया

कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और CBI ने जांच अपने हाथ में ले ली है। गिरफ्तारी के कुछ घंटों के भीतर नाम और चेहरे न्यूज़ चैनलों पर छा जाते हैं। इस पर रुककर सोचना ज़रूरी है। जनता का गुस्सा पूरी तरह जायज़ है, लेकिन जो सिस्टम 22 लाख बच्चों के साथ नाकाम रहा, उसी से यह भी उम्मीद है कि वो निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करे। आरोपियों की इस नेटवर्क में अलग-अलग भूमिकाएं हैं और हर किसी को उसकी अपनी भूमिका के हिसाब से परखा जाना चाहिए। गुस्सा समझ में आता है, लेकिन वो सबूत की जगह नहीं ले सकता। मीडिया ट्रायल सज़ा का विकल्प नहीं है।

जल्दबाज़ी में किया गया न्याय, न्याय नहीं होता, वह केवल न्याय का दिखावा होता है। जब जाँच सार्वजनिक आक्रोश की आँच और मीडिया की चमक-दमक के दबाव में की जाती है, तो सबसे पहले प्रक्रिया का गला घोंटा जाता है, और प्रक्रिया के साथ-साथ, लोगों की ज़िंदगियाँ भी। पूरे परिवार को सबूत की नहीं, बल्कि संगति की बुनियाद पर फँसाया जाता है।

एक बाप, एक बेटा, एक भाई, सब एक ही रात में गिरफ्तार, उनके नाम किसी अदालत में सुने जाने से पहले ही टेलीविज़न पर चमकने लगते हैं। यह कैसे संभव है कि एक पिता, भाई और पुत्र एक ही अपराध में फंस जाएं? अब वे न्याय के लिए कहां जाएंगे? सीबीआई जैसी प्रमुख जांच एजेंसी के खिलाफ उनका साथ देने के लिए कौन आवाज उठाएगा? कुछ करते हुए दिखने की यह हड़बड़ी ऐसी गिरफ्तारियाँ पैदा करती है जो जाँच की कसौटी पर टिकेंगी नहीं, ऐसे आरोप जो साबित नहीं होंगे, और ऐसी ज़िंदगियाँ जो दोबारा पटरी पर नहीं आ सकतीं। जिन 22 लाख बच्चों के साथ अन्याय हुआ है, वे असली जवाबदेही के हकदार हैं, जल्दबाज़ी में की गई जवाबदेही के नहीं। रफ़्तार से जुटाए गए सबूत इंसाफ़ नहीं देते, वे बस इंसाफ़ का भ्रम देते हैं, जबकि असली दोषी चुपचाप इंतज़ार करते रहते हैं कि शोर थम जाए तब उन्हें राजनीतिक संरक्षण मिल जाता है ।

असली समाधान

गिरफ्तारियां जनता का गुस्सा शांत करती हैं, लेकिन वो उस रास्ते को बंद नहीं करतीं जहां से पेपर पहले निकला। प्रश्नपत्रों की छपाई, हैंडलिंग, सीलिंग और ट्रांसपोर्ट का गंभीर ढांचागत ऑडिट ही असली रोकथाम है। 2024 के बाद भी कमेटियां बनीं, सिफारिशें आईं। 2026 फिर भी हो गया। किसी न किसी मोड़ पर सिफारिशें लागू करने योग्य जवाबदेही में बदलनी होंगी, हर उस जगह जहां से पेपर गुज़रता है, न सिर्फ उन जगहों पर जो कैमरे पर अच्छी दिखती हैं। 22 लाख बच्चे इससे कम के हकदार नहीं हैं।

लेखकः- डॉ. ए. पी. सिंह,
सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया
के प्रख्यात वकील

जाफराबाद की गलियों में बिछेगी नई सीवर लाइन

पूर्वी दिल्ली। सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र में जाफराबाद की गली नंबर 21 और 22 में नई सीवर पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इससे स्थानीय निवासियों को राहत मिलेगी। बुधवार को विधायक चौधरी जुबैर अहमद और निगम पार्षद शगु ता चौधरी जुबैर ने इस परियोजना का उद्घाटन किया। जाफराबाद की ये प्रमुख गलियां मु य मार्ग से जुड़ी होने की वजह से सड़कों पर सीवर का पानी बहता रहता है।

NAME CHANGE
I, SADDAM HUSSAIN S/O ZAFAR AHMAD R/O HOUSE NO. 703 CHANDNI MAHAL DARYA GANJ NEW DELHI - 110002, HAVE CHANGED MY NAME SPELLING FROM SADDAM HUSAIN TO SADDAM HUSSAIN FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, Kapil Arora S/o D P Arora R/o E-134, Ashok Vihar Phase -1, Ashok Vihar, PO: Ashok Vihar, Dist: North West Delhi, Delhi - 110052 have changed my name and shall hereafter be known as Kapil Kumar Arora

NAME CHANGE
I,LIYAQUAT ALIS/OABDUL RASHID residing atB6/46C DDA FLATS INDER LOK DELHI 110035have changed my name to LIYAKAT ALIfor all future purpose.

NAME CHANGE
I, MAHINDER SINGH s/o VIJAY SINGH R/O HOUSE NO A-37, RAJPUR KHURD MAIDAN GARHI, NEW DELHI 110068 have changed my name from MAHINDER SINGH to MAHENDER SINGH, and henceforth I shall be known as MAHENDER SINGH, for all future purposes. That MAHENDER SINGH, and MAHENDER SINGH both names belong to the same and one person.

NAME CHANGE
I,SANIYA REHMAND/OMOHD SALEEM REHMAN residing atB-2/16-B DDA FLATS INDER LOK DELHI 110035have changed my name to SANIYA RAHMAN for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री संतोष राय की पानी श्रीमती पूजा का और श्री सुशील शर्मा की पत्नी श्रीमती सोनिया शर्मा, दिल्ली राज्य के हस्तसाल गांव, शिव विहार कौलोगी, निकाम नगर, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 में स्थित सामरा संख्या 8/9/2 और 9/4 में से सपनि मख्या 2, निमका क्षेत्रफल 57 वर्ग गन है, को श्री श्रीधर सिंह की पत्नी श्रीमती सुमन देवी द्वारा दिनांक 10.04.2026 को निष्पादित नोटरीकृत बीपीए, एटीएम और बसीवत के आधार पर मोहम्मद सलीम को बेचा जाना है, और इसका वित्तपोषण एसएमएफत्री इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक सर्वांत में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का विवाद है, तो कृपया वर्तमान सूचना के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।,
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE
I,MOHAMMAD SALEEM ALIAS MOHD SALIM RAHMANS/OABDUL REHMAN residing atB-2/16-B DDA FLATS INDER LOK DELHI 110035have changed my name to MOHD SALEEM REHMAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, KIRAN DEVI Mother of No-14660312N, Rank-HAV, Name-MUKESH YADAV residing at VILL-LALPUR, PO-MIRZAMURAD, TEHSIL-SADAR, DIST-VARANASI, UTTAR PRADESH-221307 have changed my name from KIRAN DEVI to VITATO DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 13/05/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती स्नेहलता शर्मा, खसरा संख्या 49 में से निकाली गई 100 वर्ग गज अर्थात 83.61 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली संपत्ति, जो ग्राम हाजीपुर, परगना एवं तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है, को श्री सुनील कुमार से क्रय करना चाहती हैं। श्री सुनील कुमार ने उक्त संपूर्ण संपत्ति को श्रीमती भगवती देवी से विक्रय विलेख दिनांक 03.12.2014, पंजीकरण संख्या 5038 के माध्यम से क्रय किया था। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल श्रृंखला दस्तावेज, अर्थात विक्रय विलेख दिनांक 03.12.2014, पंजीकरण संख्या 5038, गुम हो गए हैं। अतः उपरोक्त संपत्ति के संबंध में मूल दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। उक्त दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन एफ.आई.आर. संख्या 039 दिनांक 14.05.2026 दर्ज कराई गई है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गुड़गांव शाखा, हरियाणा के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE
I, MUKESH KUMAR AGE 58 YRS SON OF KALU RAM AND RAMAN VATI AGE 58 YRS W/O SH. MUKESH KUMAR BOTH ARE R/O ?.??-1-116 BLOCK I LAJPAT NAGAR 1 SOUTH NEW DELHI-110024 declare That PANKAJ KUMAR age 389 yrs (son) and her wife DEEPIKA (daughter in law) residing at J BLOCK H. NO. 25 4TH FLOOR, SRINIWAS PURI PVT COLONY NEAR RAILWAY LINE NEW DELHI. That We have served all the Relations with their own son Mr. Pankaj Kumar and daughter in law Mrs. Deepika Disowned own from all their movable and immovable properties.That any body who deals with her/his in any manner whatsoever shall doing at their own risk and We shall not be responsibility for his/her acts of omission and commission.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Jeet Singh Panwar S/o Late Mr. Pancham Singh Panwar is the owner of Freehold Residential Built-up Upper Ground Floor without roof rights area measuring 62 Sq. Yds. on Bearing Property No. K-3/41 Situated at Village Ghonda Gujran Khadar in the Abadi of Gali No.12, K- Block, West Ghonda, Illaqa Shahdara, Delhi-110053. by virtue of Regd. GPA dated 27.04.2018 Vide Doc No.1041, Book No.4, Volume No.11190, on Page Nos.66-71, Registered on 27.04.2018, in S.R-IV-Seelampur. now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Sajan Kumar Jain and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री विक्टर, पुत्र नेक्से, निवासी बी-2/173, जेजे कॉलोनी, मदनपुर, खादर, नई दिल्ली 110076, ने अपने पुत्र वंश, पुत्र विक्टर, निवासी B-2/173, जेजे कॉलोनी, मदनपुर, खादर, नई दिल्ली 110076, से सभी पारिवारिक संबंध तोड़ लिए हैं और उनके बुरे, विश्वासघाती और अपमानजनक व्यवहार के कारण उन्हें अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है। इसके बाद, इसकी सूचना पुलिस स्टेशन कालिंदीकुंज के एसएचओ को दी जाएगी।
JAY KUMAR(ADVOCATE)
High Court & District Court of Delhi.
Ch. No.969 Patiala House Court New Delhi-110002

NAME CHANGE
I hitherto Known as KM SONIYA alias SONIYA ARORA alias SONIYA D/o RAVI KUMAR W/o SUNNY ARORA , residing at B – 302 First Floor Front Side , Gurudwara Stret , Bankey Bihari Mandir , Sudarshan Park Moti Nagar Esi , Ramesh Nagar , West Delhi , Delhi – 110015 have changed my name and shall hereafter be known as SONIYA .

NAME CHANGE
I, MANPREET KAUR W/O RAJESH SAINI residing at H NO-152/1A, WEST AZAD NAGAR, GALI NO-12, NEW DELHI-110051 have changed my name to MENU SAINI for all future purposes.

NAME CHANGE
I NAFIS AHMAD KHAN S/O JAMAL UDDIN KHAN R/O 2748 3RD FLOOR KUCHA CHALLAN DARYA GANJ DELHI 110002 Have Changed My Name To NAFEES AHMAD KHAN Permanently

NAME CHANGE
I, Parvinder wife of Chiranjeev Singh R/ o C-3 /181 Janakpuri West Delhi -110058 have changed my name to Parvinder Kaur

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री चंद्र प्रकाश पुत्र श्री बिहार लाल ने प्लॉट संख्या 342, क्षेत्रफल 49.5 वर्ग गन, खेनट संख्या 108, खतौनी संख्या 126 मि., मु. संख्या 21, किला संख्या 2(8-0), 3(8-0) में स्थित, जाका मौजा सेहतपुर, वहयोल और जिला फरीदाबाद, हरियाणा में पंजीकृत जीपीए दिनांक 24.01.2006 के आधार पर, निधिनत पंजीकृत दस्तानेज के रूप में, पर हस्ताक्षर किए हैं। क्रमांक 455, पुस्तक क्रमांक 4, खंड क्रमांक 196, पृष्ठ 271-277, दिनांक 24.01.2006, एसआर-सीहोरे, मध्य प्रदेश, (एटीएस और बसीयत सहित), श्री गंगा सिंह नेगी पुत्र श्री दीवान सिंह नेगी द्वारा निष्पादित की गई, उक्त संपत्ति श्रीमती सोनिका चौहान को बेची जानी है, और इसका वित्तपोषण एसएमएफनी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाना है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE
I, MEVALAL YADAV father No-14660312N, Rank-HAV, Name-MUKESH YADAV residing at VILL-LALPUR, PO-MIRZAMURAD, TEHSIL-SADAR, DIST-VARANASI, UTTAR PRADESH-221307 have changed my name MEVALAL YADAV to MEVA LAL YADAV for all future purposes vide Affidavit Dated 13/05/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, SUSRI SANGEETA BHUYAN W/o NIBAS KUMAR BHUYAN R/O VPO-SAMITANGA, PS & TEHSIL-KESHORNAGAR, DIST-CUTTACK, ODISHA-754131, have changed my name from SANGEETA BHUYAN to SUSRI SANGEETA BHUYAN for all future purposes .

NAME CHANGE
I SHAJJAN AHMAD S/O SAID AHMED R/O H.N0-10, SECTOR-48, FARIDABAD, HARYANA-121001 HAVE CHANGE MY NAME TO SAJAN AHMED FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I TABBUSSUM GOHAR W/O SAJAN AHMED R/O H.N0-10, SECTOR-48, FARIDABAD, HARYANA-121001 HAVE CHANGE MY NAME TO TABASUM FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I SAJJAN AHMED S/O SAID AHMED R/O H.N0-10, SECTOR-48, FARIDABAD, HARYANA-121001 HAVE CHANGE MY NAME TO SAJAN AHMED FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I TABUSSUM W/O SAJAN AHMED R/O H.N0-10, SECTOR-48, FARIDABAD, HARYANA-121001 HAVE CHANGE MY NAME TO TABASUM FOR ALL PURPOSE

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Jyoti Rawal purchasing Freehold Residential Built-up House no. 929 area measuring 80 Sq. Yards, i.e. 66.88 Sq. Meters, Situated at Village Jhandapur, Pargana Loni, Tehsil Dadri, District Ghaziabad, U.P. from Mr. Ishwar Singh Raghav, Mr. Dinesh Singh & Mr. Yashpal Singh., initially Mrs. Sheela Devi was the absolute owner by virtue of Sale Deed dated 23.02.2021 Doc. No. 2422, Book No. 1, Volume No. 39827, on pages 37-66, on dated 23.02.2021, in SR- Sadar IV, Ghaziabad, Thereafter Mrs. Sheela Devi died on 27.12.2024., our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Finance Ltd. Branch: Dwarka, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I,NOSHAD AHMAD S/O SHAHID AHMAD R/O T-488, 4TH FLOOR, GALI NO-12, NEAR PRIMARY SCHOOL, GAUTAMPURI SEELAMPUR, DELHI-110053. HAVE CHANGED MY NAME TO NAUSHAD AHMED.

NAME CHANGE
I,IDISA KHATOON W/O SHAHID AHMAD R/O T-488, 4TH FLOOR, GALI NO-12, NEAR PRIMARY SCHOOL, GAUTAMPURI SEELAMPUR, DELHI-110053. HAVE CHANGED MY NAME TO IDREESHA KHATOON.

NAME CHANGE
I RUPA SHINDE W/O NAMDEV SHINDE R/O H.NO 803 NEAR JAAT CHOWK BALAJI KUNJ NIWA SECTOR 62 BALLABGARH FARIDABAD HARYANA 121004 have changed my name to PARVATI SHINDE Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I HASMAT ARA W/O MOHAMMAD FAZLUR RAHMAN R/O WARD NO -11 V.I.P MUHALLA MADHEPURA BIHAR 852113 have changed my name to HASHMAT TARA Permanently for all Future purpose

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Dilshad Mohammad and Mrs. Anjum ARA are the owner and in possession of a Freehold Residential Vacant Plot No. 106, area measuring 71.50 Sq. yards i.e, 59.78 Sq. meter, out of Khasra no. 255 Mi, Situated in Shiv Puram Colony Second Indra Garhi Vllage Dasna Pargana Dasna Tehsil and District Ghaziabad Uttar Pradesh. by virtue of Sale Deed dated 29.08.2024 Doc. No. 11247, Book No. 1, Vol No. 21876, Pg. No. 159 to 182, dated 29.08.2024, SRO-Sadar II Ghaziabad. In the chain of documents, the (1) Original Sale Deed dated 25.05.2007 executed by Mr. Mansa in favor of Mrs. Vandana Sahayogi (2) Original Sale Deed dated 15.05.2013 executed by Mrs. Vandana Sahayogi in favour of Mrs. Chinta Devi & (3) Original Sale Deed dated 14.02.2019 executed by Mrs. Chinta Devi in favor of Mr. Vinod Kumar are not available; Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property., and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Pritampura Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, ROHIT KHATRI S/O SURJAN KHATRI resident of H NO-1H-48 BLOCK-H NEAR BUS STAND NIT-1 FARIBAD HR-121001 have changed my name to ROHIT KUMAR KHATRI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, RAVI KUMAR MALHOTRA S/O AMAR NATH MALHOTRA resident of 135/A, JHEEL KHURANJA, DELHI-110051 have changed my name to RAVI KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SONAM SINGH wife of No.-15432151M, Rank-NK, Name-YOGESH SINGH residing at VILL-BANAVE, PO-BAZAR GOSAIN, TEHSIL-SAGARHI, DIST-AZAMGARH, UTTAR PRADESH-276127, have changed my name from SONAM SINGH to SONAM VERMA for all future purposes vide Affidavit dated 15/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Dibesh Jindal S/o Sundar Pal Jindal R/o H No 250B, Street No 11, Hans Enclave, Gurgaon, Haryana - 122001, have changed my name to Divesh Jindal

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल, श्रीमती पूनम चौधरी, श्री वी. नारायणन से आवासीय प्रथम तल सहित छत अधिकार, संपत्ति संख्या 56, ब्लॉक-ए (नया नं. 11, ब्लॉक-3), क्षेत्रफल 250 वर्ग गज, स्थित रिहायशी कॉलोनी स्प्रिंग फील्ड्स, एक्सटेंशन नं. 1, तहसील एवं जिला फरीदाबाद, हरियाणा, खरीदना चाहती हैं। उक्त संपत्ति की प्रारम्भिक मूल स्वामिनी श्रीमती मणि बेन थीं, जिन्होंने सम्पूर्ण संपत्ति M/s Northern India Land & Finance Corporation से विक्रय विलेख दिनांक 08.06.1972 के माध्यम से क्रय की थी। तत्पश्चात, उन्होंने दिनांक 06.12.1994 को श्री हसमुख भाई के पक्ष में एक पंजीकृत वसीयत (गुजराती से अंग्रेजी में अनुवादित) निष्पादित की। दुर्भाग्यवश, श्रीमती मणि बेन का निधन दिनांक 31.03.2000 को हो गया। इसके पश्चात, श्री हसमुख भाई ने उक्त संपत्ति को श्रीमती मीनाक्षी कौशिक के पक्ष में विक्रय विलेख दिनांक 06.10.2006 के माध्यम से बेच दिया। तत्पश्चात, श्रीमती मीनाक्षी कौशिक ने दिनांक 15.05.2007 को पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री वी. नारायणन के पक्ष में हस्तांतरित कर दी। परिणामस्वरूप, श्री वी. नारायणन उक्त संपत्ति के स्वामी बन गए। बताया गया है कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के वाद-विवाद, बाधाओं, ग्रहणाधिकार, प्रभार अथवा दावों से मुक्त है। कृपया यह भी नोट करें कि उक्त संपत्ति Bajaj Housing Finance Ltd. गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Dhanajay Kumar Mishra S/o Mr. Raj Kumar Mishra is the owner of Freehold Residential Plot No. II-A/69 area measuring 200.32 Sq. Mtrs. Situated at Residential Colony Vaishali, Ghaziabad, U.P.. by virtue of Regd. GPA dated 27.01.2003., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and First Floor (Rear RHS portion without roof rights) sold to be Mr. Shashi Chandra and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
Be, it known to general public at large, under instructions from and on behalf of my client Sh. Ramesh Chand son of Late Shri Bahal Singh Age About 75 Years Old, R/O H.No.7, Gali No.1, Village Samalkha Extension, New Delhi-110037, has debarred and disowned his elder son, namely, Gurujan and his wife Ms. Sanjana, younger son, namely, Chetan and his mother Kamla wife of Late Shri Harphool from all his moveable and immoveable properties due to their disrespectful and disobedience behaviors and also severed all his relations with them. If anybody deals with them in any manner, he/she shall do so at his/her own risk, costs and consequences. My client shall not in any manner liable and responsible for the same.
LENIN MANOCHA ADVOCATE
B-34/5, RAMESH NAGAR, WEST DELHI-110015.

PUBLIC NOTICE
Be it known to all concerned that my clients (1) ABDUL SATTAR 5/0 MOLLA BAZ AND (2) TASALIMAN W/O ABDUL SATTAR, both R/O WZ-862A, GALI NO.15A, SADH NAGAR-1, PALAM COLONY, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045, disowned and disinherited their son ABDUL RAMZAN and daughter in-law SAMSIDA PARVEEN W/O ABDUL RAMZAN, both R/O WZ-862A, FIRST FLOOR, GALI NO.15A, SADH NAGAR-1, PALAM COLONY, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 and grandsons ABDUL ARMAN and grand-daughter-in-law BARKHA SHARMA W/O ABDUL ARMAN, both R/O WZ-862A, 3RD FLOOR, GALI NO.15A, SADH NAGAR-1, PALAM COLONY, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 from all their movable and immovable properties situated in Delhi, due to their adamant arrogant, disobedience misconduct and misbehavior towards my clients. Henceforth, anybody dealing with them, may do so at his/her own risk and consequences and my above said clients shall not be held liable for any of the acts, deeds and things done by them."
PRABHA RANI Advocate
Lady Bar Room Dwarka Court, New Delhi-75 M-9873581422

भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
5 वीं मंजिल, पं. दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003
****

वर्ष 2026 के लिए दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए 'ऑनलाइन' माध्यम से आवेदन आमंत्रित करना

वर्ष 2026 के लिए दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए आवेदन/नामांकन प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल 15 मई, 2026 से 31 जुलाई, 2026 तक खुला रहेगा । इसका विवरण निम्नानुसार है:

i. आवेदन/नामांकन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (**www.awards.gov.in**) पर किए जायेंगे ।
ii. वर्ष 2026 के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए 31 जुलाई, 2026 तक प्राप्त आवेदन/नामांकन पर हीं विचार किया जाएगा।
iii. वर्ष 2026 के लिए आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (**www.awards.gov.in**) पर ऑनलाइन जमा किया जाना है। नामांकन में उपरोक्त पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप में निर्दिष्ट सभी प्रासंगिक विवरण शामिल होने चाहिए, जिसमें उल्लेखनीय और प्रेरक उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से शामिल किया जाना चाहिए तथा उपलब्धियों से सम्बंधित सहायक दस्तावेज भी अपलोड करना चाहिए । व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार के अंतर्गत उप-श्रेणियों - सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन, श्रेष्ठ दिव्यांगजन और श्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग बाल/बालिका के लिए, यूडीआईडी कार्ड/दिव्यांगता प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य है।
iv. **भौतिक रूप से या किसी अन्य रूप से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।**
v. पात्रता मानदंड और अन्य विवरणों के लिए विभाग की वेबसाइट (**www.depwd.gov.in**) पर उपलब्ध "दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए दिशानिर्देश" तथा राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (**www.awards.gov.in**) पर भी देखे जा सकते हैं।

हस्ताक्षरित/-
अजय कुमार
अवर सचिव,भारत सरकार
दूरभाष : 011-24369057

CBC 38117/11/001/2627

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LTD.,
1/4, Desh Bandhu Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi – 110 055.

SYMBOLIC POSSESSION NOTICE SECTION 13(4)
(For Immovable property)

Whereas :

The undersigned being the Authorised Officer of the **Ramgarhia Co-operative Bank Ltd.** under Securitization And Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (Act 54 of 2002 (hereinafter referred to as "the Act") and in exercise of powers conferred under Section 13(2) read with Rule 3 of the Security Interest (Enforcement) Rules 2002, issued a Demand Notice details given as below we had pasted the same notice on the property calling upon the Borrower/Guarantor Borrower/ Co Borrower to repay the amount mentioned in the notice, respectively within 60 days from the date of receipt of the said notice.

The borrower having failed to repay the amount, notice is hereby given to the borrower and the public in general that the undersigned has taken possession of the property described herein below in exercise of powers conferred on him / her under section 13(4) of the said Act, read with Rule 8 & 9 of the said Rule on this 15th **day of May of the year 2026.**

S. No	Name of the Borrower/ Guarantor/ Borrower/Co-Borrower	Property Details	Date of issuing 13(2)	Date of issuing 13(4)	Amount
1.	Sh. Ravi Kumar S/o Sh. Subhash Chand (Guarantor) Sh. Harvinder Singh, Sh. Raj Kumar	All Piece and Parcels of :Third Floor with roof/terrace rights out of Property Bearing No.F-127, land measuring 50 Sq. Yards, out of Khasra No.31/23, situated in the area of Village Khyala, Delhi-110018 (More fully described in Schedule A hereto)	31/01/2025	12/05/2026	Rs.6,50,024.00 (Rupees Six Lakh, Fifty Thousand and Twenty Four only) as on 31/12/2025 + further interest and legal charges
2	M/s J. K. Traders Prop. Sh. Gurvinder Singh Smt. Paramjit Kaur (Deceased) through all her legal heirs & S. Ravinder Singh	All Piece and Parcels of : WZ-139A/4-A, Plot No-8, GF, Gali No.-13 New Mahavir Nagar, New Delhi-110018, Area- 65 sq. yards (More fully described in Schedule A hereto)	31/01/2025	12/05/2026	Rs.12,01,842.00 (Rupees Twelve Lakh, One Thousand, Eight Hundred and Forty Two only) as on 31/12/2025 + further interest and legal charges

The borrower's attention is invited to the provisions of Section 13(8) of the Act, in respect of time available, to redeem the secured assets.

Authorized Representative
Phone : 011- 40192447, 011- 45595302
E-mail : rcbl_ho@ramgarhiabank.com

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में सीईटी के आधार पर होगी ग्रुप डी की भर्तियां

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने ग्रुप-डी कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए नया चयन मानदंड लागू कर दिया है। मानव संसाधन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, अब ग्रुप-डी पदों पर भर्ती पूरी तरह कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट के अंकों के आधार पर की जाएगी। नई अधिसूचना के अनुसार, ग्रुप-डी पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन और सिफारिश, उन पदों को छोड़कर जिनकी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक से कम है, केवल सामान्य पात्रता परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर होगी। सीईटी स्कोर को ही 100 प्रतिशत वेटेज दिया जाएगा। सरकार ने सीईटी के पाठ्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया है। पहला, 75 प्रतिशत अंक, सामान्य जागरूकता, तर्कशक्ति, गणितीय योग्यता, अंग्रेजी, हिंदी और संबंधित विषय। और दूसरा 25 प्रतिशत अंक, हरियाणा का इतिहास, समसामयिक घटनाएं, साहित्य, भूगोल, पर्यावरण और संस्कृति। ग्रुप-डी पदों के लिए प्रश्नपत्र का स्तर मैट्रिक (10वीं) के समकक्ष होगा। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि जिन अभ्यर्थियों ने 12 जनवरी 2024 को आयोजित ग्रुप-डी सीईटी परीक्षा पास की थी और जिसकी वैधता 11 जनवरी 2027 तक है, उनके अंकों को भी अधिकतम 95 अंकों के सापेक्ष प्रतिशत में परिवर्तित किया जाएगा।

ग्रुप डी के पदों पर भर्तियां करेगी सरकार

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के विभिन्न विभागों, बोर्ड, निगमों, प्राधिकरणों और अन्य सरकारी एजेंसियों में रिक्त ग्रुप-डी के नियमित पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत चौकीदार और स्वीपर के पदों को छोड़कर अन्य सभी रिक्त नियमित ग्रुप-डी पद हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से भरे जाएंगे। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, बोर्डों, निगमों, वैधानिक निकायों तथा राज्य सरकार के स्वामित्व और नियंत्रण वाली अन्य एजेंसियों के प्रमुखों को रिक्त पदों की नई मांग 31 मई, 2026 तक एचएसएससी के पोर्टल अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। विभागों को स्वीकृत पदों, नियमित कर्मचारियों द्वारा भरे गए पदों और हरियाणा अनुबंध कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) अधिनियम, 2024 के तहत कार्यरत अनुबंध कर्मचारियों द्वारा भरे गए पदों का विवरण देने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, 5 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अनुबंध कर्मचारियों और 5 वर्ष की सेवा पूरी नहीं करने वाले कर्मचारियों का अलग-अलग विवरण उपलब्ध कराने को कहा गया है।

अग्र समाज के स्थापना दिवस पर 17 मई को चंडीगढ़ में 'एक शाम अग्रसेन के नाम': असीम गोयल

चंडीगढ़। अग्र समाज के 5143वें स्थापना दिवस पर 17 मई को चंडीगढ़ स्थित सर्कस ग्राउंड में एक कार्यक्रम 'एक शाम अग्रसेन जी के नाम' होगा। यह कार्यक्रम महाराजा अग्रसेन के आदर्शों और उनके गौरवशाली इतिहास को समर्पित है। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। चंडीगढ़ में हरियाणा के पूर्व मंत्री असीम गोयल ने पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। इस अवसर पर चंडीगढ़ के पूर्व मेयर अनूप गुप्ता, नवीन गर्ग, प्रदीप गोयल, जगमोहन गर्ग, आनंद सिंगला व तेजेंद्र गुप्ता (टोनी) मौजूद रहे। पूर्व मंत्री असीम गोयल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने 5143 वर्ष पूर्व अग्रवाल वैश्य समाज की स्थापना की थी। पिछले वर्ष पहली बार इस स्थापना दिवस का आयोजन दिल्ली के भारत मंडपम में किया गया था, जिसे देशभर से व्यापक समर्थन मिला। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष पंजाब, चंडीगढ़ और हरियाणा की टीम मिलकर चंडीगढ़ में दूसरा भव्य आयोजन कर रही है। गोयल ने कहा कि 17 मई को होने वाले इस कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से पवन जिंदल और संत संपूर्णानंद महाराज कार्यक्रम में विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

जनगणना ड्यूटी में लापरवाही पर शिक्षकों को नोटिस जारी

सोनीपत। सोनीपत की उपायुक्त नेहा सिंह ने जनगणना ड्यूटी में में लापरवाही पर शिक्षकों को नोटिस जारी करने के निर्देश जारी किए हैं। यहां आयोजित बैठक में जनगणना ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया गया। उपायुक्त ने ऐसे शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही जिन शिक्षकों की लापरवाही ज्यादा पाई जाएगी, उनकी एक दिन की सैलरी काटने के आदेश भी दिए गए। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि ड्यूटी में किसी भी तरह की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। जानकारी दी गई कि जनगणना का पहला चरण 30 मई तक पूरा किया जाएगा। दूसरा चरण नौ फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक चलेगा। उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ काम करने और जारी दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बताया कि जनगणना के आंकड़े सरकार की योजनाओं और नीतियों के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए इस काम में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने जिलावासियों से अपील की कि गणनाकर्ताओं के साथ सहयोग करें और मांगी गई जानकारी सही तरीके से दें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनगणना के दौरान दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है और इसका उपयोग केवल सरकारी आंकड़े तैयार करने के लिए किया जाता है।

भाजपा की यह जीत कोई सामान्य जीत नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की जीत है: मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश की जनता लगातार 'नॉन स्टॉप कमल का फूल' खिलाने का काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को लगातार जनसमर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोग पीएम मोदी और कमल के फूल से प्यार करते हैं, क्योंकि भाजपा सरकार ने जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास और जनकल्याण के कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार नागरिक देवो भवः की भावना के साथ हर नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में आयोजित नव निर्वाचित मेयर, चेयरमैन एवं पार्षदों के अभिनंदन और जनता के धन्यवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की जमकर सराहना की और कहा कि भीषण गर्मी में भी कार्यकर्ताओं ने पूरी मेहनत और

समर्पण के साथ चुनाव लड़कर जीत सुनिश्चित की। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि भाजपा की यह जीत कोई सामान्य जीत नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिका चुनावों में जनता ने भाजपा को एकतरफा समर्थन देकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि वह विकास, पारदर्शिता और सुशासन की राजनीति के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि निकाय चुनावों में ट्रिपल इंजन सरकार बनाने का काम जनता ने किया है और अब विकास कार्य भी ट्रिपल स्पीड से होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा के बाद अब निकाय चुनावों में मिली जीत यह साबित करती है कि हरियाणा की जनता प्रधानमंत्री मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों पर भरोसा करती है। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता बूथ स्तर तक मजबूती से खड़ा रहा और घर-घर जाकर जनता से संपर्क किया। जनता ने भी कांग्रेस के परिवारवाद, झूठ और भ्रम फैलाने की राजनीति को नकार दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष लगातार लोकतंत्र का अपमान कर रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव हारने के बाद ईवीएम और वोट चोरी जैसे आरोप लगाकर भ्रम फैलाने का काम करती है, जबकि लोकतंत्र में जनता का निर्णय सर्वोपरि होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की आदत हमेशा लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कमजोर करने की रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष का काम सरकार की कमियों को उजागर करना होता है, लेकिन पहली बार ऐसा विपक्ष देखने को मिल रहा है जो सरकार के अच्छे कार्यों का भी विरोध कर रहा है।

प्रधानमंत्री की अपील का असर: मुख्यमंत्री ने काफिले में घटाई गाड़ियां

एजेंसी
चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वाहनों के काफिले में कटौती किए जाने का असर चंडीगढ़ में दिखाई दिया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अपने काफिले में शामिल गाड़ियों की संख्या को कम कर दिया तो वहीं राज्य के सहकारिता मंत्री साइकिल पर सवार होकर भाजपा कार्यालय में हुए कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे।

प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी आज सरकार के मंत्रियों तथा विधायकों ने अपने काफिले की गाड़ियों को कम कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईंधन बचत और संसाधनों के उचित उपयोग के आह्वान पर हरियाणा सरकार ने वीआईपी वाहनों के उपयोग में कटौती का फैसला किया है। सीएम नायब सिंह सैनी ने घोषणा की है कि अगले आदेश तक उनके कारकेड में सुरक्षा की दृष्टि से केवल आवश्यक वाहन ही शामिल होंगे। जिसके बाद सीएम ने अपने फ्लीट में न्यूनतम वाहनों के इस्तेमाल का निर्णय लिया है। इसके साथ ही उन्होंने सप्ताह में एक दिन बिना किसी सरकारी वाहन के कार्य करने का संकल्प भी लिया है। सीएम

ने कहा- राज्य सरकार के सभी मंत्री और विभागीय अधिकारी भी यात्रा के दौरान सीमित वाहनों का उपयोग सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों से अधिकतम बैठकों का आयोजन वर्चुअल माध्यम से करने का आग्रह किया गया है। इस बीच चंडीगढ़ में सुबह मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा भी कार्यकर्ताओं के साथ साइकिल से भाजपा कार्यालय पहुंचे।

हरियाणा में 2.6 करोड़ मतदाताओं का होगा सत्यापन, एसआईआर का ऐलान

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा में मतदाताओं का गहन पुनरीक्षण होगा। निर्वाचन आयोग के ऐलान के साथ ही प्रदेश में फिर से वोट की वैधता का मुद्दा शुरू हो गया है। विपक्षी दल इस मुद्दे पर सरकार के माध्यम से निर्वाचन आयोग को घेरने के लिए तैयार हो गए हैं। इस प्रक्रिया के तहत राज्य के करीब 2 करोड़ 6 लाख मतदाताओं का दोबारा सत्यापन होगा। चुनाव आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार हरियाणा में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 21 जुलाई को प्रकाशित होगी, जबकि अंतिम निर्वाचक नामावली 22 सितंबर को जारी की जाएगी। प्रदेश में करीब 25 लाख मतदाताओं को संदिग्ध श्रेणी में माना जा रहा है। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में यह सवाल तेज हो गया है कि क्या एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में वोट कटेंगे। यही वजह है कि इस पूरे अभियान को हरियाणा का अब तक का सबसे बड़ा 'वोटर ऑडिट' माना जा रहा है। एसआईआर की टाइमिंग ने राजनीतिक माहौल को और ज्यादा गर्म कर दिया है। अक्तूबर-2024 में हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों के बाद से कांग्रेस लगातार भाजपा पर वोट चोरी के आरोप लगाती रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एच फाइल्स' नाम से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हरियाणा चुनावों में करीब 25 लाख वोटों में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। कांग्रेस का दावा था कि मतदाता सूची में बड़े स्तर पर हेरफेर हुआ। प्रदेश कांग्रेस ने 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान भी चलाया था। कांग्रेस लगातार चुनाव आयोग और भाजपा सरकार पर सवाल उठाती रही है। हरियाणा में कुल 20 हजार 629 मतदान केंद्र हैं। इन सभी बूथों पर मतदाता सूची का गहन सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए करीब 25 हजार अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी।

पलवल में 23 मई को आयोजित होगी 14 से 18 वर्ष की छात्राओं की मैराथन : एसडीएम

एजेंसी
पलवल। जिला प्रशासन द्वारा एनजीओ वी. सत्या फाउंडेशन के सहयोग से बालिकाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के उद्देश्य से 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग की छात्राओं के लिए मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह मैराथन आगामी 23 मई को सुबह 6:30 बजे से पलवल शहर में मैराथन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हरियाणा सरकार में खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। यह मैराथन सेक्टर दो स्थित सामुदायिक भवन से शुरू होकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम पर आकर समाप्त होगी। एसडीएम पलवल भूपेंद्र सिंह ने जिला प्रशासन की ओर से मैराथन को सफल बनाने तथा मैराथन में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने युवाओं,

सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय नागरिकों से मैराथन में बढ़चढ़कर भाग लेने का भी आह्वान किया।

एसडीएम ने कहा कि इस मैराथन का मुख्य उद्देश्य बेटियों में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं खेल भावना को बढ़ावा देना है। मैराथन में विभिन्न विद्यालयों की छात्राएं भाग लेंगी और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' संदेश को भी मजबूत करेगा तथा समाज में बालिकाओं के सशक्तिकरण की प्रेरणा देगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मैराथन में अन्य प्रतिभागी भी प्रतिभागिता कर सकते हैं। एसडीएम ने बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए मैराथन के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल एवं साफ-सफाई को लेकर विशेष तैयारियां करने के निर्देश दिए। पुलिस विभाग को रूट पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने तथा यातायात को सुचारू बनाए रखने के आदेश दिए गए हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल टीम एवं एम्बुलेंस तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मैराथन के दौरान सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी प्रकार की अव्यवस्था न होने दी जाए। जिला प्रशासन ने मैराथन में आमजन से सहयोग बनाए रखने और निर्धारित रूट पर यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने हिरासत में आत्महत्याओं और जेल हिंसा पर मांगी रिपोर्ट

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी) की 'जेल सांख्यिकी भारत 2024' में सामने आए चिंताजनक निष्कर्षों का स्वतः संज्ञान लिया है और राज्य में हिरासत में आत्महत्याओं और जेल हिंसा पर एक रिपोर्ट मांगी है। एनसीआरबी ने हरियाणा की जेलों में आत्महत्याओं, अप्राकृतिक मौतों, जेल हिंसा, मानसिक स्वास्थ्य संकट, भीड़भाड़ और अपर्याप्त मनोवैज्ञानिक सहायता प्रणालियों की बढ़ती घटनाओं को एक गंभीर मानवाधिकार चिंता के रूप में लिया है। न्यायमूर्ति ललित बत्रा (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में और सदस्यों कुलदीप जैन और दीप भाटिया की पीठ ने वरिष्ठ राज्य अधिकारियों से स्पष्टीकरण और रिपोर्ट मांगने का एक विस्तृत आदेश पारित किया। आयोग ने पाया कि कैदियों और विचाराधीन कैदियों को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत गरिमापूर्ण जीवन जीने, स्वास्थ्य सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के संवैधानिक अधिकारों से केवल

इसलिए वंचित नहीं किया जा सकता है क्योंकि वे कारावास में हैं।आयोग के समक्ष रखी गई समाचार रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा में 2024 में कैदियों की 15 अप्राकृतिक मौतें दर्ज की गई और इन सभी मौतों का कारण आत्महत्या बताया गया। रिपोर्ट में आगे खुलासा हुआ कि हरियाणा देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जहां जेल परिसर के अंदर हथियारों से संबंधित हिंसक झड़पें दर्ज की गई हैं। जेलों में मानसिक तनाव, अवसाद, अलगाव संबंधी समस्याएं, हिंसक झड़पें, भीड़भाड़ और पर्याप्त परामर्श सुविधाओं की कमी के संबंध में गंभीर चिंताओं को भी उजागर किया गया। अपने आदेश में आयोग ने कहा कि हिरासत संस्थानों पर कैदियों को आत्महानि, मानसिक आघात, हिंसा, अवसाद और सामाजिक अलगाव से बचाने का संवैधानिक दायित्व है। इसमें इस बात पर भी जोर दिया गया कि समय पर मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप, नियमित परामर्श, मनोरोग संबंधी निगरानी, भावनात्मक पुनर्वास, शिकायत निवारण तंत्र, पारिवारिक सहायता प्रणाली और नशामुक्ति उपचार के माध्यम से हिरासत में आत्महत्या की घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। आयोग ने विशेष रूप से हरियाणा जेल नियम, 2022 के नियम 299 और 300 का उल्लेख किया, जिनमें आत्महत्या की रोकथाम और आत्महत्या की प्रवृत्ति वाले कैदियों की निगरानी से संबंधित सुरक्षा उपाय शामिल हैं। आयोग ने यह भी याद दिलाया कि हरियाणा की विभिन्न जेलों, विशेष रूप से कुरुक्षेत्र जिला जेल में किए गए पिछले निरीक्षणों के दौरान महिला कैदियों ने खुलासा किया था।

प्रदेश के 13 जिलों में राज्यस्तरीय बाढ़ मॉक ड्रिल का किया आयोजन

एजेंसी
चंडीगढ़। आगामी मानसून सीजन के मद्देनजर आपदा तैयारियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए प्रदेश के 13 बाढ़ संभावित जिलों में एक साथ पहली राज्य स्तरीय बाढ़ मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2023 और 2025 की बाढ़ से मिले अनुभवों के आधार पर हरियाणा के आपदा प्रबंधन ढांचे को और अधिक मजबूत बनाना था। हरियाणा की वित्त आयुक्त (राजस्व) एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने 'स्टेट इंसिडेंट कमांडर' के रूप में राज्य नियंत्रण कक्ष से पूरे अभ्यास का नेतृत्व और संचालन किया।डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि इस अभ्यास का आयोजन राज्य की आपदा तैयारियों का मूल्यांकन करने, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय में सुधार करने, आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की पुष्टि करने और कमियों की पहचान करने के लिए किया गया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार एक सक्रिय, तकनीक-

संचालित और समुदाय-केंद्रित आपदा प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह ड्रिल तीन चरणों में हुई। यह मॉक ड्रिल गुरुग्राम, अंबाला, फरीदाबाद, फतेहाबाद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पंचकूला, पानीपत, पलवल, सिरसा, सोनीपत और यमुनानगर में आयोजित की गई। इन जिलों की पहचान उच्च बाढ़ जोखिम वाले क्षेत्रों के रूप में की गई है। ास्तविक बाढ़

ग्रामीण क्षेत्रों के महाविद्यालय भी बनेंगे विद्यार्थियों की पहली पसंद: डा. नीलम दहिया

एजेंसी
गुरुग्राम। राजकीय महाविद्यालय सुल्तानपुर में दाखिलों के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थी पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण के बाद विद्यार्थी अपनी लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड की सहायता से आगे की प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। यह जानकारी प्राचार्या डा. नीलम दहिया ने दी। प्राचार्या डॉ. नीलम दहिया ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए हरियाणा में चल रही केंद्रीकत ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि सुल्तानपुर जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित महाविद्यालय विद्यार्थियों की पसंद बनेंगे। उन्होंने बताया कि पहली दो मेरिट सूचियां ऑनलाइन जारी की जाती हैं, शेष सीटों पर विद्यार्थियों को ओपन काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश का अवसर मिलता है। साथ ही सभी महाविद्यालय अपने नोटिस बोर्ड एवं वेबसाइट पर समय-समय पर आवश्यक सूचनाएं अपडेट करते रहते हैं। डॉ. नीलम दहिया ने हरियाणा सरकार द्वारा ग्रामीण आउटरीच के उद्देश्य से खोले जा रहे महाविद्यालयों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए

कहा कि ऐसे संस्थान ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए वरदान सिद्ध होंगे। हाल ही में घोषित सीबीएसई एवं हरियाणा बोर्ड की 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा के विद्यार्थी लगातार टॉपर्स की सूची में अपना स्थान बना रहे हैं। सुल्तानपुर महाविद्यालय ऐसे सभी आकांक्षी विद्यार्थियों के सपनों को साकार करने हेतु बी.ए. मल्टीडिसीप्लिनरी एवं बी.कॉम. जैसे पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। सुल्तानपुर महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2019 में हुई तथा सितंबर 2023 से महाविद्यालय अपने नव-निर्मित भवन से संचालित हो रहा है। प्राचार्या ने जानकारी दी कि गुरुग्राम विश्वविद्यालय से संबद्ध सुल्तानपुर महाविद्यालय में सभी पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संचालित किए जा रहे हैं। महाविद्यालय के एडमिशन नोडल अधिकारी रोहित शर्मा ने बताया कि बी.ए. एवं बी.कॉम. प्रवेश प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया जा चुका है।

जनता जनार्दन भाजपा को अर्श और कांग्रेस को फर्श पर लाई : धनखड़

एजेंसी
चंडीगढ़। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की एकतरफा जीत पर मतदाताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए विजेता उम्मीदवारों को बधाई दी है। धनखड़ ने कहा कि प्रदेश की जनता जनार्दन ने भाजपा की नीति और मोदी - नायब सरकार की कल्याणकारी योजनाओं पर फिर से अपनी मुहर लगा दी है। सोनीपत, रेवाड़ी, अंबाला, पंचकुला, धारूहेड़ा, सांपला निकायों सहित उपचुनाव में भाजपा की बड़ी विजय हुई है। धनखड़ ने कहा कि जनता जनार्दन सब देख रही और अनुभव कर रही है कि किस तरह देश और प्रदेश में कांग्रेस के नेता बयानबाजी कर रहे हैं। इनका जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं है। इसलिए जनता ने समझदारी से निर्णय लेते हुए भाजपा को सेवा का अवसर दिया है। सांपला को अपना गढ़ कहने वालों को जनता ने दिया करारा जवाब - बोले धनखड़

धनखड़ ने कहा कि सांपला नगरपालिका में भाजपा की जीत से तय हो गया कि अब कांग्रेसी इस क्षेत्र को अपना गढ़ कहना छोड़ देंगे । सांपला की जनता ने बता दिया है कि

काम को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि मोदी और नायब सरकार हर वर्ग को साथ लेकर चल रही है। कांग्रेस के नेता झूठ का सहारा लेते थे, अब जनता ने करारा जवाब देते हुए कह दिया है कि अब कांग्रेस की झूठ नहीं चलेगी। भाजपा का काम चलेगा और हम भी मोदी जी के साथ चलेंगे।

जनसमस्याओं का त्वरित समाधान करें अधिकारी: एसडीएम

बेरी में आयोजित उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में एसडीएम रेणुका नांदल ने सुनी समस्याएं

एजेंसी
झज्जर । उपमंडल प्रशासन द्वारा आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम रेणुका नांदल ने नागरिकों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने नागरिकों की शिकायत सुनते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। एसडीएम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का समाधान तय समय-सीमा में किया जाए और कार्यवाही की रिपोर्ट तुरंत प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य है कि नागरिकों की समस्याओं का निवारण उनके घर द्वार के समीप ही त्वरित गति से हो। एसडीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रत्येक शिकायत का समाधान शिकायतकर्ता की संतुष्टि के साथ किया जाना चाहिए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर नायब तहसीलदार सुरेंद्र शर्मा, पशुपालन विभाग से एसडीओ डॉ ऋषिपाल, लोक निर्माण विभाग से जेई प्रवीण अहलावत, बिजली विभाग से कनिष्ठ अभियंता अनिल

कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएलएफ फेज-1, सिग्नेचर टावर अंडरपास व बसई के तालाब क्षेत्र में की गई मॉकड्रिल

एजेंसी
गुरुग्राम। सुबह नौ बजे गुरुग्राम में बाढ़ आपदा को लेकर मॉक एक्सरसाइज आयोजित की गई। लघु सचिवालय परिसर में सायरन बजते ही प्रशासनिक तंत्र तुरंत अलर्ट मोड में आ गया। सूचना मिलते ही इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर सक्रिय किया गया और राहत एवं बचाव टीमों ने तय स्थानों पर पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया। कंट्रोल रूम से विभिन्न विभागों की गतिविधियों की निगरानी शुरू हुई। आपदा प्रबंधन को लेकर आयोजित इस अभ्यास का उद्देश्य संभावित बाढ़ जैसी स्थिति में विभिन्न एजेंसियों की तैयारी, समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को परखना था। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं डीसी उत्तम सिंह के मार्गदर्शन में मॉक एक्सरसाइज के दौरान इमरजेंसी ऑपरेशन सिस्टम (ईओसी) से सीटीएम ज्योति नागपाल और डीआरओ, विजय यादव और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से पूनम ने पूरे अभियान की मॉनिटरिंग की। अभ्यास की लाइव स्ट्रीमिंग भी की गई, जबकि सेना की टीम ने संपूर्ण गतिविधियों का सुपरविजन किया। जिला प्रशासन, राजस्व एवं प्रबंधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सिविल डिफेंस, एनडीआरएफ, पुलिस, फायर ब्रिगेड, लोक निर्माण विभाग और अन्य एजेंसियों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया। अभ्यास के तहत भारी बारिश और जलभराव की काल्पनिक स्थिति तैयार की गई। डीएलएफ फेज-1 अंडरपास और सिग्नेचर टावर अंडरपास को संभावित प्रभावित स्थल के रूप में शामिल किया गया, जबकि वास्तविक रेस्क्यू और राहत गतिविधियों का संचालन बसई पोंड क्षेत्र में किया गया। जलभराव की स्थिति को प्रभावी ढंग से दर्शाने और राहत एजेंसियों की कार्यप्रणाली का व्यावहारिक परीक्षण करने के उद्देश्य से विभिन्न रेस्क्यू गतिविधियां वहां आयोजित की गईं। मॉक सीनारियो के अनुसार कुल 23 घायलों को रेस्क्यू किया गया। जलमग्न अंडरपासों में वाहन फंसने से डूबने की घटनाओं में 8 लोगों की मृत्यु दर्शाई गई, जबकि बाढ़ के पानी में फैले करंट और खुले बिजली के तारों की चपेट में आने से 7 लोगों की मौत दिखाई गई। इसके अतिरिक्त सड़क दुर्घटनाओं और अन्य आघात संबंधी घटनाओं में भी कई लोग घायल हुए। सांप के काटने सहित विभिन्न आपात चिकित्सा स्थितियों को भी अभ्यास में शामिल किया गया।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 160, निफ्टी 46 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दोपहर बाद बिकवाली हावी होने से आई है। आज शुरुआती कारोबार के दौरान मार्केट में तेज़ी देखने को मिली थी पर दिन के अंत में उसके हाथ से बढ़त निकल गयी। मेटल, ऑयल एवं गैस तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच निवेशकों की सतर्कता से भी बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 160.73 अंक नीचे आकर 75,237.99 पर बंद हुआ । वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46.10 अंक फिसलकर 23,643.50 पर बंद हुआ, जिससे इसकी दो दिन की लगातार बढ़त का सिलसिला टूट गया। आज टाटा स्टील, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इटरनल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो, ट्रेंट, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स सेंसेक्स शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। वहीं इंफोसिस, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, अदानी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी इंडिया, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयरों में तेजी रही। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में ज़्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 में 0.45 फिसदी की गिरावट और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.61 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी की निफ्टी 50 की कंपनियों में टाटा मोटर्स पीवी , डॉ रेड्डीज में , इंफोसिस और टेक महिंद्रा में बढ़त रही जबकि हिंडाल्को क्वालिटी वॉल्स , नेस्ले इंडिया म, टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 98 अंक बढ़कर 75,497 पर और निफ्टी 41 अंक ऊपर 23,731 के स्तर पर खुला।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 22 पैसे की गिरवट के साथ ही 95.86 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह 30 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 पर पहुंच गया। रुपये में ये गिरावट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत डॉलर और पश्चिम एशिया संकट को लेकर निवेशकों की कमजोर धारणा के कारण आई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि तेल की कीमतों में तेजी के बीच डॉलर की खरीदारी जारी रहने के कारण रुपया दबाव में है और यह 96 के निशान के बहुत करीब बना हुआ है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.86 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 तक टूट गया जो पिछले बंद भाव से 30 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.96 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक कमजोर हुआ। हालांकि, अंत में दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.64 पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 फीसदी की बढ़त के साथ 99.05 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.30 फीसदी की बढ़त के साथ 107.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया।

कोटयार्क इंडस्ट्रीज का बड़ा ऐलान 1 शेयर पर 10 बोनस शेयर

मुंबई ।

माइक्रो-कैप कंपनी कोटयार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों के लिए बड़ा ऐलान कर दिया है। कंपनी के बोर्ड ने 10ः1 के अनुपात में बोनस शेयर बांटने की मंजूरी दी है, जिसका अर्थ है कि निवेशकों को उनके प्रत्येक 1 शेयर पर 10 बोनस शेयर दिए जांएगे। यह पहली बार है जब कंपनी अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी कर रही है। हालांकि, बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट की घोषणा अभी नहीं की गई है। इस घोषणा के बाद, कोटयार्क इंडस्ट्रीज के शेयर शुक्रवार को बीएसई पर उछाल के साथ 446.30 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले पांच साल से भी कम समय में यह मल्टीबैगर स्टॉक 400 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया है। 18 नवंबर 2021 को जहां यह शेयर 88.30 रुपये पर था, वहीं 15 मई 2026 तक यह 446.30 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के शेयरों ने हाल के महीनों में भी शानदार प्रदर्शन किया है। बीते छह महीनों में इसमें 80 प्रतिशत से अधिक का उछाल दर्ज हुआ है। वहीं, इस साल अब तक कोटयार्क इंडस्ट्रीज के शेयरों में 85 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। बीते चार महीनों में यह स्टॉक 110 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। इसका 52 हफ्ते का शीर्ष स्तर 448.35 रुपये और निचला स्तर 318.30 रुपये है। वित्तीय मोर्चे पर भी कोटयार्क इंडस्ट्रीज ने मजबूत प्रदर्शन किया है। 31 मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 9.38 करोड़ हो गया, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 1.51 करोड़ रुपये था। इसी तिमाही में कंपनी का राजस्व भी सालाना आधार पर 221 प्रतिशत बढ़कर 63.66 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कोटयार्क इंडस्ट्रीज बायोडीजल मैन्युफैक्चरिंग और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में सक्रिय है, जो वेस्ट कुकिंग ऑयल, वेजिटेबल ऑयल्स और एनिमल फैट्स से बायोडीजल का उत्पादन करती है। कंपनी में प्रमोटरों की हिस्सेदारी 63.84 प्रतिशत है, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 36.16 प्रतिशत है।

निवेशकों की होगी चांदी, अगले हफ्ते एलएंडटी, हैवेल्स, जीएम ब्रुअरीज कंपनी देंगी डिविडेंड

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में डिविडेंड से कमाई करने वाले निवेशकों के लिए अगला हफ्ता अहम रहने वाला है। लार्सन एंड टुब्रो, एलएंडटी फाइनेंस, एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज, सुला वाइनयार्ड्स, हैवेल्स इंडिया, जीएम ब्रुअरीज, ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी समेत कई कंपनियों ने डिविडेंड देने का ऐलान किया है। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक इन कंपनियों के शेयर 19 मई 2026 से 22 मई 2026 के बीच एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। डिविडेंड का फायदा पाने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड तारीख से पहले शेयर खरीदने होंगे।

एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज ने 40 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी ने 22 मई 2026 को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इसके बाद लार्सन एंड टुब्रो ने 38 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है। वहीं ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी 11.70 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देगी। जीएम ब्रुअरीज ने 9 रुपए प्रति शेयर, जबकि विनाइल केमिकल्स इंडिया ने 7 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड का ऐलान किया है। हैवेल्स इंडिया ने भी 6 रुपए प्रति शेयर का अंतिम डिविडेंड घोषित किया है।

कंपनी ने शेयरधारकों की पात्रता तय करने के लिए 24 मई 2026 को रिकॉर्ड डेट रखा है। इसके अलावा जिंदल सॉ और सुला वाइनयार्ड्स 2-2 रुपए प्रति शेयर का अंतिम डिविडेंड देंगी। वहीं एलएंडटी फाइनेंस ने 2.75 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड का ऐलान किया है। अलिकॉन कास्टअलॉय, वर्कमेट्स और मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर ने भी अंतरिम डिविडेंड का ऐलान किया है। मैन इन्फ्राकंस्ट्रक्शन 0.72 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देगा, जबकि अतिशय ने 1 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है। दोनों कंपनियों ने 19 मई 2026 को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

अडानी एयरपोर्ट्स और आईएचजी के बीच बड़ा समझौता, भारत में आएगा किम्पटन ब्रांड

मुंबई ।

अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने वैश्विक आतिथ्य कंपनी आईएचजी होटल्स एंड रिजार्ट्स के साथ भारत में पांच नए होटल तैयार करने के लिए एक समझौते की घोषणा की। यह साझेदारी मुंबई, नवी मुंबई और अहमदाबाद सहित प्रमुख हवाई अड्डों के करीब और तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में करीब 1,500 कमरे जोड़ेगी। यह समझौता भारत में आईएचजी की विस्तार रणनीति के अनुरूप है, इसके तहत विभिन्न ब्रांडों के तहत नए होटल विकसित किए जाएंगे। इस करार का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आईएचजी का लक्जरी ब्रांड किम्पटन होटल्स एंड रेस्तरां पहली बार भारतीय बाजार में आएगा। इन होटलों का विकास जयपुर, मंगलूरु, तिरुवनंतपुरम और मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में भी किया जाएगा। अडानी समूह की कंपनी एएएचएल वर्तमान में मुंबई, नवी मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ, गुवाहाटी, मंगलूरु और तिरुवनंतपुरम सहित आठ हवाई अड्डों का संचालन करती है। अडानी एंटरप्राइजेज के निदेशक प्रणव अडानी ने इस समझौते को हवाई अड्डों के आसपास विश्वस्तरीय एकीकृत गंतव्य विकसित करने के लक्ष्य के अनुरूप बताया। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी यात्रा, ठहरने और शहरी सुविधाओं के बेहतर समन्वय के साथ उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं और अंतरराष्ट्रीय मानक सुनिश्चित करेगी। आईएचजी के प्रबंध निदेशक (दक्षिण पश्चिम एशिया) सुदीप जैन ने भारत के आतिथ्य क्षेत्र, विशेष रूप से हवाई अड्डा-आधारित शहरों में बड़ी संभावनाओं पर जोर दिया, जहां व्यवसाय, पर्यटन और ट्रांजिट यात्रियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। आईएचजी वर्तमान में भारत में छह ब्रांडों के तहत 52 होटल संचालित करती है और अगले तीन से पांच वर्षों में 98 नए होटल खोलने की योजना बना रही है। दोनों कंपनियां इस साझेदारी को और विस्तार देने के लिए भी उन्नत स्तर की बातचीत कर रही हैं।

न्यू एरा क्लीनटेक महाराष्ट्र में लगाएगी 3 अरब डॉलर का ऊर्जा संयंत्र

कोयले को गैस में बदलकर औद्योगिक रसायनों और ईंधन का करेगी उत्पादन

नई दिल्ली।

मुंबई की न्यू एरा क्लीनटेक को उम्मीद है कि वह अपनी 20,000 करोड़ रुपए वाली बड़ी कोयला गैसीकरण परियोजना के पहले चरण का वित्तीय समापन दिसंबर 2026 तक कर लेगी और इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण ऑर्डर दे देगी। यह परियोजना महाराष्ट्र में चंद्रपुर के भद्रावती में स्थापित की जा रही है। नागपुर के पास स्थित यह इकाई भारत में नियोजित सबसे बड़े कोयला गैसीकरण और कार्बन कैप्चर संयंत्रों में से एक होगी। यह सालाना 50 लाख टन कोयले को गैस में बदलकर उर्वरक, खनन, वस्त्र और पैकेजिंग जैसे क्षेत्रों में इस्तेमाल किए जाने वाले अहम औद्योगिक रसायनों और ईंधन का उत्पादन करेगी।

यह परियोजना दो चरणों में विकसित की जा रही है। इसके लिए तीन सालों में कुल 3 अरब डॉलर का निवेश जरुरी है। कंपनी संस्थापक और प्रबंध निदेशक बालासाहेब डाराडे ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि पहले चरण में कंपनी करीब 1 अरब डॉलर का निवेश करेगी। इसके बाद दूसरे चरण में अतिरिक्त 2 अरब डॉलर का निवेश करेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम पहले चरण में करीब 12 से 16 लाख टन कोयले को गैस में तब्दील कर 1 अरब डॉलर के निवेश की बात कर रहे हैं। दूसरे चरण में यह दोगुना हो जाएगा।

कुल मिलाकर जब संयंत्र पूरी तरह से चालू होगा, तो हम हर साल करीब 50 लाख टन कोयले को गैस में तब्दील करने की क्षमता देख रहे हैं।

पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और उसके परिणामस्वरूप पैदा हुए ऊर्जा संकट ने अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी ईंधन इनपुट के मामले में भारत की आयात पर निर्भरता को उजागर कर दिया है। इस संकट ने सरकार को ऐसी नीतियां बनाने के लिए प्रेरित किया है, जिनसे कोयला गैसीकरण में निवेशकों की दिलचस्पी फिर से बढ़ाई जा सके।

ऐसा करके इन महंगे आयातों में कटौती की जा सकती है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा सकता है।

डिजिटल धोखाधड़ी रोकने भुगतान में देरी के प्रस्ताव पर बैंकों की जताई सहमति

चर्चा पत्र में प्रस्तावित सीमाएं केवल पियर टु पियर हस्तांतरण के लिए

नई दिल्ली।

धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए 10,000 रुपए से ज्यादा के खाता से खाता हस्तांतरण पर एक घंटे की देरी का प्रस्ताव करने वाले आरबीआई के चर्चा पत्र की कई हलकों में आलोचना हुई, लेकिन बैंक कुछ हद तक विलंब के विचार का व्यापक समर्थन करते दिखाई दे रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय बैंक से 10,000 रुपए की सीमा को बढ़ाकर 25,000 रुपए करने का आग्रह किया है। सूत्रों ने कहा कि भुगतान उद्योग संगठन सेल्फ-रेग्युलेटेड पीएसओ एसोसिएशन ने भी नियामक को अपनी प्रतिक्रिया भेजी है।

उद्योग ने चर्चा पत्र में सुझाए गए सुझावों के संभावित कार्यान्वयन से उत्पन्न परिचालन संबंधी मुद्दों को भी रेखांकित किया है।

उद्योग के एक सूत्र ने कहा कि चर्चा पत्र में प्रस्तावित सीमाएं केवल पियर टु पियर हस्तांतरण के लिए हैं।

यदि पी2एम प्रवाह के लिए इसी तरह के घोटाले शुरू हो जाएं तो क्या होगा? यह समस्या भरा हो सकता है। उद्योग ने उन परिचालन संबंधी मुद्दों को रेखांकित किया है जो सामने आ सकते हैं, जैसे विलंबित भुगतान, खातों की व्हाइटलिस्टिंग आदि। अप्रैल में जारी एक चर्चा पत्र में रिजर्व बैंक ने डिजिटल भुगतान में बढ़ती धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए कई उपायों का सुझाव दिया था।

इसमें लाभार्थी के खाते में धन जमा होने से पहले 10,000 रुपए से ज्यादा के डिजिटल भुगतानों में एक घंटे की देरी करना शामिल है। अन्य उपायों में कमजोर उपयोगकर्ताओं के लिए विश्वसनीय व्यक्तियों द्वारा अतिरिक्त प्रमाणीकरण, जिन खातों में बड़ी राशि जमा होती है, उनकी कड़ी जांच और ग्राहक द्वारा किए जाने वाले सुरक्षा उपायों का विस्तार शामिल है।

यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब 10,000 रुपए से ज्यादा के लेनदेन में मात्रा के हिसाब से करीब 45 फीसदी और मूल्य के हिसाब से 98.5 फीसदी धोखाधड़ी हो रही है। डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी में पिछले 5 सालों में मूल्य के मामले में लगभग 41 गुना वृद्धि हुई है और यह लगभग 23,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है।

एक निजी क्षेत्र के बैंक के एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि इस बात को लेकर वास्तविक चिंता थी कि धोखाधड़ी खत्म करने के इन प्रयासों से सभी के लिए असुविधा पैदा हो सकती है क्योंकि जो चीज तत्काल होनी चाहिए, उसमें समय लगेगा। सुरक्षा और दक्षता के बीच संतुलन बनाना मुख्य मुद्दा था। कुछ लोगों को लगा कि 10,000 रुपए की सीमा बहुत कम है और इसे बढ़ाया जाना चाहिए।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। ये गिरावट मुनाफावसूली के कारण आई है। इससे दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा भाव में भी गिरावट रही। सुबह घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,60,550 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,81,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में गिरावट रही। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 1,188 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,60,790 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,61,978 रुपये था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध 11,102 रुपये की गिरावट के साथ 2,80,000 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,91,102 रुपये था। वहीं एक समय यह अनुबंध 10,077 रुपये की गिरावट के साथ 2,81,025 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,81,765 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,79,458 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। कॉमेक्स पर सोना 4,654.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 84 डॉलर के भाव पर खुले।

जीक्यूजी पार्टनर्स ने अदाणी एंटरप्राइजेज से अपनी हिस्सेदारी बेची

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियां देखने को मिलीं। विदेशी निवेश कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स ने अदाणी एंटरप्राइजेज में अपनी 0.46 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर करीब 1,435 करोड़ रुपये जुटाए। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, जीक्यूजी पार्टनर्स इमर्जिंग मार्केट्स इक्विटी फंड ने अदाणी एंटरप्राइजेज के करीब 58.9 लाख शेयर 2,435.6 रुपये प्रति शेयर के औसत भाव पर बिके, जिन्हें एसबीआई म्यूचुअल फंड ने खरीदा। मार्च 2026 तिमाही के अंत तक, जीक्यूजी की अदाणी एंटरप्राइजेज में अन्य फंडों के द्वारा करीब 3.9 प्रतिशत हिस्सेदारी बरकरार थी। गुरुवार को शेयर बाजार का कारोबार खत्म होने पर अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 2,713.6 रुपये पर बंद हुआ। इसी कड़ी में, बागमाने प्राइम ऑफिस आरईआईटी ने शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की। इसकी यूनिट्स लिस्टिंग के बाद करीब 4 प्रतिशत बढ़कर 103.7 रुपये पर बंद हुईं, जबकि इश्यू प्राइस 100 रुपये था। कंपनी का 3,405 करोड़ रुपये का आईपीओ निवेशकों को खूब भाया और यह करीब 25 गुना सब्सक्राइब हुआ। बागमाने प्राइम ऑफिस आरईआईटी मुख्य रूप से बेंगलुरु में प्रीमियम ग्रेड ए प्लस ऑफिस पार्कों का मालिकाना हक व प्रबंधन करती है।

उधर, एसेट मैनेजमेंट कंपनियां एएसके अल्टरनेटस और लाइटहाउस कैंटन ने भारत के तेजी से बढ़ते प्राइवेट क्रेडिट मार्केट में नए फंड लांच किए हैं। एएसके अल्टरनेटस का लक्ष्य 2,500 करोड़ रुपये जुटाना है, जबकि लाइटहाउस कैंटन अपने नए फंड के जरिए 1,200 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। दोनों कंपनियां मजबूत सुरक्षा वाले लोन पर फोकस करेंगी। इनका मकसद निवेशकों को हाई-टीन (करीब 15 से 19 प्रतिशत) तक रिटर्न देना है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में निजी क्रेडिट मार्केट तेजी से बढ़ रहा है और निवेशकों की इसमें दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है।

अगली पीढ़ी को एयरटेल की कमान सौंपने की तैयारी में सुनील मित्तल

नई दिल्ली ।

दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज सुनील भारती मित्तल ने अगले दशक में भारती एयरटेल की बागडोर नई पीढ़ी को सौंपने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना का खुलासा कर दिया है।

इस परिवर्तन से पहले, उनकी प्राथमिक इच्छा प्रवर्तक कंपनी भारती टेलीकॉम में एयरटेल की 50 प्रतिशत से अधिक नियंत्रक हिस्सेदारी फिर से हासिल करना है। यह कदम कंपनी के भविष्य के लिए एक मजबूत और एकीकृत नियंत्रण संरचना सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण रणनीति का हिस्सा है। वर्तमान में, मित्तल और सिंगटेल समूह के स्वामित्व वाली भारती टेलीकॉम के पास एयरटेल में 40.47 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि प्रवर्तक कंपनियों का कुल स्वामित्व 48.87 प्रतिशत है। भारती मित्तल ने भारती एयरटेल की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा के दौरान कहा कि उनका लक्ष्य है कि अगली पीढ़ी को कमान सौंपते समय तक भारती टेलीकॉम को 51 प्रतिशत या उससे थोड़ी अधिक नियंत्रक शेयरधारिता हासिल हो जाए।

मित्तल ने बताया कि एयरटेल में भारती टेलीकॉम की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत बढ़ाने के लिए मौजूदा शेयर मूल्य और बाजार पूंजीकरण के आधार पर करीब एक लाख करोड़ रुपये की बड़ी पूंजी की आवश्यकता होगी। उनका मूल विचार यह है कि कंपनी का नियंत्रण एवं प्रवर्तक शेयरधारिता एक ही इकाई, यानि ऐतिहासिक रूप से संस्थापक प्रवर्तक रही भारती टेलीकॉम, के माध्यम से होनी चाहिए। इस लक्ष्य को अगले तीन से चार वर्षों में एयरटेल के प्रदर्शन, शीर्ष प्रबंधन के संचालन और मजबूत नकदी प्रवाह सृजन पर निर्भर करते हुए प्राप्त करने की योजना है। सिंगटेल के पास एयरटेल में लगभग सात प्रतिशत प्रत्यक्ष हिस्सेदारी है, और उसकी हिस्सेदारी घटाने की प्रक्रिया जारी है। मित्तल ने संकेत दिया कि आने वाले तीन से चार वर्षों में शेष 3.6 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की योजना एयरटेल के प्रदर्शन, शेयर पुनर्खरीद और लाभांश जैसे कारकों पर आधारित होगी। इन रणनीतिक बदलावों के बीच, भारती एयरटेल ने जनवरी-मार्च तिमाही में 7,325 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, हालांकि इसमें 33.5 प्रतिशत की गिरावट आई।

वहीं, कंपनी का वार्षिक राजस्व पहली बार दो लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। सुनील मित्तल का वर्तमान कार्यकाल 30 सितंबर, 2031 तक के लिए बढ़ाया गया है, जो उनके दीर्घकालिक विजन को दर्शाता है।

डीजल संकट से खतरे में सीवी उद्योग की रिकवरी

मुंबई।

भारत का वाणिज्यिक वाहन (सीवी) उद्योग, जो अंततः वित्त वर्ष 2019 के थोक बिक्री के अपने शीर्ष स्तर को पार कर चुका है, अब एक नए खतरे का सामना कर रहा है। बेहतर वाहन किफायत, जीएसटी के कारण लागत में कमी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार हो रहे खर्च ने रिकवरी को संभव बनाया। लेकिन, टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी गिरीश वाघ के अनुसार, डीजल की कीमतें इस पूरे चक्र के लिए सबसे बड़ा खतरा बनी हैं।

ट्रक ऑपरेटरों के लिए, सेगमेंट और ड्यूटी साइकल के आधार पर, डीजल कुल स्वामित्व लागत (टीसीओ) का 25 से 50 प्रतिशत तक होता है। खुदरा डीजल की कीमत में करीब 1 रुपये की वृद्धि से टीसीओ में उसी अनुपात में बढ़ोतरी होती है, जिसका सीधा असर उन सेगमेंट पर पड़ता है, जहाँ डीजल की हिस्सेदारी अधिक होती है। टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक वाघ ने इस पहलू को अत्यंत महत्वपूर्ण निगरानी योग्य बताया, जिस पर कंपनी सक्रिय रूप से नजर रख रही है कि खुदरा कीमतें किस दिशा में बढ़ सकती हैं और वाहन मालिकों के लिए परिचालन किफायत के लिहाज से इसका क्या मतलब होगा। यह खतरा तब सामने आया है जब पश्चिम एशिया में 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध के कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। हालांकि भारत में खुदरा उपभोक्ता अभी तक इसके पूरे असर से बचे हुए हैं, क्योंकि सरकारी तेल विपणन कंपनियां घाटा खुद उठा रही हैं, लेकिन यह सुरक्षा कवच सीमित है और जल्द ही हट सकता है।

वित्त वर्ष 2026 में सीवी बाजार में जो तेजी देखी गई, उसकी मुख्य वजह वाहन ऑपरेटरों की आर्थिक स्थिति में आया सुधार था। टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक वाघ ने इस अवधि को सीवी उद्योग के लिए एक अहम मोड़ बताया, जिसमें जीएसटी सुधारों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार हो रहे खर्च की बदौलत बिक्री का आंकड़ा वित्त वर्ष 2019 से पहले के अपने सबसे ऊंचे स्तर को पार कर गया। सितंबर 2025 में जीएसटी दरों में कटौती ने गाड़ियों की शुरुआती कीमतें कम कीं, रुकी हुई मांग फिर से शुरू हुई और माल ढुलाई की दरें स्थिर होने से ऑपरेटरों का नकदी प्रवाह बेहतर हुआ। डीजल की कीमतों में कोई भी बड़ी बढ़ोतरी इन हालिया लाभों को खतरे में डाल देगी, जिससे उन ऑपरेटरों की परिचालन लागत बढ़ जाएगी जो अभी-अभी बाजार में अपनी जगह बना रहे हैं।

मुंबई में सीएनजी के साथ पेट्रोल-डीजल के भी बढ़े दाम, परिवहन पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली।

देश में एक बार फिर ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। मुंबई में सीएनजी के दाम 2 रुपए प्रति किलो बढ़ा दिए गए हैं। अब मुंबई में सीएनजी की नई कीमत 84 रुपए प्रति किलो हो गई है। यह बढ़ोतरी महानगर गैस लिमिटेड की ओर से की गई है, जिससे सीधा असर वाहन चालकों और सीएनजी पर चलने वाले परिवहन पर पड़ेगा। सीएनजी के साथ ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने दोनों ईंधनों के दाम 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिए हैं। दिल्ली में अब डीजल की कीमत 90.67 रुपए प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमत 97.77 रुपए प्रति लीटर हो गई है। इस बढ़ोतरी का असर रोजमर्रा की जरूरतों और ट्रांसपोर्ट खर्च पर पड़ना तय है। रिपोर्ट के मुताबिक ईंधन की कीमतों में यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय बाजार से भी जुड़ा हुआ है। हाल के हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल से भी ऊपर पहुंच गई थीं। हालांकि बाद में इनमें थोड़ी गिरावट आई और यह 100 से 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास स्थिर हुईं। विशेषज्ञों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन में बाधा और तनावपूर्ण हालात के कारण तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज क्षेत्र में तनाव और आंशिक रूप से सप्लाई बाधित होने की वजह से वैश्विक तेल बाजार प्रभावित हुआ है।

इसी कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है, जिसका असर भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों पर भी पड़ा है। भारत दुनिया के उन बड़े देशों में शामिल है ।

दवा नहीं, जहर का कारोबार: भारत की साख पर संकट

ललित गर्ग

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निमार्ता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है।

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को ह्लफार्मेसी ऑफ द वर्ल्डह्व कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुमार्ने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इंसान केवल अपने लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है। आवश्यकता इस बात की भी है कि आम जनता को दवाओं के प्रति जागरूक बनाया जाए। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग और निर्माण तिथि की जांच करना, संदिग्ध दवाओं की शिकायत संबंधित विभागों को करना और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करना, ये सब छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। मेडिकल स्टोरों की भी नियमित निगरानी होनी चाहिए ताकि नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकी जा सके।

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निमार्ता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर देश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, दूसरी ओर ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाएं हमारी नैतिक और प्रशासनिक कमजोरी को उजागर कर रही हैं। यदि हम सचमुच विकसित और विश्वसनीय भारत बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गुणवत्ता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जीवनरक्षक दवाओं में मिलावट केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर लगा कलंक है। यह समय आत्ममंथन का है। सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा जगत और समाज-सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि दवा जीवन बचाने का माध्यम बने, मौत का व्यापार नहीं। तभी विकसित भारत का सपना वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकेगा।

संपादकीय

फिर एक निर्भया त्रासदी

चौदह साल पहले दिल्ली में जिस निर्भया कांड ने भारत की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था, दिल्ली में एक बार फिर उस जैसी त्रासदी की पुनरावृत्ति हुई है। दिल्ली ने एक बार फिर इस भयावह सच का सामना किया किया है कि वहां की सार्वजनिक जगहें महिलाओं के लिये कितनी असुरक्षित व भयावह बनी हुई हैं। दुर्भाग्य से एक बार फिर वही बस अपराध स्थली बनी है, जो सार्वजनिक आवागमन और सुरक्षा के लिये बनी होती हैं। दिल्ली स्थित नांगलोई में एक प्राइवेट स्लीपर बस के भीतर ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से गैंगरेप की घटना ने सभ्य समाज को गहरे तक विचलित किया है। इस घटना ने एक बार फिर से शासन-प्रशासन, पुलिसिंग और परिवहन नियमों के पालन में हुई भारी चूक का एक जीता-जागता सबूत पेश किया है। निस्संदेह, इस घटना की क्रूरता केवल उस हमले में ही नहीं है, बल्कि उत्पन्न परिस्थितियों की भयानक रूप में जानी-पहचानी प्रकृति में भी है। विडंबना देखिए कि जिस बस को महिलाएं सार्वजनिक यातायात के लिये सुरक्षित मानकर चलती हैं, उसी में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है। एक बार फिर बस अपराधियों के मंसूबों को पूरा करने वाला साधन बनी। इस घटना ने एक बार फिर से उजागर किया है कि जिन लोगों को यात्रियों के सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी दी गई थी, वे ही कथित तौर पर दरिंदे बनकर सामने आए। हर बार की तरह तुरंत कार्रवाई का दावा करते हुए गिरफ्तारी को तत्काल कदम उठाने के रूप में दशार्या जा रहा है। जबकि एक हकीकत है कि हमारी व्यवस्था की विद्रूपताएं जस की तस बनी हुई हैं। सही मायनों में देश के हृदय में वर्ष 2012 के जख्म अभी भरे नहीं हैं। विडंबना देखिए कि निर्भया कांड के बाद सरकारों ने तमाम सुधारों के वायदे जनता के सामने किए थे। तब घोषणा की गई थी कि अपराधियों पर नजर रखने के लिये दिल्ली में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को व्यापक रूप दिया गया है। लेकिन परिणाम जस के तस रहे। देश को याद है कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद त्वरित फैसले लेने वाली अदालतों की स्थापना करने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा महिला सुरक्षा से जुड़ी तमाम योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये व्यापक प्रचार किया गया था। इसके बावजूद एक और निर्भया जैसी घटना बताती है कि अब तक जमीनी हकीकत में बहुत कुछ बदलाव नहीं आया है। देखने में आया है कि तमाम निजी बसें अपर्याप्त निगरानी व लचर सुरक्षा व्यवस्था के साथ चलती रहती हैं। महिला यात्रियों की सुरक्षा के प्रोटोकॉल का पालन अक्सर महज दिखावे के लिये होता है। निस्संदेह, निजी बसों के कर्मचारियों की सख्त जांच के अभाव ने ऐसे वातावरण को तैयार किया है जहां चालक-परिचालक व अन्य अपराधियों की समांतर गुंडागर्दी चलती रहती है। यही वजह है कि गाहे-बगाहे दिल्ली की छवि महिलाओं के लिये असुरक्षित शहर होने के कारण खराब हुई है। जिसका कारण है कि यहां जवाबदेही संस्थागत होने के बजाय सतही तौर पर नजर आती है। यह विडंबना ही है कि हर बार ऐसी घटना के बाद जन आक्रोश में उबाल आता है।

चिंतन-मनन

पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विट्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे।

वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सपूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विट्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया।

स किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

कांतिलाल मांडोत

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है।

देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं।

यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे 'विफलता' नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाने, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं।

कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है। मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में भारत को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह पूरी दुनिया देख रही है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश डिजिटल क्रांति में अग्रणी बन चुका है। करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले, गांवों तक बिजली पहुंची, मुफ्त राशन योजना से गरीबों को सुरक्षा मिली और भारत वैश्विक मंचों पर मजबूत आवाज बनकर उभरा।

कांग्रेस के शासनकाल में भारत को हर छोटे संकट में विदेशी संस्थाओं और देशों के सामने झुकना पड़ता था। कभी अमेरिका के दबाव में निर्णय लिए जाते थे तो कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की शर्तों पर देश की नीतियां तय होती थीं। लेकिन आज भारत दुनिया को आंखों में आंखें डालकर जवाब देता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत विदेशी निर्भरता कम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए। सोने के आयात को कम करने की अपील भी इसी सोच का हिस्सा है। भारत हर वर्ष भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर खर्च करता है। यदि संकट के समय कुछ समय के लिए संयम बरता जाए तो उससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक नहीं बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। दुनिया के विकसित देश भी ऊर्जा बचत के लिए जनता से अपील करते हैं। लेकिन भारत में कांग्रेस हर सकारात्मक प्रयास का मजाक उड़ाने लगती है। राहुल गांधी का यह कहना कि 'देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं' वास्तव में उनकी राजनीतिक हताशा को दशार्ता है। जनता जानती है कि मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी देश को मजबूत बनाया है। कोरोना महामारी के समय भारत ने न केवल अपने नागरिकों को वैक्सीन दी बल्कि दुनिया के कई देशों की मदद भी की। सीमाओं पर भारत की ताकत बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आई है। अंतरिक्ष से लेकर तकनीक तक भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह सब किसी कमजोर नेतृत्व में संभव नहीं होता।

सच्चाई यह है कि कांग्रेस आज भी पुराने राजनीतिक ढर्रे से बाहर नहीं निकल पाई है। उसे लगता है कि केवल आलोचना करके जनता का समर्थन मिल जाएगा। लेकिन देश अब बदल चुका है। जनता समझती है कि राष्ट्रहित में कभी-कभी सामूहिक जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। जिस तरह लालबहादुर शास्त्री की अपील को देश ने स्वीकार किया था, उसी तरह आज भी लोग समझते हैं कि संकट के समय देश के साथ खड़ा होना आवश्यक है। विडंबना यह है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं की विरासत भूल चुकी है। यदि शास्त्री जी आज जीवित होते तो शायद कांग्रेस उन्हें भी 'विफल प्रधानमंत्री' कह देती। क्योंकि आज की कांग्रेस का उद्देश्य राष्ट्रहित नहीं बल्कि केवल सत्ता प्राप्ति रह गया है। वह हर उस कदम का विरोध करती है जिससे भारत मजबूत बनता है।

भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा है। दुनिया भारत को नई आशा के रूप में देख रही है। वैश्विक संस्थाएं भारत की आर्थिक क्षमता की सराहना कर रही हैं। विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। भारतीय तकनीक, उद्योग और युवाशक्ति दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे समय में देश को नकारात्मक राजनीति नहीं बल्कि सकारात्मक सोच की आवश्यकता है।

राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का काम नहीं होता। उसमें जनता की भी भूमिका होती है। यदि देशहित में कुछ समय के लिए संयम बरतने की अपील की जाती है तो उसे राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। भारत ने हमेशा त्याग, अनुशासन और एकता के बल पर चुनौतियों को हराया है और आगे भी हर संकट से मजबूती के साथ बाहर निकलेगा।

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों के 'दिल्ली-विमर्श' के निहितार्थ

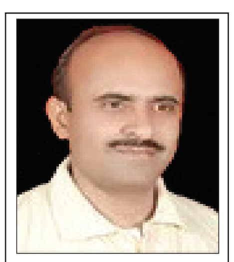

कमलेश पांडेय

ब्रिक्स (BRICS) के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय दिल्ली बैठक ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संदेश दिए हैं, जिनके कूटनीतिक निहितार्थ को समझने की जरूरत है। अन्यथा शेष दुनिया को अमेरिकी-यूरोपीय दादागिरी (नाटो सैन्य गठबंधन) के दुनियावी दांवपेंचों से निजात मिलनी मुश्किल है। लिहाजा, इस बैठक में मुख्य रूप से वैश्विक शक्ति-संतुलन, अमेरिकी प्रतिबंध नीति, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका पर जोर दिखाई दिया।

देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश - ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है। इस अहम बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रूस के विदेश मंत्री सर्जेई लावरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के दूरदर्शिता भरे बयान विशेष चर्चा में रहे। जिसके दुनियावी मायने बेहद अहम हैं।

जिस तरह से कूटनीतिक सम्मेलन के पहले ही दिन जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों का जिक्र किया, जो सबसे ज्यादा विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनका इशारा अमेरिका है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से दुनिया को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, ईरान मामले में भी गतिरोध की वजह बहुत हद तक वॉशिंगटन की अव्यवहारिक मांगें है। ब्रिक्स के बड़े मंच से उठी आवाज का असर ज्यादा होगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का उद्घाटन भाषण मौजूदा चुनौतियों का सही खाका खींचता है। पश्चिम एशिया पर मंडराता युद्ध का खतरा, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन में रुकावट और जलवायु परिवर्तन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को मंदी में फंसने का डर सता रहा है। ऐसे में जैसा कि विदेश मंत्री ने कहा, विकासशील देशों ने ब्रिक्स से यह उम्मीद लगाई है कि यह मंच स्थिरता कायम करने में सकारात्मक भूमिका अदा करेगा। इसके कतिपय निहितार्थ इस प्रकार हैं-

पहला, एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौतीः बैठक का सबसे बड़ा संदेश यह था कि दुनिया अब केवल अमेरिका-केन्द्रित व्यवस्था पर निर्भर नहीं रहना चाहती। ब्रिक्स देशों ने 'मल्टीपोलर वर्ल्ड' के दृष्टिगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसका अर्थ है कि वैश्विक निर्णयों में पश्चिमी देशों के साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की शक्तियों की भी बराबर भूमिका हो।

दूसरा, अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोधः भारत, रूस, चीन और ईरान सहित कई देशों ने एकतरफा प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संप्रभुता के खिलाफ बताया। विशेष रूप से एस जयशंकर ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का विकल्प नहीं हो सकते। यह संदेश सीधे तौर पर अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना माना गया।

तीसरा, डॉलर प्रभुत्व कम करने का संकेतः बैठक में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। यह संदेश था कि ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं ताकि अमेरिकी आर्थिक दबाव का असर घटाया जा सके।

चतुर्थ, पश्चिम एशिया संकट पर चिंताः ईरान-इजराइल तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा रहा। ब्रिक्स देशों ने रेड सी और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया। दुनिया को यह संदेश दिया गया कि क्षेत्रीय युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मंच के सामने भी चुनौती है। ईरान और यूएई के आपसी रिश्ते ठीक नहीं चल रहे। जबकि चीन ने अपने विदेश मंत्री को नहीं भेजा है।

एक बात और, जब सम्मेलन की शुरूआत हुई, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग तब ट्रंप की मेजबानी में व्यस्त थे। ब्रिक्स के सबसे बड़े विरोधी ट्रंप है। उन्हें लगता है कि यह मंच अमेरिकी हितों के खिलाफ खड़ा किया गया है। मेजबान होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि यहां से निकला संदेश किसी के विरोध में नहीं, साझा हित में हो। भारत के पास सभी सदस्यों को करीब लाने और मौजूदा संकट का समाधान पेश करने का मौका है।

पांचवां, ग्लोबल साउथ की राजनीतिक आवाजः बैठक में यह स्पष्ट हुआ किब्रिक्स स्वयं को केवल आर्थिक समूह नहीं, बल्कि विकासशील देशों की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों की समस्याओं–जैसे खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा संकट और कर्ज–को वैश्विक एजेंडा में प्रमुखता देने की बात कही गई।

छठा, संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांगः भारत और ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता दोहराई। यह संदेश था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी संस्थाओं में अब नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुसार बदलाव होना चाहिए। सातवां, ब्रिक्स के भीतर मतभेद भी सामने आएः हालांकि बैठक में एकजुटता दिखाई गई, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी सदस्य अमेरिका-विरोधी नीति पर पूरी तरह एकमत नहीं हैं। भारत और ब्राजील जैसे देश पश्चिम के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं, जबकि रूस और ईरान अधिक आक्रामक रुख चाहते हैं। इससे यह संकेत मिला कि ब्रिक्स अभी पूर्ण राजनीतिक गठबंधन नहीं, बल्कि साझा हितों वाला मंच है। समग्र रूप से कहा जाए तो, इस बैठक का वैश्विक संदेश यह था कि उभरती शक्तियाँ अब विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था में अधिक स्वतंत्र, संतुलित और पश्चिम से अलग भूमिका चाहती हैं। ब्रिक्स ने यह दिखाने की कोशिश की कि 'ग्लोबल साउथ' अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन का सक्रिय खिलाड़ी बनना चाहता है। चूंकि ब्रिक्स अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह नहीं रहा, इसकी भूमिका आज कहीं ज्यादा व्यापक हो चुकी है। वास्तव में यह वैश्विक संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण हो सकता है। भारत का रोल इसमें सबसे अहम हो जाता है। उसने पश्चिमी देशों के साथ रिश्ते बनाए हुए हैं, जबकि रूस, ईरान और चीन के साथ भी बैलेंस रखा है। उसने हमेशा संवाद से समाधान की बात की है। यह रवैया उसे भरोसेमंद साथी बनाता है।

संक्षिप्त समाचार

मोरक्को में लापता 19 वर्षीय अमेरिकी सैनिक मारिया सिमोन का शव 12 दिन बाद बरामद

रबात, एजेंसी। मोरक्को में सैन्य अभ्यास के दौरान लापता हुए दूसरे अमेरिकी सैनिक का शव मिला है। अमेरिकी सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी। 19 वर्षीय मारिया सिमोन कोलिंगटन फ्लोरिडा के टावेरेस की निवासी थीं। वह मोरक्को में एक मनोरंजक पदयात्रा के दौरान एक चट्टान से गिर गई थीं। कोलिंगटन एयर एंड मिसाइल डिफेंस क्रू मेंबर के रूप में कार्यरत थीं। वह चार्ली बैटरी, 5वीं बटालियन, चौथी एयर डिफेंस आर्टिलरी रेजिमेंट में तैनात थीं। इससे पहले, पिछले सप्ताह पहले सैनिक, केड्रिक टेमेंट किंग का शव भी बरामद किया गया था। दोनों सैनिक 2 मई को 'अफ्रीकन लायन' सैन्य अभ्यास के बाद लापता हुए थे। इस घटना से जुड़े विवरणों की अभी भी जांच की जा रही है।

फ्लोरिडा विमान दुर्घटना : पांच घंटे तक फंसे रहे 11 यात्री, अमेरिकी सेना ने बचाया

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका में फ्लोरिडा तट पर हुई विमान दुर्घटना के बाद 11 लोग पांच घंटे तक जीवन रक्षक बेड़े पर फंसे रहे। अमेरिकी सेना ने कड़ी मशक्कत के बाद इन्हें सुरक्षित बचाया। मंगलवार को इंजन फेल होने के बाद पायलट ने विमान को वेरो बीच से करीब 80 किलोमीटर दूर पानी में उतारा था। बहामास से फ्रीपोर्ट जा रहे विमान की आपात लैंडिंग के बाद पायलट ने 10 यात्रियों सहित खुद को जीवन रक्षक बेड़े पर पहुंचाया। तीन लोगों को मामूली चोटें थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस आपात परिस्थिति में पांच घंटे तक सभी लोग तूफान के बीच मदद का इंतजार करते रहे। विमान में लगे आपातकालीन संकेतक की मदद से तटरक्षक बल को अलर्ट मिला, जिसके बाद वायु सेना रिजर्व के बचाव दल ने सभी लोगों का रेस्क्यू किया। वायुसेना अधिकारी मेजर एलिजाबेथ पिओवाटी ने पायलट के प्रयासों को चमत्कारी बताया। पायलट समेत सभी 11 लोगों को मेलबर्न ऑरलैंडो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर है। संघीय विमानन प्रशासन दुर्घटना की जांच कर रहा है।

ब्राजील में चुनाव से पांच महीने पहले फंसे सीनेटर बोल्सोनारो, 12 मिलियन अमेरिकी डॉलर मांगने के आरोप

ब्रासीलिया, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील में इसी साल अक्तूबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराए जाने हैं। चुनाव से पांच महीने पहले सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो पर एक बैंकर से लाखों रुपये मांगने के आरोप लगे हैं बुधवार को जेल में बंद बैंकर डैनियल वोरकारो से लाखों रुपये मांगने के आरोप सामने आने के बाद उन्होंने इसे सिरे से खारिज कर दिया। माना जा रहा है कि ये गंभीर आरोप राष्ट्रपति चुनाव में उनकी उम्मीदवारी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इंटरसेप्ट ब्राजील ने वोरकारो के वॉइस मैसेज के हवाले से जारी ब्योरे प्रकाशित किए हैं। इनमें बोल्सोनारो ने कथित तौर पर अपने पिता जायर बोल्सोनारो के जीवन पर फिल्म 'द डार्क हॉर्स' की एवज में 61 मिलियन रियाल (करीब 12 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मांगते सुने गए हैं। वोरकारो ब्राजील में भ्रष्टाचार और घोटाले के एक बड़े केंद्र के रूप में बदनाम हैं। फ्लेवियो बोल्सोनारो ने किसी अवैध लाभ की पेशकश या पैसा लेने से इन्कार किया है। राजनीतिक सलाहकार थॉमस ट्रॉमन के मुताबिक यह घोटाला बोल्सोनारो के अभियान को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। बता दें कि वोरकारो को मार्च में गिरफ्तार किया गया था। नवंबर में देश के केंद्रीय बैंक के सख्त आदेश के बाद बैंको मास्टर बंद हो गया।

नोबेल विजेता नर्गिस मोहम्मदी को लंबे इलाज की जरूरत, स्वास्थ्य गंभीर

तेहरान, एजेंसी। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नर्गिस मोहम्मदी को महीनों तक चलने वाले लंबे इलाज की आवश्यकता है। यह जानकारी उनके फाउंडेशन ने बुधवार को दी। ईरान की जेल में बेहोश होने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की। एंजियोग्राफी से पता चला कि उनकी दो मुख्य धमनियों में महत्वपूर्ण रुकावट है। 2024 के बाद से उनकी बीमारी बढ़ी है और सेहत काफी बिगड़ गई है। 1 मई को उन्हें जेल से अस्पताल ले जाया गया। लगभग 10 दिन बाद जमानत पर रिहा कर उन्हें तेहरान के अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बाहरी तनाव से मुक्त वातावरण में आठ महीने के इलाज की सिफारिश की है। उनका रक्तचाप लगातार घटता-बढ़ता रहता है। ऐसे में फाउंडेशन बिना शर्त तत्काल रिहाई की मांग की है। उन्हें 2023 में नोबेल पुरस्कार मिला था।

35 साल की महिला ने पति को जहर देकर मारा: बच्चों के लिए किताब भी लिखी, अब अदालत से आजीवन कारावास

पार्क सिटी (यूटा), एजेंसी। अमेरिका के यूटा राज्य की एक महिला को उसके पति की हत्या के मामले में बिना पैरोल उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। बुधवार को एक जज ने यह फैसला सुनाया। महिला ने अपने पति की मौत के बाद बच्चों के लिए एक ऐसी किताब लिखी थी, जिसमें उनके पिता को खोने के दुख के बारे में बताया गया था।

कोरी रिचिन्स नाम की इस महिला को मार्च महीने में हत्या का दोषी पाया गया था। उस पर आरोप था कि उसने साल 2022 में पार्क सिटी के पास घर में अपने पति एरिक रिचिन्स के कॉकटेल ड्रिंक में फेंटेनाइल (बहुत तेज असर करने वाली दर्द कम करने की दवा) को मात्रा से पांच गुना ज्यादा मिलाकर उसे मार दिया। जूरी ने कोरी रिचिन्स को चार अन्य गंभीर अपराधों में भी दोषी माना। इनमें बीमा धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाना और हत्या की कोशिश जैसे मामले शामिल हैं। आरोप था कि उसने वैलेंटाइन डे से कुछ हफ्ते पहले भी अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर जहर देने की कोशिश की थी। बचाव पक्ष ने कहा है कि वह इस फैसले और सजा के खिलाफ अपील करेगा। जज रिचर्ड मराजी ने सजा सुनाते समय कहा, जो व्यक्ति ऐसे अपराध करता है, वह कभी भी आजाद रहने के लायक नहीं है। जिस दिन सजा सुनाई गई, उसी दिन एरिक रिचिन्स का 44वां जन्मदिन था। सरकारी वकीलों ने कहा कि 35 साल की कोरी रिचिन्स रियल एस्टेट का काम करती थी और घर

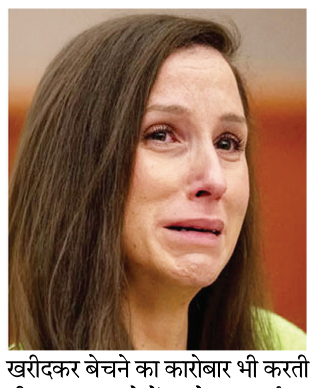

खरीदकर बेचने का कारोबार भी करती थी। उस पर करोड़ों रुपये का कर्ज था और वह किसी दूसरे आदमी के साथ नया जीवन शुरू करने की योजना बना रही थी। जांच में यह भी सामने आया कि उसने अपने पति की जानकारी के बिना उनके नाम पर कई जीवन बीमा पॉलिसी खुलवाई थीं। उसे यह गलतफहमी थी कि पति की मौत के बाद उसे 40 लाख डॉलर से ज्यादा की संपत्ति मिल जाएगी।

कोरी रिचिन्स जेल की हरे रंग की वर्दी पहनकर अदालत में खड़ी हुई और अपने बेटों से (जो अदालत में मौजूद नहीं थे) कहा- कृपया मुझसे उम्मीद मत छोड़ना। कोरी रिचिन्स को कई दशक से लेकर पूरी जिंदगी तक जेल में रहना पड़ सकता है। वह लगातार खुद को निर्दोष बताती रही है। बुधवार को भी उसने कहा कि अदालत का फैसला 'पूरी तरह झूठ' है। जूरी ने उसे चार अन्य अपराधों में भी दोषी पाया। इनमें वैलेंटाइन डे के समय अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर मारने की कोशिश का मामला भी शामिल था। एरिक रिचिन्स के पिता यूजीन रिचिन्स ने जज से अपील की कि कोरी को बिना पैरोल उम्रकैद की सजा दी जाए, ताकि उनके पोतों की सुरक्षा हो सके। जब एरिक की मौत हुई थी, तब उनके तीनों बेटे 9, 7 और 5 साल के थे। उन्होंने अदालत में कहा, यह सजा जरूरी है ताकि एरिक के तीनों बेटे कभी इस डर में न जिएं कि उनके पिता की जान लेने वाली महिला फिर उन्हें नुकसान पहुंचा सकती है। यह मामला साल 2023 में काफी चर्चा में आया था। कोरी रिचिन्स को उस समय गिरफ्तार किया गया था, जब वह अपने बच्चों के लिए लिखी उस किताब का प्रचार कर रही थी, जिसमें एक लड़के के अपने पिता की मौत के दुख से उबरने की कहानी थी। बेटों ने कहा- हमें अपनी मां से डर लगता है। कोरी की भाभी केटी रिचिन्स बेंसन ने कहा कि ये बच्चे किसी किताब की कहानी का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उनकी जिंदगी कोरी की वजह से ऐसे ही दर्द और दुख में बदल गई है। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अदालत में बच्चों के लिखे पत्र पढ़कर सुनाए। तीनों बेटों ने कहा कि अगर उनकी मां जेल से बाहर आई तो वे खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे।

बच्चों को दिखाती थी डरावने वीडियो : जब बच्चे अधपका खाना खाने से मना करते थे, तब उनकी मां उन्हें डराने के लिए युद्ध से प्रभावित इलाकों में भूखे बच्चों के वीडियो दिखाती थी। अब 11 साल के हो चुके बीच वाले बेटे ने कहा, आपने सिर्फ लालच की वजह से मेरे पापा को हमसे छीन लिया और आपको सिर्फ अपने बारे में और अपने बेकार बॉयफ्रेंड की चिंता थी। उसने कहा कि उसे अपने छोटे भाई का माता-पिता बनकर ध्यान रखना पड़ता था, क्योंकि उसकी मां उनकी देखभाल नहीं करती थी। उसने यह भी कहा कि उसकी मां उसे उसके पिता की तरफ वाले बिस्तर पर बैठने से डराती थी और कहती थी कि वह भी मर सकता है। अब 13 साल के बड़े बेटे ने कहा कि उसे भी अपने भाइयों का ध्यान रखना पड़ता था, लेकिन उसका छोटा भाई 'ज्यादातर मेरा ख्याल रखता था क्योंकि मैं कमरे में बंद रहता था।' उसने कहा कि उसकी मां शराब पीकर उसे लगभग हर दिन कमरे में बंद कर देती थी। अपने बेटों की बातें सुनने के बाद कोरी रिचिन्स ने अदालत में कहा- मैं हमेशा तुम्हारी सुरक्षा को सबसे ज्यादा अहमियत दूंगी।

किन आरोपों में कितनी सजा हो सकती है : सबसे गंभीर आरोप हत्या की कोशिश का है। इसमें 25 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती थी या बिना पैरोल पूरी जिंदगी जेल में रहना पड़ सकता था। सरकारी वकीलों ने मौत की सजा की मांग नहीं की थी। हत्या की कोशिश के मामले में सजा इस बात पर निर्भर करेगी कि पीड़ित को कितनी गंभीर चोट लगी। सरकारी वकीलों ने बताया कि पत्नी की ओर से दिया गया सैंडविच खाने के बाद एरिक रिचिन्स के शरीर पर लाल चकत्ते पड़ गए थे। एरिक ने अपने बेटे का एपिपेन इंजेक्शन लगाया, बेनाड्रिल की पूरी बोतल पी और फिर बेहोश हो गए।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना और लड़ाकों के बीच मुठभेड़, मेजर समेत पांच सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना ने एक बड़े संयुक्त अभियान में सात लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। हालांकि इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के एक मेजर समेत पांच सैनिकों की भी मौत हो गई। यह जानकारी पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बुधवार देर रात जारी बयान में दी।

आईएसपीआर ने क्या जानकारी दी : आईएसपीआर के अनुसार, बलूचिस्तान के बरखान जिले के मार्कहम के नोशाम इलाके में पाकिस्तान सेना और बलूचिस्तान फ्रंटियर कॉर्प्स ने संयुक्त क्लीन-अप ऑपरेशन चलाया। खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किए गए इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और लड़ाकों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई।

सेना ने कहा- सात लड़ाके मारे गए : सेना के बयान में कहा गया कि अभियान के दौरान सात लड़ाके मारे गए। हालांकि इस दौरान एक फील्ड ऑफिसर यानी मेजर समेत पांच सैनिकों की भी जान चली गई। मारे गए सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है। कार्रवाई के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया।

इस दौरान लड़ाकों के कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद किए जाने का दावा किया गया है। सेना ने कहा कि इलाके में बाकी लड़ाकों की तलाश के लिए अभियान अभी जारी है। पाकिस्तानी सैनिकों का बलूचिस्तान में बड़ा अभियान बलूचिस्तान में इस साल सुरक्षा बलों ने कई बड़े अभियान चलाए हैं। मार्च में हरनाई और बसीमा जिलों में हुए ऑपरेशन में 15 लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया था, जबकि फरवरी में झोब जिले में 10 लड़ाके मारे गए थे। दरअसल, बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसा और उग्रवाद से प्रभावित रहा है। यहां सक्रिय सशस्त्र समूह अक्सर सुरक्षा बलों और सरकारी ढांचे को निशाना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान सरकार कई हमलों के लिए बलूच लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराती रही है।

जर्मनी में डॉक्टर ने 12 साल तक 100 से ज्यादा बच्चों का किया यौन शोषण और रेप

बर्लिन, एजेंसी। हाल ही में जर्मनी से एक बेहद शर्मनाक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां बर्लिन के पास ब्रैंडनबर्ग में एक पीडियाट्रिशियन पर 100 से ज्यादा बच्चों के साथ दरिंदगी के आरोप लगे हैं। जानकारी के मुताबिक शख्स ने 12 सालों तक कई बच्चों का बलात्कार और यौन शोषण किया। उस पर ऐसे कम से कम 130 मामले दर्ज किए गए हैं।

बुधवार को शहर की एक अदालत में सुनवाई के दौरान डॉक्टर की इस हैवानियत का खुलासा हुआ। 46 वर्षीय इस डॉक्टर पर आरोप है कि उसने अपनी ड्यूटी के दौरान ही इन घिनौनी वारदातों को अंजाम दिया। जानकारी के मुताबिक आरोपी ने ब्रैंडनबर्ग के क्लीनिक में काम करते हुए मासूम बच्चों को अपना निशाना बनाया। यह सिलसिला दिसंबर 2013 में ही शुरू हो गया था और पिछले साल 5 नवंबर तक वह बच्चों को अपना शिकार बनाता रहा।

जर्मन अखबार 'बिल्ड' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस डॉक्टर के कुकर्मों का पर्दाफाश तब हुआ जब नवंबर 2025 में अस्पताल में एक इलाजरत एक बच्ची की मां को डॉक्टर पर शक हुआ। महिला ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने नवंबर 2025 में उसे गिरफ्तार कर लिया था। जांच के दौरान उसके पास से कई चौंकाने वाली चीजें मिलीं। उसके घर से कई डेटा स्टोरेज डिवाइस भी बरामद हुए, जिससे महिला के आरोप पुख्ता हो गए। आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में है और मामले की सुनवाई चल रही है।

इससे पहले फ्रांस से भी एक ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां सर्जन जोएल ले स्काउर्नेक एक सर्जन ने भी कई सालों तक अपने मरीजों को ही अपनी हवस का शिकार बनाया। मई 2025 में उसे 20 साल की सजा सुनाई गई थी। उस डॉक्टर पर 1989 से 2014 के बीच 298 मरीजों का यौन शोषण करने के आरोप हैं। इनमें से ज्यादातर मरीजों की उम्र 15 साल से कम थी।

फ्रांस के शहर बोर्डो में खड़े क्रूज शिप 'एंबिशन' पर नोरोवायरस संक्रमण की पुष्टि, यात्रियों को उतरने की अनुमति

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र बोर्डो में खड़े क्रूज शिप एंबिशन पर यात्री नोरोवायरस (वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस) की चपेट में आ गए हैं। इस बात की पुष्टि गिरोंद प्रीफेक्चर ने बुधवार को स्थानीय समयानुसार जारी बयान में की। इसके मुताबिक फिलहाल वायरस के किसी भी गंभीर मामले की सूचना नहीं है। जिन लोगों में संक्रमण के लक्षण नहीं हैं, उन्हें जहाज से उतरने की अनुमति दी गई है। ब्रिटिश कंपनी एंबेसडर क्रूज लाइन द्वारा संचालित 'एंबिशन' मंगलवार शाम बोर्डो पहुंचा था। जहाज पर लगभग 90 वर्षीय एक यात्री की मौत के बाद करीब 1,700 यात्रियों और क्रू सदस्यों को जहाज से उतरने से रोक दिया गया था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, 90 वर्षीय एक यात्री की मौत का संबंध गैस्ट्रोएंटेराइटिस जैसे संक्रमण से हो सकता है। जहाज पर

करीब 80 लोग पेट संबंधी बीमारीकी चपेट में हैं। बाद में बोर्डो यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए महामारी विज्ञान और जैविक परीक्षणों में इस संक्रमण के फैलने की पुष्टि हुई। बयान में कहा गया है कि संक्रमित लोगों को जहाज पर अलग-थलग रखा जाएगा। क्वारंटीन और स्वच्छता संबंधी उपाय जारी रहेंगे। आगे यात्रा जारी रखनी है या नहीं, इस पर अंतिम फैसला मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद क्रूज ऑपरेटर करेगा। अत्यधिक संक्रामक नोरोवायरस तीव्र गैस्ट्रोएंटेराइटिस का एक सामान्य कारण है और क्रूज शिप जैसे बंद स्थानों में तेजी से फैलने के लिए जाना जाता है। इस बीच हंतावायरस को लेकर भी चिंता बनी हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने मंगलवार को कहा था कि संक्रमणग्रस्त क्रूज शिप एमवी होंडियस से यात्रियों को निकाले जाने के बाद आने वाले हफ्तों में हंतावायरस के और मामले सामने आ सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम फिलहाल कम है।

टेड्रोस ने मैड्रिड स्थित मोन्क्लोआ पैलेस में स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा, 'वायरस की अवधि को देखते हुए आने वाले हफ्तों में और मामले सामने आना संभव है।' अब तक हंतावायरस से जुड़े 11 मामले सामने आए हैं, जिनमें तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इन 11 मामलों में से नौ की पुष्टि एंडीज वायरस संक्रमण के रूप में हुई है, जबकि बाकी दो संभावित मामले माने जा रहे हैं।

हर हृदय के देव बाबा हरदेव सिंह जी को अर्पित श्रद्धा सुमन

मानव जीवन का हर क्षण इंसानियत और भक्ति में समर्पित हो-सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

कौमी पत्रिका

दिल्ली, 15 मई। श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक चेतना से परिपूर्ण दिव्य वातावरण में संत निरंकारी मिशन द्वारा युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी की स्मृति में संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा में परम् श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के सान्निध्य में भावपूर्ण संत समागम का आयोजन हुआ। इस आयोजन में लाखों श्रद्धालुओं ने सतगुरु के पावन दर्शन एवं अमृतमयी प्रवचनों को श्रवण कर आत्मिक शांति, आनंद एवं दिव्य प्रेरणा का अनुभव प्राप्त किया। इस अवसर पर सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने अपने आशीर्वचनों में फरमाया कि बाबा जी का सम्पूर्ण जीवन मानवता, सेवा और प्रेमा भक्ति का दिव्य उदाहरण रहा। उन्होंने प्रेरित किया कि मानव जीवन का प्रत्येक क्षण सार्थक बने और हर पल इंसानियत, करुणा एवं मानवीय मूल्यों का प्रमाण प्रस्तुत करे। बाबा जी ने सदैव यही शिक्षा दी कि प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर मानवीय गुण विकसित कर निराकार का आसरा लेते हुए सार्थक एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन जीयें। सतगुरु माता जी ने फरमाया कि यदि किसी के जीवन में दुख, पी ?ा या संघर्ष है, तो हमारा कर्तव्य उसे ब ?ाना नहीं, बल्कि प्रेम, संवेदनशीलता और सहयोग से उसे शांत करना है। जीवन ऐसा हो जो रिश्तों में प्रेम एवं समर्पण की भावना को सुदृ ? करे। यही बाबा जी की शिक्षाओं का सार और सच्ची मानवता का स्वरूप है। सतगुरु माता जी ने समझाया कि ब्रह्मज्ञान प्राप्त होने के पश्चात जीवन केवल व्यक्तिगत सीमाओं तक नहीं रहता, बल्कि समस्त मानवता की सेवा, कल्याण और उत्थान का माध्यम बन जाता है। सच्ची सेवा दिखावे से परे प्रेम, विनम्रता और निस्वार्थता से परिपूर्ण होती है, जबकि वास्तविक भक्ति शब्दों से आगे ब ?कर व्यवहार, विचार और कर्मों में झलकती है। अमर संत अवनीत जी के समर्पित जीवन का उल्लेख करते हुए सतगुरु माता जी ने फरमाया कि सच्चा समर्पण वही है जिसमें सेवा का भाव केवल विचारों में नहीं, बल्कि व्यवहार और प्राथमिकताओं में स्पष्ट दिखाई दे। उन्होंने गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों के साथ संगत, सेवा और भक्ति को सर्वोपरि रखकर यह प्रेरणा दी कि पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में रहते हुए भी पूर्ण निष्ठा से समर्पित जीवन जिया जा सकता है। अंत में सतगुरु माता जी ने आशीर्वाद दिया कि प्रत्येक जीवन सेवा, सुमिरण और सत्संग को अपनी प्राथमिकता बनाए तथा हर हृदय निराकार में समर्पित होकर प्रेम, शांति और मानवता बाँटने का सशक्त माध्यम बने। आयोजन के मध्य गीतकारों, कवियों और विचारकों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से हृदय की गहन अनुभूतियों को अभिव्यक्त किया। जहाँ हर शब्द, हर स्वर दिल की गहराईयों से होते हुए आत्मा को छू गया। किसी ने बाबा जी की दिव्य शिक्षाओं का प्रेरक संदेश सुनाया, तो किसी ने उनके सौम्य व्यक्तित्व, सेवा-समर्पण और मानवता के कल्याण हेतु किए गए कार्यों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वक्ताओं की रचनाओं व शब्दों में बाबा जी के हृदय स्पर्शी प्रेम का प्रतिबिम्ब परिलक्षित होता दिख रहा था। बाबा हरदेव सिंह जी की प्रेरणा आज भी श्रद्धालुओं के हृदय में जीवित है। वर्तमान में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज उनके संदेशों को आगे ब ?ाते हुए सेवा, समर्पण और सद्भाव का प्रकाश फैला रही हैं। उनके मार्गदर्शन से विश्व में मानवता, एकता और भाईचारे का संदेश निरंतर प्रसारित हो रहा है।

आईआईआईटी दिल्ली की तकनीक डिजिटल अनुभव को और बनाएगी वास्तविक

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) दिल्ली ने ह्यूमन-कंप्यूटर इंटरेक्शन (एचसीआई), वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और हैप्टिक तकनीक के क्षेत्र में पेटेंट को लेकर उपलब्धि हासिल की है। यह पेटेंट भविष्य में सहयोग और नई संभावनाओं के द्वार खोलेंगे। साथ ही संस्थान की नवाचार और प्रभावशाली शोध के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

NAME CHANGE
I, SAWANT SUREKHA MAHADEV, is legally mother of Army No. 2810735L, Rank – Sep, Name – SAWANT SHRIKANT MAHADEV, presently residing at Vill – Koregoan, Teh – Karad, Dist – Satara, State – Maharashtra, Pin – 415110, have changed my name from SAWANT SUREKHA MAHADEV to SUREKHA MAHADEV SAWANT and date of birth from 01/06/1960 to 01/01/1963 for all future purposes. Vide affidavit dated 15/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SAWANT MAHADEV DINKAR, is legally father of Army No. 2810735L, Rank – Sep, Name – SAWANT SHRIKANT MAHADEV, presently residing at Vill – Koregoan, Teh – Karad, Dist – Satara, State – Maharashtra, Pin – 415110, have changed my name from SAWANT MAHADEV DINKAR to MAHADEV DINKAR SAWANT and date of birth from 04/03/1955 to 01/01/1959 for all future purposes. Vide affidavit dated 15/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, formerly known as Jyoti, wife of Anil Kumar, residing at Ward No. 04, Siwani Mandi, Bhiwani, Haryana – 127046, have changed my name from Jyoti to Jyoti Kumari for all purposes

NAME CHANGE
I, FAROOKH AHMED S/O RIYAZ AHMAD S/O RIYAZ AHMAD R/,O R/13 F/F GALI NO-19 BRAHAM-PURI SEELAMPUR DELHI 53 have changed my name to FARUQ AHMED for all future purposes.

NAME CHANGE
I, IMRANA BEGUM W/O RIYAZ AHMAD S/O RIYAZ AHMAD R/,O R/13 F/F GALI NO-19 BRAHAM-PURI SEELAMPUR DELHI 53 have changed my name to IMRANA for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaraj M P, S/o Raju, R/o V-74v, Sec A, Bhagwati vihar, Uttam Nagar, Delhi India - 110059. have changed my name to Swaraj Manikothe Pattokaran for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NANASAHEB, is legally father of Army No. 2803947N, Rank – Hav, Name – JAWAK BAPUSAHEB NANASAHEB, presently residing at Vill – Ranjangaon, Post – Ranjangaon, Teh – Parner, Dist – Ahilyanagar, State – Maharashtra, Pin – 413703, have changed my name from NANASA-HEB to NANASAHEB RAMBHOU JAWAK for all future purposes. Vide affidavit dated 15/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I,SUSHILA YADAV W/O MAHENDER SINGH R/O 1371,SECTOR-17C,GURGAON,HARYANA-122001,HAVE CHANGED MY NAME TO SUSHEELA YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, MUKTABAI, is legally mother of Army No. 2803947N, Rank – Hav, Name – JAWAK BAPUSAHEB NANASAHEB, presently residing at Vill – Ranjangaon, Post – Ranjangaon, Teh – Parner, Dist – Ahilyanagar, State – Maharashtra, Pin – 413703, have changed my name from MUKTABAI to MUKTABAI NANASAHEB JAWAK for all future purposes. Vide affidavit dated 15/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MANGAL, is legally spouse of Army No. 2803947N, Rank – Hav, Name – JAWAK BAPUSAHEB NANASA-HEB, presently residing at Vill – Ranjangaon, Post – Ranjangaon, Teh – Parner, Dist – Ahilyanagar, State – Maharashtra, Pin – 413703, have changed my name from MANGAL to MANGAL BAPUSAHEB JAWAK for all future purposes. Vide affidavit dated 15/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, NEHA RAVINDRA PAWAR, is legally daughter of Army No. JC 462619X, Rank – Sub, Name – PAWAR RAVINDRA NARAYAN, presently residing at Vill – Aghar Bk, Post – Aghar Bk, Teh – Malegaon, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 423201, have corrected my date of birth from 27/07/2005 to 28/07/2005 for all future purposes. Vide affidavit dated 15/05/2026 before Public Notary Delhi.

ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति को बताया महान नेता; जिनपिंग बोले- हम साझेदार, प्रतिद्वंद्वी नहीं

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया की दो महाशक्तियों के राष्ट्राध्यक्ष, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ने बीजिंग में मुलाकात की है। बता दें कि, अमेरिकी राष्ट्रपति फिलहाल तीन दिन के चीन यात्रा पर हैं और इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई अहम वैश्विक मुद्दे पर बात होगी।

जिनपिंग से बोले ट्रंप- आप एक महान नेता हैं : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा, 'चीन और अमेरिका के बीच संबंध पहले से कहीं बेहतर होने वाले हैं... हमारा भविष्य उज्ज्वल होगा। चीन के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है, आपने जो काम किया है, उसकी मैं सराहना करता हूं। आप एक महान नेता हैं। मैं यह बात हर किसी से कहता हूं। कभी-कभी लोगों को मेरा यह कहना पसंद नहीं आता, लेकिन मैं फिर भी कहता हूं। हमारे सभी महान प्रतिनिधिमंडलों की ओर से, जिनमें दुनिया के सबसे बड़े, सबसे प्रतिष्ठित और शायद सर्वश्रेष्ठ व्यवसायी शामिल हैं... मुझे कंपनी में दूसरे या तीसरे दर्जे के लोगों की जरूरत नहीं थी। मुझे केवल शीर्ष लोगों की जरूरत थी। वे आज यहां आपको और चीन को सम्मान देने आए हैं। वे व्यापार और व्यवसाय करने के लिए उत्सुक हैं, और हमारी ओर से भी यह पूरी तरह से पारस्परिक होगा। मैं हमारी चर्चा के लिए बहुत उत्सुक हूं। यह एक बड़ी चर्चा है। जो लोग कहते हैं कि यह शायद अब तक का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन है, उन्हें शायद ही कभी ऐसा कुछ याद हो'।

हम एक साथ एक शानदार भविष्य की ओर अग्रसर- ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कहा, 'हम एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं। वास्तव में, हमारे दोनों देशों के बीच किसी भी राष्ट्रपति और राष्ट्रपति के बीच का यह सबसे लंबा संबंध है। और यह मेरे लिए सम्मान की बात है। हमारा रिश्ता शानदार रहा है। हम एक-दूसरे के साथ

अच्छे से रहे हैं। जब भी कोई कठिनाई आई, हमने उसका समाधान निकाला। मैं आपको फोन करता था और आप मुझे। जब भी कोई समस्या हुई, हमने उसका समाधान बहुत जल्दी निकाल लिया और हम एक साथ एक शानदार भविष्य की ओर अग्रसर हैं'।

हमें साझेदार होना चाहिए, प्रतिद्वंद्वी नहीं- जिनपिंग : चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस दौरान कहा, 'क्या हम मिलकर वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और दुनिया को अधिक स्थिरता प्रदान कर सकते हैं? क्या हम अपने दोनों देशों के लोगों की भलाई और मानवता के भविष्य के हित में, अपने द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं? ये प्रश्न इतिहास, दुनिया और जनता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये हमारे समय के प्रश्न हैं जिनका उत्तर हमें और आपको प्रमुख देशों के नेताओं के रूप में देना होगा... मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमारे दोनों देशों के बीच मतभेदों की तुलना में अधिक साझा हित हैं। एक में सफलता दूसरे के लिए अवसर है। और एक स्थिर द्विपक्षीय संबंध दुनिया के लिए अच्छा है। चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों को सहयोग से लाभ होगा और टकराव से हानि होगी। हमें साझेदार होना चाहिए, प्रतिद्वंद्वी नहीं। हमें एक-दूसरे की सफलता और समृद्धि में सहयोग करना चाहिए और नए युग में प्रमुख देशों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित करने का सही मार्ग खोजना चाहिए।'

जिनपिंग बोले- मैं प्रमुख मुद्दों पर चर्चा के लिए उत्सुक हूं : चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा, 'राष्ट्रपति, मैं हमारे दोनों देशों और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण प्रमुख मुद्दों पर आपकी चर्चाओं के लिए उत्सुक हूं, और चीन-अमेरिका संबंधों के विशाल जहाज को सही दिशा देने और उसे आगे बढ़ाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूं।

खूबसूरती का राज 'मैजिकल लॉराइट्स'

जवां दिखने और खूबसूरती पाने की ऐसी कौन-सी पद्धति अपनाती है, जिसका पालन नियमित रूप से हो? दरअसल, इसका रहस्य छिपा है नारियल में, जो हम सभी को आसानी से मिल जाता है, लेकिन हमने कभी भी जानने की कोशिश नहीं की कि यह सौंदर्य के लिए कितना कारगर साबित हो सकता है।

नारियल प्रकृति का वरदान है, जिसमें हैं ढेर सारे 'मैजिकल लॉराइट्स'। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हॉलीवुड की अभिनेत्रियां इसके होने वाले शानदार असर के बारे में बात करते नहीं थकतीं? अब तो हमारे बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्रियां दीपिका पादुकोण और नरगिस फाखरी ने भी इसे अपनी दैनिक सौंदर्य पद्धति में शामिल कर लिया है। यहां आपको मैजिकल लॉराइट्स के रहस्य और कुछ ऐसे शानदार फायदों के बारे में बताएंगे, जिनके बारे में आपने कम ही सुना होगा-

फाउंडेशन प्राइमर के रूप में करें इस्तेमाल

मेकअप करने वाले लोग इस बात से सहमत हों गे कि प्राइमर के बिना परफेक्ट मेकअप कभी पूरा नहीं होता। क्या आपको पता है कि नारियल का तेल फाउंडेशन के लिए परफेक्ट प्राइमर होता है? नारियल का थोड़ा-सा तेल लें, त्वचा को इसे सोखने दें और अब अपने मॉइश्चराइजर या फाउंडेशन को चेहरे पर लगायें। आपको महसूस होगा कि अब आपका मेकअप कितनी ज्यादा देर तक टिका रहता है। आप अपनी चीकबोन पर भी थोड़ा-सा नारियल तेल लगाकर उन्हें उभार सकती हैं और आप जरूर आकर्षक दिखेंगी।

त्वचा को भाएगा

अगर आपको अपनी त्वचा से प्यार है, तो आप जानती होंगी कि त्वचा में नमी बनाये रखना जरूरी है। तेल प्राकृतिक मॉइश्चराइजर है, जो आपकी त्वचा में नमी बनाये रखता है और उसे प्रदूषण और बदलते हुए मौसमी मिजाज से सुरक्षित रखता है। मैजिकल लॉराइट्स आपकी त्वचा में गहराई तक जाकर उसे देता है नमी और आपको देता है चिपचिपाहट रहित अहसास। नारियल का इस्तेमाल त्वचा को साफ करने के साथ ही हानिकारक तत्वों (टॉक्सिंस) को बेअसर बनाता है। इससे न सिर्फ त्वचा से हानिकारक तत्व निकालते हैं बल्कि त्वचा के प्राकृतिक प्रतिरोधी तंत्र को भी मजबूत बनाता है।

दमकती त्वचा के लिए मुंह में रखें नारियल तेल

रोजाना 20 मिनट तक नारियल तेल को अपने मुंह में रखने से आपको शरीर के हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने, सिरदर्द से निजात पाने, एसिडिटी की समस्या से छुटकारा और दांतों को सफेद बनाने में मदद मिलेगी। मुंह में तेल रखना भारत में सदियों पुरानी परंपरा रही है, जिससे आपका शारीरिक तंत्र अंदर से साफ होता है। सूत्रों का मानना है कि हॉलीवुड अदाकारा एंजेलिना जो ली तो अपने दिन की शुरुआत ही एक चम्मच से ज्यादा नारियल का तेल और एक मुट्ठी साबुत अनाज के साथ करती हैं, जिससे उनकी त्वचा जवां और दमकती रहे।

कोमल शेविंग क्रीम

यह जरूरी नहीं है कि शेविंग क्रीम में झाग ही उठें? अगर आप चाहते हैं कि शेविंग के बाद आपकी त्वचा सूखी और खरोंच रहित रहे तो शेव करने से पहले नारियल तेल को अपनी त्वचा पर अच्छी तरह लगायें और फिर शेव करें। इसे लगाकर शेव करने के बाद आपको मिलेगी कोमल और मुलायम त्वचा।

बनायें बॉडी स्क्रब

अगर आपको खुद ही सारे प्रयोग करना पसंद है तो आपके सौंदर्य प्रसाधन किट में नारियल का तेल तो होना ही चाहिए! दमकती हुई त्वचा पाने का एक तरीका चीनी के दानों में आधा कप नारियल तेल मिलायें और अब त्वचा पर एकत्र हुई मृत कोशिकाओं को हटाने के लिए इसे लगायें। आपको इसका असर दमकती हुई त्वचा के रूप में तुरंत दिखेगा।

बेहतरीन मेकअप रिमूवर

सबसे बेहतरीन वाटरप्रूफ मस्कारा भी नारियल तेल के आगे नहीं टिक सकता है । ऑयल क्लींजर के तौर प र नारियल तेल को अपने चेहरे पर लगायें या फिर रुई के फाहे से इसे धीरे-धीरे लगायें और त्वचा को इसे सोखने दें। आपका मेकअप चुटकियों में निकल जाएगा। 'मैजिकल लॉराइट्स' त्वचा की गहराई में जाकर धूल और बैक्टीरिया निकाल लाता है, जिससे आपकी त्वचा रहती है तरोताजा। यह ऐसा मशविरा है, जो आप अपनी सभी खास दोस्तों के साथ साझा कर सकती हैं।

क्यूटिकल्स को कोमल बनाने के लिए

क्या आपको कभी हैरानी हुई है कि आपकी दादीनानी रात को सोने से पहले अपनी हथेलियों पर नारियल के तेल की मालिश क्यों करती रहती हैं? अगर आपको बार-बार हाथ धोने की आदत है तो आपके क्यूटिकल्स को चाहिए अतिरिक्त देखभाल। साथ ही, अपनी उंगलियों को कोमल और पोषित बनाये रखने के लिए दिन में दो बार नारियल तेल की मालिश करें। आपको इसका अंतर कुछ ही दिन में पता चल जाएगा।

अंडर-आई क्रीम की तरह

बाजार में मौजूद अंडर आई-क्रीम (आंखों के नीचे लगाने वाली क्रीम) की भीड़ में से किसी के साथ भी प्रयोग करने पर खर्च नहीं करना चाहती हैं? आंखों के नीचे फूले हुए हिस्से और झुर्रियों को मिटाने के लिए विटामिन- ई की भरपूर मात्रा वाले नारियल तेल को आंखों के नीचे लगायें। यह आपके चेहरे की बेहद कोमल त्वचा के लिए बहुत हल्का है। नारियल के तेल में प्रचुर मात्रा में एंटी- ऑक्सिडेंट्स मौजूद होते हैं, जो आपके चेहरे की त्वचा पर मौजूद काले धब्बों को हल्का करने और मिटाने में असरदार होते हैं।

दिखायें खूबसूरत घुंघराले बाल

नियमित रूप से नारियल का तेल लगाने से न सिर्फ आपके बालों की खूबसूरती बढ़ती है बल्कि यह उन्हें बेहद मुलायम और कोमल भी बनाये रखता है। यह आपके बालों को लगातार प्रदूषित वातावरण से सुरक्षित रखता है और उन्हें हुए नुकसान को सही करता है। मैजिकल लॉराइट्स आपके बालों को देता है वह सबकुछ, जो उन्हें खूबसूरत और मजबूत बनने के लिए चाहिए। यह बालों के प्रोटीन को बांधकर रखता है, जिससे आपको मिलते हैं ज्यादा मजबूत, चमकदार और स्वस्थ बाल। यह बालों का रूखापन दूर करता है और दोमुंहे बालों की समस्या से जल्दी निजात दिलाकर आपके बालों को बनाता है खूबसूरत।

मोटापा घटाना हो तो करें ये काम!

मोटापा स्वास्थ्य नहीं बीमारियों को बढ़ाता है, मोटापा असल में हमारी कमजोरियों का कारण है। हमारी ही कमजोरियों की वजह से हमारे शरीर पर चर्बी बढ़ती है। जानते हैं कैसे, हम अनाप-शनाप जो भी खाते हैं उतना जब हम पचा नहीं पाते तो वह फैट में कनवर्ट हो जाता है। खाना न पचाने की वजह भी हमारा आलस्य है। समय पर खाना न खाना और अन्य चीजें जैसे चीज-बर्गर, मोमोज, कोलड्रिंक, समोसे, कचौड़ी, चाट-पकौड़ी खाते रहना भी हमारी कमजोरी है। मोटापा बढ़ने की मुख्य वजह हमारा शारीरिक श्रम न करना है। हमारा आलसीपन हमारे मोटापे को बढ़ने में मदद करता है। लगातार टीवी और फिल्में देखना या स्मार्टफोन पर नेट और बिस्तर पर पड़े-पड़े खाते रहने से मोटापा जल्दी घेरता है। आज हर पांच में से तीसरा व्यक्ति मोटापे से परेशान है। अगर आप भी कई महीनों से मोटापा घटाने की कोशिश कर रहे हैं और इसमें कामयाबी हासिल नहीं कर पा रहे हैं, तो कुछ जरूरी नियमों का पालन करें। रात को अगर आप सोने से पहले कुछ जरूरी नियमों का पालन कर लेते हैं, तो समझिए कि वजन घटाना आपके लिए चुटकियों का काम हो जाएगा। हमारा शरीर चर्बी घटाने का काम नियमित रूप से दिन-रात करता रहता है, इसलिए यहां दिए गए कुछ आसान से काम आप अपनाएंगे तो आप मोटापा घटा सकते हैं।

मोटापे को दूर करने के घरेलू उपचार

ग्रीन टी पिएं : रात को सोने से पहले ग्रीन टी पीने पर शरीर का मैटाबॉलिज्म बढ़ता है, जिससे रातभर वजन कम होता रहता है।

मिर्च का सेवन : वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चला है, कि मोटापा घटाने के लिए मिर्च का सेवन करना चाहिए। सोने से पहले इसका सेवन भोजन में करें जिससे लगातार वजट घटने की प्रक्रिया चलती रहे।

चीनी और स्टार्च न लें : चीनी और स्टार्च कार्ब्स होते हैं, जो कि इंसुलिन के निकलने की प्रक्रिया को उत्तेजित कर देते हैं। इंसुलिन शरीर में मुख्य फैट स्टोरेज हार्मोन होता है। जब इंसुलिन की मात्रा कम रहती है, तब शरीर उसमें जमा फैट को बर्न करना शुरू कर देता है, इसलिए रात को कार्ब न खाएं।

पूरी नींद लें : खराब नींद आपके वजन को बढ़ा कर मोटापे का शिकार बना सकती है। सोने से पहले कुछ रिलैक्सेशन टेक्नीक का इस्तेमाल करें, जैसे ध्यान, सुकून भरा संगीत सुने, गरम पानी से स्नान आदि। अच्छी नींद लेने से शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और फैट बर्न होता है। सोने से शरीर का हार्मोन कंट्रोल होता है जिसे बार-बार भूंख नहीं लगती और शरीर की ऊर्जा बनी रहती है।

- मोटापा घटाना है तो शारीरिक श्रम करना ही होगा
- योग, व्यायाम, प्राणायाम करने में कभी आलस न करें
- रोजाना सुबह कम से कम दो से चार किमी पैदल जरूर चलें
- लगातार टीवी/फिल्में देखना या स्मार्टफोन पर नेट और बिस्तर पर पड़े-पड़े खाते रहना बिल्कुल बंद कर दें
- रात को ग्रीन टी पीकर सोने से शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, जिससे रातभर आपका वजन कम होता रहता है
- डिनर में मिर्च भी खाएं, जिससे लगातार वजट घटने की प्रक्रिया चलती रहे

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

हंसी के फूव्वारें

शक्ल-सूरत से एकदम भोली दिखती एक जवान लड़की डॉक्टर के सामने बैठी हुयी थी. डॉक्टर ने उसका शारीरिक परीक्षण करने के बाद कहा, 'मेरा ख्याल है कि तुम्हारे बच्चा होने वाला है. 'क्षण भर रुककर वह बोला, 'और यह संभव है कि तुम्हारे जुड़वां बच्चे हों.'

'लेकिन डॉक्टर साहब यह कैसे हो सकता है?' लड़की ने चकित स्वर में कहा, 'मैं अपने जीवन में एक बार में कभी दो से नहीं मिली हूँ.'

□ □ □

घरवाली ने जरा खीझते हुए आदमी से बोली, 'घर में जवान बेटी बैठी है और तुम्हें कोई चिंता नहीं, हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हो. कुछ भाग-दौड़ करो...'

आदमी ने एक गहरी सांस लेते हुए कहा, 'भागवान, कोई सही-सा लड़का मिले तो बात आगे...'

तड़-से घरवाली बीच में ही बात काटते हुए हाथ घुमाकर बोली, 'सोचो, अगर मेरे पिताजी भी सही लड़के की खोज करते, तो फिर तुम्हारा क्या होता?'

□ □ □

पति ने चिड़चिड़े लहजे में कहा, 'इस वक्त मुझे तंग मत करो, मेरे दिमाग में आग लगी है...'

'ओह!' पत्नी बोली, 'तभी तो मैं सोच रही थी कि चमड़ा जलने की बदबू कहां से आ रही है!'

काकुरो पहेली - 4055

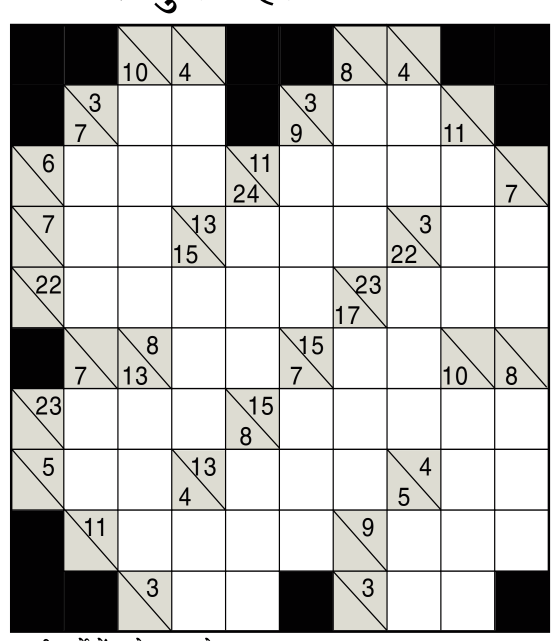

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

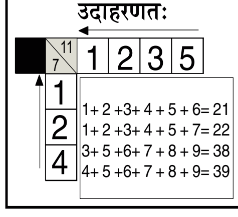

काकुरो - 4054 का हल

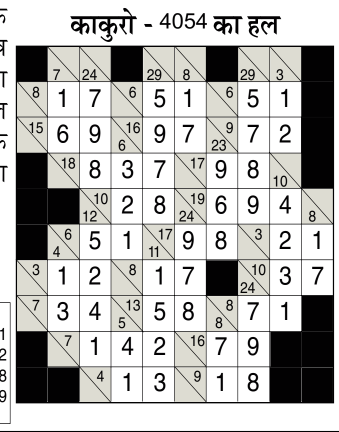

फिल्म वर्ग पहेली- 4055

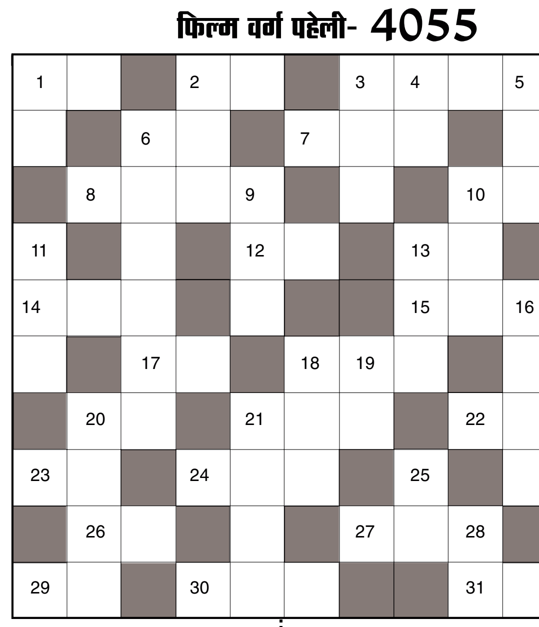

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4054

सूडोकु - 4055

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4054 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली -4055

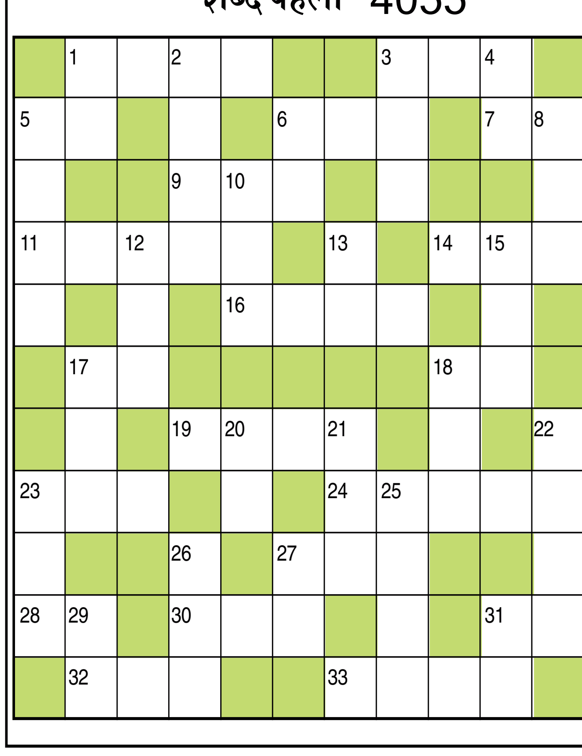

बाएँ से दाएँ

1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे

1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -4054 का हल

महाराष्ट्र विधान परिषद में दस नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

एजेंसी

मुंबई। विधान परिषद के द्वि-वार्षिक चुनाव में 9 और उप-चुनाव में एक सहित कुल 10 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचित हुए सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह विधान भवन के मध्यवर्ती सभागृह में सम्पन्न हुआ। विधान परिषद के सभापति राम शिंदे ने सभी सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसमें भाजपा से 6, और अन्य दलों के प्रतिनिधि शामिल थे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार सहित कई मंत्री उपस्थित थे। राष्ट्रवादी कांग्रेस के विधायक जिशान सिद्दीकी ने अंग्रेजी भाषा में शपथ ली। विधान परिषद की 10 सीटों के लिए चुनाव प्रक्रिया आयोजित की गई थी। इनमें 09 सीटों के लिए नियमित चुनाव और एक सीट के लिए उप-चुनाव घोषित किया गया था। 12 मई 2026 को मतदान होना था लेकिन सभी दस सीटों के लिए केवल 10 उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल होने के कारण चुनाव निर्विरोध हो गया।

लखनऊ में विहिप के बहुमंजिला कार्यालय का चंपत राय ने किया भूमि पूजन

लखनऊ। विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने लखनऊ में विहिप अवध प्रांत के नवीन प्रांतीय कार्यालय का भूमि पूजन किया। यह कार्यालय नगर में लालकुआं के पास हुसैनगंज मेट्रो स्टेशन के पास वहीं बनेगा, जहां पहले कार्यालय था। यह भवन आधुनिक सुविधाओं से युक्त और बहुमंजिला होगा। नवीन प्रांतीय कार्यालय के शिलान्यास के मौके पर चंपत राय ने कहा कि कार्यालय संगठन के कार्य विस्तार का बिन्दु है और संगठन की साधना का मंदिर है। कार्यालय केवल स्थान मात्र नहीं है बल्कि कार्यकर्ताओं के मिलन का केन्द्र भी है। यह कार्यालय अवध प्रांत में संगठन की गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है। उन्होंने विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण संघर्षों से लेकर प्राण प्रतिष्ठा में कार्यालय के योगदान के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अखिल भारतीय अधिकारी सह सम्पर्क प्रमुख रमेश पप्पा, प्रांत प्रचारक कौशल, विहिप के केन्द्रीय मंत्री राजेन्द्र सिंह पंकज, विहिप के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह, संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख सुभाष, संघ के वरिष्ठ प्रचारक वीरेन्द्र सिंह, विहिप के प्रांत अध्यक्ष कन्हैया लाल नगीना, प्रान्त संगठन मंत्री विजय प्रताप, प्रांत मंत्री देवेंद्र मिश्र, प्रांत प्रचारक प्रमुख यशोदानंद, प्रान्त सम्पर्क प्रमुख गंगा सिंह, व प्रशान्त भाटिया सहित संघ और विहिप के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

असम में घुसपैठ कर रहे 12 बांग्लादेशियों को रोका गया : हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और असम पुलिस ने 12 कथित घुसपैठियों को असम में घुसपैठ करने से रोक दिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि यह अभियान बीती मध्य रात्रि के ठीक बाद चलाया गया था, जो राज्य में अवैध घुसपैठ पर चल रही कड़ी कार्रवाई का ही एक हिस्सा है। डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि बुधवार और गुरुवार की मध्य रात्रि करीब 12:20 बजे, असम पुलिस ने बीएसएफ के साथ मिलकर घुसपैठियों की हलचल को रोका और 12 अवैध लोगों को असम में घुसने से रोक दिया। हालांकि, राज्य के किस हिस्से से घुसपैठ हो रही थी, इसका उन्होंने खुलासा नहीं किया है। मुख्यमंत्री ने आगे ज़ोर देकर कहा कि असम सरकार अवैध प्रवासन और घुसपैठ के कारण होने वाले जनसांख्यिकीय बदलाव के खिलाफ अपनी सख्त जीरो टॉलरेंस की नीति को जारी रखेगी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब असम सरकार सीमा सुरक्षा, अवैध घुसपैठ और जनसांख्यिकीय चिंताओं पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रही है, खासकर बांग्लादेश से सटे सीमावर्ती इलाकों में।

रवनीत सिंह ने अमृतसर से नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया

अमृतसर। अमृतसर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री रवनीत सिंह ने घोषणा की कि अमृतसर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए 402 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा स्टेशन पर पांच नए प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए अलग से 100 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। रवनीत सिंह ने अमृतसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि अमृतसर रेलवे स्टेशन सिर्फ एक परिवहन केंद्र नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और देशभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे इस स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करेगा, जो शहर की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाएगा। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत बड़े स्तर पर री-मॉडलिंग और विस्तार कार्य किए जाएंगे। स्टेशन पर पांच अतिरिक्त प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे, जिनमें दो उत्तरी दिशा और तीन दक्षिणी दिशा में होंगे। इसके साथ पांच नई यार्ड लूप लाइनें भी बनाई जाएंगी, ताकि ट्रेनों की आवाजाही आसान हो और भीड़भाड़ कम हो सके। रवनीत सिंह ने कहा कि अमृतसर में एक नया वंदे भारत मेंटेनेंस शेड भी बनाया जाएगा, जिससे रेलवे संचालन को और मजबूती मिलेगी। स्टेशन के उत्तरी हिस्से में सात कॉमर्शियल फ्लोर के साथ आधुनिक ल+10 स्टेशन भवन बनाया जाएगा, जबकि दक्षिणी हिस्से में ल+3 स्टेशन भवन तैयार किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन के उत्तर और दक्षिण हिस्से को जोड़ने हेतु दो नए स्कवे बनाए जाएंगे। इसके अलावा लिफ्ट, एस्केलेटर, आधुनिक पार्किंग, ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम और कवर ड्रॉप-ऑफ जोन जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

क्रिकेट युवराज के पिता व फिल्म अभिनेता योगराज के खिलाफ मामला दर्ज

एजेंसी

चंडीगढ़। अमेजन प्राइम वीडियो पर 8 मई को रिलीज हुई हिंदी वेब सीरीज 'लुक्खे' के एक एपिसोड में महिलाओं के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने पर क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह के खिलाफ चंडीगढ़ पुलिस ने गुरुवार की शाम मामला दर्ज कर लिया है। योगराज सिंह स्वयं भी क्रिकेटर रह चुके हैं और वह कई पंजाब व हिंदी फिल्मों में काम कर चुके हैं। यह वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल की जा रही है।

जिला बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष एवं एडवोकेट उज्ज्वल भसीन और जतिन वर्मा की तरफ से यह शिकायत 12 मई को एसएसपी को भेजी गई है। उन्होंने दलील दी है कि सोशल मीडिया पर 17 सेकेंड का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें

महिलाओं के खिलाफ शर्मनाक, अपमानजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया है। पत्र में दूसरा तर्क है यह न केवल अपमानजनक है, बल्कि हमारी माताओं, बहनों, बेटियों और पत्नियों सहित हर महिला की गरिमा, शालीनता और सम्मान पर सीधा हमला है। शिकायतकर्ताओं ने एसएसपी से मांग की थी कि योगराज सिंह और अन्य संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके बाद सेक्टर 36 के पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में पंजाब महिला आयोग भी सख्त हो गया है। आयोग ने पंजाब पुलिस को पत्र लिखकर सीनियर अधिकारी से जांच करवाने के लिए कहा है। पंजाब राज्य महिला आयोग की ओर से पंजाब पुलिस हेडक्वार्टर चंडीगढ़ को एक पत्र भेजा गया, जिसमें लिखा है कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का संज्ञान लिया गया है। वीडियो में महिलाओं के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया है। आयोग ने इस मामले में उचित कार्रवाई करने और की गई कार्रवाई की रिपोर्ट आयोग को भेजने के लिए कहा है।

आईसीएआर महानिदेशक एमएल जाट 'मारवाड़ रत्न' से सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक एवं कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) के सचिव डॉ एमएल जाट को मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट, मारवाड़-जोधपुर की ओर से सर्वोच्च 'राव सीहा सम्मान- मारवाड़ रत्न' से सम्मानित किया गया। जोधपुर के महाराजा गज सिंह ने डॉ. जाट को अंगवस्त्र, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र, एक लाख की सम्मानित राशि एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। यह सम्मान कृषि अनुसंधान, जलवायु अनुकूल खेती, मरुस्थलीय कृषि नवाचार और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। डॉ. जाट का पश्चिमी राजस्थान से गहरा जुड़ाव रहा है। उनके नेतृत्व में आईसीएआर ने सूखा प्रतिरोधी फसलों, संरक्षण कृषि तथा किसानों की आय बढ़ाने से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं प्रारंभ की हैं। इस अवसर पर गजसिंह ने कहा कि डॉ. जाट ने कृषि विज्ञान को खेत और किसान से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा उनका कार्य देश की कृषि नीति और किसान हितों के लिए प्रेरणादायी है। 'राव सीहा सम्मान' मारवाड़ के संस्थापक राव सीहा जी के नाम पर दिया जाने वाला प्रतिष्ठित सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट प्रतिवर्ष मारवाड़ की अस्मिता, संस्कृति और जनकल्याण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को यह सम्मान प्रदान करता है।

सांसद प्रिया सरोज की एआई से बनी फोटो वायरल करने के मामले में भाजपा नेता समेत दो के खिलाफ केस दर्ज

एजेंसी

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मछलीशहर लोकसभा सीट से सांसद प्रिया सरोज की फर्जी और मॉर्फ्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने केमामले में पुलिस ने भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी सहित दो लोगों के खिलाफ साइबर क्राइम थाने में गुरुवार को एफआईआर दर्ज की है। इन तस्वीरों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके बनाना बताया गया है। साइबर क्राइम थाने में सांसद प्रिया सरोज ने अपनी शिकायत में बताया है कि भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी अमोद सिंह और विशाल सिंह ने फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट्स से उनकी एडिटेड व फर्जी तस्वीरें तथा भ्रामक सामग्री प्रसारित की जा रही थी। इन पोस्टों के माध्यम से उनकी राजनीतिक और सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की सुनियोजित कोशिश की गई। सांसद ने अपने शिकायती पत्र में कहा है कि यह केवल व्यक्तिगत हमला नहीं, बल्कि एक निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि की गरिमा को ठेस पहुंचाने और जनता के बीच उनकी छवि खराब करने की साजिश है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के साथ जिन सोशल मीडिया अकाउंट्स और लिंक्स का उल्लेख किया गया है, उनके स्क्रीनशॉट और अन्य डिजिटल साक्ष्य भी पुलिस को सौंपे गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर क्राइम थाना जौनपुर ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ आईटी एक्ट की धाराओं में नामजद मुकदमा दर्ज किया है। साइबर सेल अब संबंधित अकाउंट्स की तकनीकी जांच कर पोस्ट अपलोड करने वालों की पहचान करने में जुट गई है। सांसद प्रिया सरोज ने कहा कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल अभिव्यक्ति के लिए होना चाहिए, न कि किसी

की प्रतिष्ठा खराब करने के लिए। उन्होंने एआई तकनीक का दुरुपयोग कर फर्जी तस्वीरें बनाने और उन्हें वायरल करने को गंभीर अपराध बताया। सांसद ने ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह की हरकत करने की हिम्मत न कर सके।

असम असम पुलिस की क्राइम ब्रांच में पवन खेड़ा से दूसरे दिन भी हुई लंबी पूछताछ

एजेंसी

गुवाहाटी। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा लगातार दूसरे दिन असम पुलिस की क्राइम ब्रांच के समक्ष पेश हुए। यह पूछताछ असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा से जुड़े कथित बहु-विदेशी पासपोर्ट मामले को लेकर चल रही जांच के संबंध में की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, पवन खेड़ा से करीब 8 घंटे तक मैराथन पूछताछ की गई। हालांकि, क्राइम ब्रांच कार्यालय में प्रवेश करते समय और बाहर निकलने के बाद मीडिया द्वारा पूछे गए सवालों का उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि क्या वह अब भी अपने पुराने आरोपों और बयानों पर कायम हैं, तब भी उन्होंने चुप्पी बनाए रखी। जानकारी के मुताबिक, क्राइम ब्रांच ने पवन खेड़ा को आगे की पूछताछ के लिए 25 मई को फिर से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। इससे पहले बुधवार को भी उनसे लगभग 11 घंटे तक पूछताछ की

गई थी, जिसके बाद देर रात उन्हें जाने की अनुमति दी गई थी। पूछताछ के बाद मीडिया से बातचीत में पवन खेड़ा ने कहा था कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे।

उल्लेखनीय है कि, यह मामला गुवाहाटी में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पवन खेड़ा द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़ा है। इसके बाद रिनिकी भुइयां शर्मा ने क्राइम ब्रांच में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आरोपों को झूठा और मानहानिकारक बताया था। बाद में पवन खेड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए अदालत का रुख किया। उच्चतम न्यायालय ने पहले उन्हें गौहाटी उच्च न्यायालय जाने का निर्देश दिया था। इसके बाद उच्चतम न्यायालय ने कुछ शर्तों के साथ उन्हें अग्रिम जमानत प्रदान की, जिसके बाद से वह जांच एजेंसियों के समक्ष पूछताछ के लिए उपस्थित हो रहे हैं।

मप्र के उज्जैन में सिंहस्थ 2028 की तैयारियां तेज, शिप्रा के 29 कि.मी. क्षेत्र में बन रहे आधुनिक घाट और एप्रोच रोड

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के उज्जैन में सिंहस्थ: 2028 महापर्व की भव्य तैयारियों को लेकर निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। शिप्रा नदी के 29 किलोमीटर क्षेत्र में नव निर्माणाधीन घाटों से 24 घंटे करोड़ों श्रद्धालुओं को शिप्रा में स्नान कराने के बाद सुरक्षा और सुविधा के साथ गंतव्य तक पहुंचाया जा सकेगा। सिंहस्थ के लिए सभी विभागों ने निर्माणाधीन विकास कार्यों की गति तेज कर दी है।

जनसंपर्क अधिकारी अशोक मनवानी ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नियमित रूप से सिंहस्थ तैयारियों की समीक्षा कर जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर सिंहस्थ के लिए विकास कार्य प्रगतिरत है। सिंहस्थ में विश्व भर से आने वाले श्रद्धालुओं को वाहन पार्किंग के साथ ही स्नान के लिए घाट तक पहुंचाने के लिए सुविधाजनक एप्रोच रोड का निर्माण किया जा रहा है। व्यवस्थित पार्किंग क्षेत्र और घाट तक

सुविधाजनक आने जाने के मार्ग होने से आवश्यक प्रबंधन करने में सुविधा होगी। हाल ही में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने उज्जैन पहुंचकर सिंहस्थ की तैयारियों का जायजा लिया है। सिंहस्थ: 2028 के तहत नियमित निरीक्षण में संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह, कलेक्टर उज्जैन श्री रौशन कुमार सिंह ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के दल मेला क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्थानों में की जाने वाली व्यवस्थाओं का निरंतर जायजा ले रहे हैं। अधिकारी दल ने श्री विक्रांत भैरव मंदिर के समीप स्थित ब्रिज से निरीक्षण प्रारंभ कर करीब 5 किलोमीटर क्षेत्र में पैदल भ्रमण किया। उन्हेल रोड ब्रिज के समीप तक शिप्रा नदी पर निर्माणाधीन नवीन घाट को जोड़ने के लिए प्रस्तावित 18 स्थानों को एप्रोच रोड के लिए चिन्हित किया है। सिंहस्थ : 2028 महापर्व के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर विश्व भर से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुविधाजनक रूप से मोक्षदायिनी शिप्रा नदी में स्नान करवाने और श्रद्धालुओं की मेजबानी के लिए उज्जैन संवरने लगा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नियमित रूप से सिंहस्थ तैयारियों की जानकारी प्राप्त कर निर्देश देते हैं। हाल ही में प्रशासनिक अधिकारियों ने द्वितीय चरण में शिप्रा किनारे पैदल 36 किलोमीटर भ्रमण किया। अधिकारी दल ने इस दौरान शिप्रा घाट से जोड़कर बनाए जाने वाले प्रस्तावित मार्गों के लिए 140 स्थान चिन्हित कर तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए।

शिवराज के काफिले में अब होंगे सिर्फ 3 वाहन

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए। उन्होंने अपने वाहन के काफिले को कम करने का निर्देश दिया है। अब उनके वाहन के काफिले में तीन वाहन होंगे। कृषि मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, आईसीएआर और लैंड रिसोर्सेज विभाग के अधिकारियों की बैठक में केंद्रीय मंत्री ने विभाग में वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देने की संभावना तलाशने का निर्देश दिया।

इसके लिए उन्होंने विभागीय स्तर पर दो दिन में कार्ययोजना तैयार कर अवगत कराने के निर्देश दिए। इसके साथ कर्मचारियों एवं अधिकारियों को मेट्रो सहित अन्य सार्वजनिक परिवहन के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्रालय स्तर पर अधिकारी, कर्मचारियों से गैर-जरूरी सोने की खरीद नहीं करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हर अधिकारी 5 लोगों को भी सोना नहीं खरीदने के लिए प्रेरित करें। इसके साथ विदेश यात्रा को भी टालने की सलाह देते हुए स्वदेश पर्यटन पर जोर देने की सलाह दी।

उन्होंने अधिकारियों को अधिकतर बैठकें वर्चुअल माध्य से करने पर जोर दिया। शिवराज सिंह चौहान ने बैठकों में स्थानीय उत्पाद, मोटा अनाज और स्वदेशी खाद्य सामग्री को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। इसके साथ खाद्य तेलों का विवेकपूर्ण उपयोग करने के साथ 5-5 परिवारों को भी जागरूक करने का अभियान चलाने की सलाह दी।

बैठक में उन्होंने लोकल फॉर वोकल और मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारतीय उत्पादों और ब्रांड्स को बढ़ावा देने का आह्वान किया। कृषि मंत्रालय, ग्रामीण विकास विभाग, आईसीएआर, कृषि शिक्षा और लैंड रिसोर्सेज विभाग मिलकर जनजागरण अभियान चलाने का आग्रह किया।

मप्र के मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्र सरकार के कई वरिष्ठ मंत्रियों से मुलाकात कर प्रदेश से जुड़े महत्वपूर्ण विकास कार्यों, आधारभूत संरचना, धार्मिक पर्यटन, कृषि, सिंचाई, शहरी विकास और कानून व्यवस्था जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इन बैठकों को मध्य प्रदेश के विकास एजेंडे और आगामी सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के मद्देनजर बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर मध्य प्रदेश में नक्सल उन्मूलन अभियान की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से डिंडोरी और बालाघाट क्षेत्रों में सुरक्षा बलों और प्रशासन द्वारा किए जा रहे विकास एवं शांति प्रयासों का उल्लेख किया। बैठक में नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा तकनीक आधारित पुलिसिंग पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री शाह को बालाघाट दौरे का निमंत्रण भी दिया। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कानून-व्यवस्था और विकास के क्षेत्र में राज्य की पहल को सकारात्मक बताया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री

एन राजू राम मोहन नायडू से मुलाकात कर उज्जैन एयरपोर्ट परियोजना को लेकर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकाल लोक और उज्जैन में धार्मिक पर्यटन के तेजी से बढ़ते दायरे को देखते हुए एयर कनेक्टिविटी का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने एयरपोर्ट परियोजना के भूमि-पूजन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए केंद्रीय मंत्री को औपचारिक निमंत्रण भी दिया।

बैठक में उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग अथॉरिटी के स्वरूप, क्षेत्रीय विकास और इंदौर-उज्जैन कॉरिडोर में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे एयर इंफ्रास्ट्रक्चर, नए एयर रूट्स और पर्यटन आधारित विकास मॉडल की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश को देश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार तेजी से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात कर सिंहस्थ: 2028 की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ को विश्वस्तरीय स्वरूप देने के लिए राज्य सरकार अभी से अधोसंरचना विकास, शहरी विस्तार और यातायात प्रबंधन पर काम कर रही है। केन्द्रीय मंत्री के साथ हुई बैठक में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं, नगरीय अधोसंरचना, स्वच्छता मिशन और आधुनिक शहरी नियोजन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर-उज्जैन और भोपाल मेट्रोपॉलिटन अथॉरिटी के गठन और उनकी कार्य योजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में मेट्रोपॉलिटन आधारित विकास मॉडल तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री आवास योजना में मध्य प्रदेश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश ने गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। साथ ही स्वच्छता और नगरीय विकास में केंद्र और राज्य के बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील से मुलाकात कर प्रदेश में गेहूं खरीदी, सिंचाई परियोजनाओं और जल संरक्षण को लेकर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्र सरकार से गेहूं खरीदी लक्ष्य बढ़ाने का अनुरोध करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में इस वर्ष रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है।

दिल्ली के सरकारी कार्यालयों में सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम, 'मेरा भारत मेरा योगदान' अभियान की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सरकार के कार्यालयों में सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम, सरकारी वाहनों के ईंधन की खपत 20 फीसदी कम करने और 'मेरा भारत मेरा योगदान' अभियान जैसी कई घोषणाएं कीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन बचत की अपील के मद्देनजर दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक में इससे संबंधित फैसले लिए गए।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक अस्थिरता, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, ईंधन संकट और बढ़ती आयात लागत का प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ रहा है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। ऐसे समय में देशहित को सर्वोपरि रखते हुए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह संसाधनों की बचत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान दे।मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार ने ईंधन बचत और ट्रैफिक प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लिए हैं। दिल्ली सरकार के सभी विभागों में

सप्ताह में दो दिन 'वर्क फ्रॉम होम' व्यवस्था लागू की जाएगी। निजी कंपनियों और संस्थानों को भी अपनी सुविधा के अनुसार सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम लागू करने की सलाह दी जा रही है। इस संबंध में श्रम विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए सिंगल विंडो हेल्प डेस्क व कॉल सेंटर भी स्थापित किया जाएगा। साथ ही सरकार बड़ी कंपनियों और संस्थानों से व्यक्तिगत स्तर पर संवाद कर सहयोग सुनिश्चित करेगी।उन्होंने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था उन आवश्यक सेवाओं पर लागू नहीं होगी, जो सीधे जन-सुविधाओं और सार्वजनिक कार्यों से जुड़ी हैं। इनमें पब्लिक डीलिंग से संबंधित विभाग, फायर सर्विस, अस्पताल, जेल प्रशासन, सार्वजनिक परिवहन, बिजली एवं जल आपूर्ति इत्यादि जैसी आवश्यक सेवाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी स्तर पर वाहनों के उपयोग को न्यूनतम किया जाएगा। नए निर्णय के अनुसार अधिकारियों के पेट्रोल अलाउंस में 20 प्रतिशत तक की कटौती की गई है। जिन वाहनों की पहले 200 लीटर पेट्रोल की सीमा थी, उसे घटाकर 160 लीटर तथा 250 लीटर की सीमा को घटाकर 200 लीटर किया गया है।उन्होंने बताया कि हर सोमवार को 'मेट्रो मंडे' के रूप में मनाया जाएगा, जिसमें मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और सरकारी कर्मचारी जहां तक संभव होगा, मेट्रो एवं सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करेंगे। दिल्ली सरकार के कार्यालयों का समय अब सुबह 10:30 बजे से शाम 7 बजे तक निर्धारित किया गया है, जबकि दिल्ली नगर निगम कार्यालय सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होंगे। केंद्र सरकार के कार्यालयों का समय सुबह 9 से शाम 5:30 बजे है। कार्यालयों के समय के इस अंतराल से ट्रैफिक का दबाव कम किया जा सकेगा।

सीएम विजय ने सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के महंगाई भत्ते को 58 से बढ़ाकर 60 फीसदी किया

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के महंगाई भत्ते को 58 से बढ़ाकर 60 फीसदी करने का फैसला किया है। उनका यह फैसला 1 जनवरी 2026 से ही प्रभावी माना जाएगा। मुख्यमंत्री विजय ने जनहित में शुरू किए गए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं को लागू करने की दिशा में किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी। जनहित में शुरू की गई इन योजनाओं को हर हाल में लागू किया जाएगा। आमतौर पर इन सरकारी योजनाओं को लागू करने की दिशा में सरकारी अधिकारी और शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने अब इनके महंगाई भत्ते में इजाफा करने का फैसला किया है, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हो। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के महंगाई भत्ते में इजाफा करने से पहले पूरी वस्तुस्थिति की समीक्षा की। इसके बाद ही फैसले को धरातल पर उतारने का फैसला किया गया।

सरकार के इस फैसले के बाद लगभग 16 लाख सरकारी कर्मचारियों,

शिक्षकों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को सीधा फायदा पहुंचेगा। अपने इस फैसले के बाद सरकार ने स्पष्ट किया कि किसी भी कर्मचारियों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस फैसले के बाद से राज्य सरकार पर 1,230 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वार्षिक व्यय का बोझ पड़ेगा। सरकार सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए आवश्यक अतिरिक्त धनराशि आवंटित करेगी। बता दें कि आमतौर पर सरकार कर्मचारियों को महंगाई भत्ते के रूप में अतिरिक्त पैसे देती है, ताकि उन पर महंगाई का असर नहीं पड़े। जैसे ही महंगाई में इजाफा दर्ज किया जाता है, तो सरकार या कंपनियों की ओर से अपने कर्मचारियों की सैलरी में अतिरिक्त रकम जोड़ दी जाती है, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की आर्थिक समस्या का सामना नहीं करना पड़े।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और टाइटंस में मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में गुजरात टाइटंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। जहां केकेआर का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी हल्की सी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। वहीं गुजरात टाइटंस इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना चाहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए गुजरात टाइटंस जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

इस सत्र में जब पिछली बार इन दोनों टीमों में मुकाबला हुआ था तब गुजरात टाइटंस ने केकेआर को 5 विकेट से मात दी थी। ऐसे में अब केकेआर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 1 जबकि गुजरात ने 4 जीते हैं, वहीं एक मैच का परिणाम नहीं आया है।

इस मैच में केकेआर को अगर जीतना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान आजिंक्य रहाणे के अलावा अंगकृष रघुवंशी, कैमरून ग्रीन और रिंकू सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा के अलावा रहस्यमी स्पिनर सुनील नरेन पर आधारित रहेगी

दूसरी ओर इस सत्र में शुभमन गिल की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन कर रही गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और राहुल तेवतिया पर आधारित रहेगी। टीम की गेंदबाजी की कमान कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा स्पिनर राशिद खान संभालेंगे।

टीम इस प्रकार है

केकेआर : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिल एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, रोवमैन पॉवेल, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी। इम्पैक्ट प्लेयर- सौरभ दुबे।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर- प्रसिद्ध कृष्णा।

थाईलैंड ओपनः पीवी सिंधु कड़े संघर्ष में हारी, सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे

बैंकाक (एजेंसी)। पूर्व और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन के बीच हुए मुकाबले में भारत की पीवी सिंधु शुक्रवार को यहां थाईलैंड ओपन 2026 बैडमिंटन के महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से कड़े संघर्ष में हार गईं।

2019 की बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियन और महिला सिंगल्स रैंकिंग में मौजूदा नंबर 12 पर काबिज सिंधु ने पहला गेम जीता और मैच के दूसरे मिड-गेम इंटरवल में चार पॉइंट की बढ़त के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर बढ़ती दिखीं। हालांकि, दुनिया की नंबर 3 और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन यामागुची ने अपने ट्रेडमाक फाइटबैक से मैच का रुख पलट दिया और 61 मिनट में 19-21, 21-18, 21-15 से जीत हासिल की।

हार के बावजूद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 15-13 की मामूली बढ़त बनाए रखी है। यामागुची पर उनकी सबसे यादगार जीत टोक्यो 2020 ओलंपिक्स के क्वार्टर-फ़ाइनल में मिली थी। हालांकि, शुक्रवार के नतीजे ने जापानी स्टार से उनकी पिछली पांच मुलाकातों में चौथी हार को चिह्नित किया। इससे पहले उनका सबसे हालिया मुकाबला जनवरी में मलेशिया ओपन में हुआ था, जहां यामागुची के चोट के कारण रिटायर होने के बाद सिंधु आगे बढ़ी थीं।

इससे पहले दिन में टॉप सीड सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने जापान के छठे सीड ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी को 41 मिनट में 21-12, 21-13 से हराकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफ़ाइनल में प्रवेश किया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शनिवार को सेमीफाइनल में मलेशिया के गोह से फेई और नूर इज़ुद्दीन से भिड़ेंगे।

चिराग और सात्विक दो बार के थाईलैंड ओपन चैंपियन हैं, जिन्होंने क्रमशः 2019 और 2024 में पुरुषों के डबल्स खिताब जीते हैं। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन, दिन में बाद में पुरुषों के सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में घरेलू पसंदीदा कुनलावुत विटिडसार्न (पूर्व विश्व चैंपियन और पेरिस 2024 रजत पदक विजेता) से भिड़ेंगे।

ईसीबी ने पहली बार पूर्व महिला क्रिकेटर को बनाया पुरुष टीम का कोच

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पहली बार एक महिला क्रिकेटर को पुरुष क्रिकेट टीम का कोच बनाया है। पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड की सीनियर पुरुष टेस्ट टीम का फील्डिंग कोच बनाया गया है। उन्हें कार्ल हॉपकिंसन की जगह कोच बनाया गया है। हॉपकिंसन अभी आईपीएल करार के कारण उपलब्ध नहीं हैं।ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब की सारा को कोच बनाने की घोषणा की। सारा की नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सारा महिला क्रिकेट की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। उन्होंने अपने शानदार करियर में सभी प्रारुपों में कुल मिलाकर 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह बेहतरीन विकेटकीपरों में से एक रही हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही सारा ने कोचिंग का काम संभाला। उन्होंने पहले एंड्रयू फ्लिंटॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लायंस (इंग्लैंड ए) टीम के साथ भी कोच के तौर पर काम किया है। इसमें उनके प्रदर्शन की काफी सराहना की गई। इसी को देखते हुए उन्हें सीनियर टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ससेक्स की पुरुष टीम और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के साथ भी फील्डिंग कोच के रूप में अहम भूमिकाएँ निभाई हैं।

सारा को कोच बनाये जाने को लेकर ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब ने प्रशंसा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि वह अपने काम में माहिर और सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। उनका प्रदर्शन असाधारण रहा है और उन्होंने एंड्रयू फ्लिंटॉफ और एड बर्नी के साथ काफी काम किया है। ये दोनों ही उनकी जमकर तारीफ करते हैं। की ने आगे कहा, इसलिए जैसा कि हमें दिख रहा है, वह अपने क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। वह जिस तरह से अपना काम करती हैं उससे हम पूरी तरह से और अविश्वसनीय रूप से प्रभावित हैं। हॉपकिंसन की अनुपस्थिति के बारे में बताते हुए, की ने स्पष्ट किया, कार्ल हॉपकिंसन आज के क्रिकेट जगत के चलन के अनुसार फिलहाल मुंबई इंडियंस के साथ काम कर रहे हैं। उनके पास मुंबई इंडियंस के लिए काफी काम है, इसलिए हम भविष्य में निश्चित रूप से उनकी सेवाओं का उपयोग करेंगे, बस इस सीरीज के लिए नहीं। यह नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है।

सैमसन को मिला पूर्व भारतीय कोच का समर्थन, कहा- भारत की टी20आई कप्तानी के लिए संजू मजबूत दावेदार

मुंबई (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच और ऑलराउंडर रवि शास्त्री का मानना है कि संजू सैमसन राष्ट्रीय टीम की टी20आई कप्तानी के लिए एक दावेदार हैं। उन्होंने इसके पीछे इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में राजस्थान रॉयल्स (RR) के पूर्व कप्तान के तौर पर उनके अनुभव और बल्ले से उनकी बढ़ती निरंतरता और परिपक्वता का हवाला दिया। दो महीने पहले सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने अपने घर पर ICC पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट में सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था। उन्होंने 5 पारियों में कुल 321 रन बनाए जिसमें वेस्टइंडीज के खिलाफ 'सुपर आठ' के अहम मुकाबले से लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले तक, लगातार तीन अर्धशतक शामिल थे।

'The ICC Review' पर संजना गणेशन से बात करते हुए शास्त्री ने कहा, 'अगले (टी20) विश्व कप (2028 में) तक भारत एक नए कप्तान की तलाश में हो सकता है; यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अगले कुछ सालों में सूर्या का प्रदर्शन कैसा रहता है। लेकिन संजू सैमसन ने खुद को कप्तानी की भूमिका के लिए एक मजबूत दावेदार के तौर पर पेश किया है, क्योंकि वह पहले भी राजस्थान (रॉयल्स) के लिए यह भूमिका निभा चुके हैं।' शास्त्री का कहना है कि सैमसन की आक्रामक बल्लेबाजी उन्हें टीम की प्लेइंग इलेवन में एक निश्चित जगह दिलाती है। उन्होंने कहा, 'इसलिए मुझे लगता है कि यह तो बस शुरुआत है; अगले दो-तीन सालों में आप संजू से और भी बहुत कुछ देखने वाले हैं।'

सैमसन ने IPL में पांच सीजन राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी की है जिसमें 2022 का सीजन भी शामिल है, जब टीम उपविजेता रही थी। इंटरनेशनल क्रिकेट में सैमसन अपने करियर की सबसे बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने IPL के मौजूदा सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के लिए भी उसी फॉर्म को बरकरार रखा है। इस सीजन में उन्होंने 11 पारियों में 53.75 की औसत और 169.29 के स्ट्राइक रेट से 430 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। इस साल टी20 मैचों में सैमसन ने 21 पारियों में 46.88 की औसत और 177.50 के स्ट्राइक रेट से 797 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं।

सैमसन की निरंतरता (consistency) को लेकर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन शास्त्री को अब ऐसा नहीं लगता कि यह कोई मुद्दा है, क्योंकि इस साल उनके खेल में एक नई तरह की परिपक्वता देखने को मिली है। शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि उसने (सैमसन ने) उन सभी सवालों पर विराम लगा दिया है। उसमें काबिलियत तो हमेशा से थी। असल में लोग इसलिए निराश होते थे क्योंकि वह अपनी उस काबिलियत के साथ न्याय नहीं कर पाता था।'

पूर्व भारतीय कोच ने आगे कहा, 'लेकिन इस सीजन में जिस तरह से उसने टी20 वर्ल्ड कप में अपने प्रदर्शन के बाद खेला है, जहां उसने अकेले दम पर भारत को कई मैच लगभग जिता ही दिए थे; बड़े मैच, क्वार्टर-फाइनल (वेस्टइंडीज, सुपर 8), सेमी-फाइनल, फाइनल–और जिस तरह से उसने आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभाली है तथा IPL में अब जो परिपक्वता वह दिखा रहा है, उसे देखते हुए मेरी नजर में वह भविष्य में टीम की कप्तानी संभालने का एक मजबूत दावेदार बन गया है।'

डेविड बेकहम यूके के पहले अरबपति खिलाड़ी बने

लंदन ।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान सर डेविड बेकहम 2026 संडे टाइम्स रिच लिस्ट में यूके के पहले अरबपति खिलाड़ी बन गए हैं। लिस्ट बनाने वालों के अनुसार, बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया की कुल संपत्ति 1.185 अरब पाउंड तक पहुंच गई है। इससे वे खिलाड़ियों में दूसरे स्थान पर हैं, जो पूर्व फॉर्मूला 1 बॉस बर्नी एक्लेस्टोन के परिवार से पीछे हैं, जिनकी संपत्ति 2 अरब पाउंड आंकी गई है। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार उत्तरी आयरलैंड के रोरी मैक्लरॉय 325 मिलियन पाउंड के साथ सातवें स्थान पर हैं, 37 साल के इस गोल्फर के लगातार दो मास्टर्स चैंपियन बनने के बाद। इस बीच, मैनचेस्टर यूनाइटेड के को–ओनर सर जिम रैटक्लिफ यूके में कुल मिलाकर सातवें से नौवें स्थान पर आ गए हैं। यूनाइटेड के पूर्व मिडफील्डर बेकहम अब अमेरिकन क्लब इंटर मियामी के को–ओनर हैं, जो 1.45 अरब डॉलर (1.07अरब पाउंड) के साथ मेजर लीग सॉकर की सबसे कीमती फेंचाइजी होने का अनुमान है। 51 साल के बेकहम, जिन्हें नवंबर में नाइटहुड की उपाधि दी गई थी, एडिडास और ह्यूगो बॉस जैसी कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। विक्टोरिया बेकहम की दौलत मुख्य रूप से उनके फैशन लेबल से आई है, जो शुरू में स्पाइस गर्ल्स की मेंबर के तौर पर मशहूर हुई थीं।

कीरोन पोलार्ड ने चौथे अंपायर को कहे अपशब्द, मुंबई इंडियंस के कोच पर लगा भारी जुर्माना

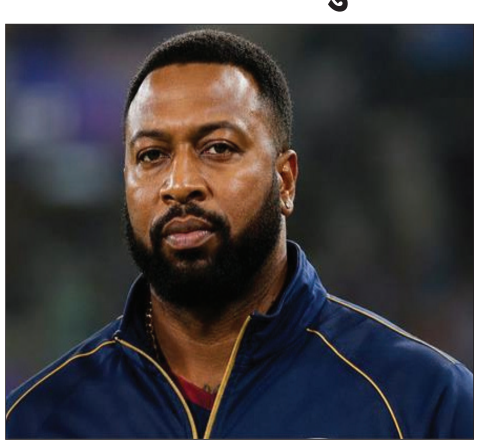

धर्मशाला ः मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर चौथे अंपायर के लिए अपशब्दों का उपयोग करने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और उन पर उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह घटना मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच गुरुवार को यहां खेले गए मैच के दौरान घटी। मुंबई ने इस रोमांचक मुकाबले में छह विकेट से जीत हासिल की। IPL ने शुक्रवार सुबह जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर आईपीएल की खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है।' इसमें कहा गया है, 'पोलार्ड को IPL की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'मैच के दौरान स्पष्ट रूप से अभद्र भाषा का उपयोग' से संबंधित है। यह घटना दूसरी पारी के 19वें ओवर में घटी जब पोलार्ड ने चौथे अंपायर के लिए अपशब्द कहे।' पोलार्ड ने अपना अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी पंकज धरमानी द्वारा लगाए गए दंड को मान लिया। पोलार्ड पर पहले भी आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया जा चुका है।

आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के करण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनो ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल।

ऋषभ पंत : लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाये और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाये। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेऑफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया।

अक्षर पटेल : वहीं दिल्ली कैपिल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं। बनाए, जिसमें से 56 रन एक ही पारी में आए और बाकी 44 रन आठ पारियों में बने, जबकि उन्होंने ज्यादातर मैचों में शीर्ष पांच में बल्लेबाजी की। गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, 12 मैचों में 36 ओवर में 8.05 की इकोनॉमी से केवल 10 विकेट ही ले पाये। उनके कई फैसलों पर भी सवाल उठे।

अजिंक्य रहाणे : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी टीम को प्रेरित करने में विफल रहे। वह टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे पर उसे एक भी मैच में तेज शुरुआत नहीं दिला पाये न ही अपने साथी अंगकृष रघुवंशी को तेज खेलने के लिए उत्साहित कर पाये। रहाणे और अंगकृष की धीमी शुरुआत के कारण टीम दबाव में रही। रघुवंशी ने 139 से अधिक के स्ट्राइक-रेट से 340 रन बनाए, जबकि कप्तान रहाणे ने 133 के स्ट्राइक-रेट से 237 रन बनाए। दोनों ने शीर्ष तीन में बल्लेबाजी की, जिससे लगभग हर मैच में शुरुआती गति धीमी रही। इन दोनों ने 11 मैचों में मिलकर सिर्फ 25 छक्के लगाए, जो किसी भी टी20 टीम के लिए चिंताजनक है।

फिल सॉल्ट शीघ्र कर सकते हैं वापसी : पाटीदार

मुम्बई ।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा है कि टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट शीघ्र ही टीम में वापसी कर सकते हैं। सॉल्ट करीब एक महीने से उंगली की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। पाटीदार के अनुसार साल्ट अब पहले से काफी बेहतर हैं और उनके शीघ्र ही टीम से जुड़ने की संभावना है। सॉल्ट ने आखिरी बार 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेला था। इसके बाद उनकी उंगली में चोट लग गई थी, जिसके चलते उन्हें स्कैन और रिकवरी के लिए इंग्लैंड लौटना पड़ा था। साल्ट के बाहर होने से टीम संयोजन प्रभावित हुआ है। सॉल्ट का टीम में होना आरसीबी के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वह प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब है। पिछली कुछ टी20 पारियों में संघर्ष के बाद, सॉल्ट ने आईपीएल के इस सत्र में जबरदस्त वापसी की थी। उन्होंने सत्र में 202 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 33.66 और स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा है। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने दो शानदार अर्धशतकीय पारियां भी खेली थीं, जिससे टीम को अच्छी शुरुआत मिली थी। सॉल्ट की गैरमौजूदगी में युवा जैकब बेथेल को पारी की शुरुआत की जिम्मेदारी मिली पर वह सफल नहीं रहे। बेथेल छह मैचों में केवल 85 रन बना पाये। उनका औसत 14.16 और स्ट्राइक रेट 121.42 का रहा है, जो टीम के लिए चिंता का विषय रहा है। अब यदि फिल सॉल्ट 17 मई को धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाते हैं, तो टीम इंग्लैंड के एक और बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स को उतार सकती है।

इस बार फीफा विश्वकप जीतना चाहेंगे रोनाल्डो

लिस्बन ।पुर्तगाल की फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम अब तक कई खिताब है पर वह आज तक फीफा विश्व कप नहीं जीत पाये हैं। ऐसे में अब 41 साल के हो रहे रोनाल्डो के पास विश्वकप जीतने का अंतिम अवसर है जिसका वह पूरा लाभ उठाना चाहेंगे। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रहे रोनाल्डो ने अपने करियर में हर बड़ी ट्रॉफी जीती है पर विश्कप में अब तक वह सफल नहीं हुए है। इसलिए वह इस बार इसे हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगे। विश्कप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। रोनाल्डो ने अब तक पुर्तगाल के लिए रिकॉर्ड 226 मैचों में 143 गोल किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में एक विश्व रिकॉर्ड है। यह आंकड़े उनकी अटूट प्रतिबद्धता और असाधारण कौशल को दिखाता है। इस साल की शुरुआत में उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव का पर अगर वह पूरी तरह से फिट हो जाते हैं तो उनका विश्वकप खेलना तय है। यदि रोनाल्डो विश्व कप 2026 में खेलते हैं, तो वह लियोनेल मेसी के साथ छह विश्व कप खेलने वाले इतिहास के पहले पुरुष फुटबॉलर बन जाएंगे। रोनाल्डो ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। इससे इस विश्वकप का महत्व उनके लिए और बढ़ जाता है। विश्वकप में पुर्तगाल को ग्रुप–के में रखा गया है, जहां उसे कोलंबिया, उज्बेकिस्तान और कांगो जैसी टीमों का सामना करना होगा। इस ग्रुप को देखते हुए, पुर्तगाल के अगले दौर में पहुंचने की संभावना काफी बेहतर मानी जा रही है। विश्व कप 2022 में पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी पर मोरक्को से 1–0 से मिली अप्रत्याशित हार के साथ वह बाहर हो गयी थी। उस महत्वपूर्ण मुकाबले में रोनाल्डो दूसरे हाफ में बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान पर उतरे थे। इस बार, पुर्तगाल का पहला मुकाबला 17 जून को ह्यूस्टन में कांगो के खिलाफ खेला जाएगा। ग्रुप में कोलंबिया जैसी मजबूत टीम भी पुर्तगाल को कड़ी चुनौती दे सकती है।

हार्दिक पांड्या के भविष्य पर अटकलों के बीच शार्दुल ठाकुर का बड़ा बयान, कहा- कुछ सही हैं और कुछ गलत

धर्मशाला (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कप्तान हार्दिक पंड्या के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच बड़ा बयान देते हुए कहा कि कुछ सही हैं, कुछ गलत। हालांकि उन्होंने यह साफ कर दिया कि पांड्या चोटिल होने के कारण पिछले तीन मैच में नहीं खेल पाए तथा कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) के खिलाफ अगले मैच में वापसी कर सकते हैं। हार्दिक मुंबई की टीम के साथ धर्मशाला नहीं गए थे जहां उनकी टीम ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया। सूर्यकुमार यादव भी अपने बच्चे के जन्म के कारण इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे और इसलिए जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की। वह इस सत्र में टीम के तीसरे कप्तान थे।

ठाकुर ने कहा, 'हार्दिक चोटिल है और इसलिए वह पिछले कुछ मैच में नहीं खेल पाए।' हार्दिक पीठ दर्द के कारण लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के खिलाफ भी मैच में नहीं खेल पाए थे। ठाकुर ने कहा, 'वह रायपुर (10 मई को RCB के मैच के लिए) गए थे, लेकिन खेल नहीं पाए। वह अभी मुंबई में अभ्यास कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि वह कोलकाता (20 मई को ईडन गार्डन्स) में खेलेंगे। उनके जैसे खिलाड़ियों की कमी हमें हमेशा खलती है।'

मुंबई इंडियंस की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। हार्दिक का इस दौरान प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और इसलिए फ्रेंचाइजी के साथ उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी। ठाकुर ने इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया पर काफी चर्चाएं चल रही हैं, कुछ सही हैं, कुछ गलत। लेकिन उनके धर्मशाला नहीं आने का फैसला टीम प्रबंधन ने किया था।'

पंजाब किंग्स के खिलाफ ठाकुर ने 39 रन देकर चार विकेट लिए और मुंबई की जीत में अहम भूमिका निभाई। ठाकुर ने कहा, 'मुझे लगता है कि बुमराह के साथ मेरा तालमेल अच्छा है। हमने काफी बातचीत की है। मुझे अन्य गेंदबाजों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से वह अपने विचार साझा करने में कभी संकोच नहीं करते।'

प्रीति जिंटा ने कठिन समय में अपनी टीम पंजाब किंग्स का हौंसला बढ़ाया

धर्मशाला ।आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की टीम को बेहतरीन शुरुआत के बाद पिछले पांच मैचों से लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। इसके बाद भी टीम की सह–मालकिन प्रीति जिंटा का समर्थन टीम को मिला है। प्रीति जिंटा ने लगातार अपनी टीम का हौंसला कठिन समय में बढ़ाया है। अपनी मुस्कान और सकारात्मक ऊर्जा से वह एक उम्मीद की किरण बनी हुई हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली करारी हार के बाद भी प्रीति खिलाड़ियों के साथ नजर आयीं। मुम्बई के खिलाफ मिली इस हार से पंजाब की प्लेऑफ की उम्मीदें जरुर कमजोर हुईं पर इस मौके पर भी प्रीति ने स्टेडियम में मौजूद टीम प्रशंसकों को टी–शर्ट बॉंटकर उनका दिल जीता। सोशल मीडिया पर प्रीति और प्रशंसकों के बीच इस दौरान हुई बातचीत की तस्वीरें भी तेजी से वायरल हुईं, इसमें प्रशंसकों ने प्रीति के इस भाव की खूब सराहना की। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि प्रीति जिंटा अपनी टीम और उसके प्रशंसकों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं।

हर लड़की खुद को चिरैया से जोड़ रही है: दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता अपनी नई वेब सीरीज चिरैया को लेकर खूब वाहवाही बटोर रही हैं। जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के बाद से ही, यह सीरीज अपनी शानदार कहानी, सशक्त लेखन और सभी कलाकारों के बेहतरीन अभिनय को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है। शशांत शाह द्वारा निर्देशित यह 6-एपिसोड की भावनात्मक और मार्मिक सीरीज मैरिटल रेप और वैवाहिक दुर्व्यवहार जैसे बेहद गंभीर और संवेदनशील सामाजिक मुद्दों पर आधारित है। सीरीज चिरैया को लेकर अभिनेत्री दिव्या दत्ता का मानना है कि यह एक ऐसी सीरीज है, जिससे आज की हर लड़की और महिला अपने आपको गहराई से जोड़ पा रही है, क्योंकि यह समाज के एक कड़वे सच को उजागर करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पॉडकास्ट का वीडियो साझा किया, जिसमें वे चिरैया को मिल रही प्रतिक्रिया के बारे में बात कर रही थीं। वीडियो में दिव्या कहती हैं, हर कोई चिरैया देख रहा है और उससे प्रभावित हो रहा है। अभी हाल ही में मेरी मुलाकात एक मां से हुई, जिसे चिरैया देखने के बाद अपनी बेटी के ससुराल वालों से बात करने और उनका सामना करने की हिम्मत मिली है। दिव्या दत्ता ने उस महिला का वाकया बताते हुए अपनी बात जारी रखी जहां मैं योगा करने जाती हूं, वहां पर एक महिला मेरे पास आई और बोली कि क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकती हूं, तो मैंने सोचा, योगा के बीच में कैसी बातें करें, तो मैंने उसे इंतजार करने के लिए बोला, लेकिन वह इसके लिए तैयार ही नहीं थी। वह मुझसे उसी वक्त बात करना चाहती थी। दिव्या ने आगे बताया कि उस महिला ने मुझसे कहा, मेरी बेटी को उसके ससुराल वालों ने छोड़ दिया है और मेरे अंदर बेटी के ससुराल वालों से बात करने की हिम्मत नहीं थी। फिर एक दिन मैंने चिरैया देखी और मैं उसे देखकर बहुत रोई। उस सीरीज को देखने के बाद मुझे उनका सामना करने और अपनी बेटी के हक के लिए खड़े होने की हिम्मत मिली। दिव्या दत्ता ने उस पल के महत्व को समझते हुए कहा, सीरीज को लेकर हमें इस तरह की प्रतिक्रियाएं सुनने को मिल रही हैं। इसके बाद एहसास होता है कि यही तो है विजुअल मीडिया और एक ऐसी कहानी की ताकत। अगर कहानी को बेहतरीन ढंग से पेश किया जाए, उसमें सच्चाई और ईमानदारी हो, तो लोग उस कहानी से खुद को गहराई से जोड़ते हैं, और यह दृश्य को देखकर बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि समाज में अब इन मुद्दों पर एक नई लहर की शुरुआत हो चुकी है। मुझे कल की ही बात याद आ रही है कि किसी ने कहा था कि आजकल हर घर की यही कहानी है। हर कोई चिरैया देख रहा है।

मकसद महत्वपूर्ण है, झंडे नहीं: दिलजीत दोसांझ

हाल ही में कनाडा के कैलगरी में हुए अपने कॉन्सर्ट के दौरान गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने झंडों और बैनरों को लेकर उत्पन्न हुए विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कॉन्सर्ट में भीड़ के कुछ सदस्यों द्वारा खालिस्तान के समर्थन में झंडे लहराए गए, जिस पर दिलजीत दोसांझ ने स्टेज से ही कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने खालिस्तानी समर्थकों से कहा कि वे अपने झंडे कहीं और ले जाएं और इस जगह का इस्तेमाल उसी उद्देश्य के लिए करें जिसके लिए यह बनी है—यानी संगीत और मनोरंजन। दिलजीत ने आगे बताया कि कॉन्सर्ट में बाधा डालने और उनके खिलाफ विरोध के तौर पर झंडों का इस्तेमाल करने के कारण ही उन व्यक्तियों को हटाया गया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया के स्टोरीज सेक्शन में इसे एक फेक नैरेटिव करार दिया। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि वह किसी को भी अपने प्रशंसकों को परेशान करने या उनके शो में रुकावट डालने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे। दिलजीत ने पंजाबी में एक विस्तृत पोस्ट साझा करते हुए अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा, बाहर खड़े होकर कोई भी विरोध प्रदर्शन कर सकता है, लेकिन अगर आप अंदर आकर मेरे फैंस को परेशान करने की कोशिश करेंगे, तो यह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने झंडों और बैनरों के सही उपयोग और गलत इरादों के बीच का अंतर समझाया। दिलजीत ने कहा, अगर कोई बैनर या झंडा लाता है, तो इसका मतलब है कि वे दिखाना चाहते हैं कि वे किसी खास जगह से आए हैं और हमें समर्थन देने आए हैं। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी, अगर आप वही बैनर लेकर बाहर खड़े होकर मेरे फैंस को गाली देंगे, और फिर वही काम वेन्यू के अंदर करने की कोशिश करेंगे, तो मैं यह बर्दाश्त नहीं करूंगा। यह किसी खास बैनर या झंडे के बारे में नहीं है। बात इसके पीछे के मकसद की है। इस बयान के साथ, दिलजीत ने स्पष्ट संदेश दिया कि उनके लिए अपने दर्शकों का अनुभव और कॉन्सर्ट का शांतिपूर्ण माहौल सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सुरक्षाकर्मियों से स्पष्ट निर्देश दिए थे कि जो भी कॉन्सर्ट को खराब करने की कोशिश करे, उसे तुरंत बाहर किया जाए। उन्होंने फिर से दोहराया कि उन्होंने किसी विशेष बैनर के लिए कुछ नहीं कहा, बल्कि गलत इरादों के खिलाफ अपनी आवाज उठाई। उन्होंने फेक नैरेटिव फैलाने वालों को फटकार लगाते हुए कहा, मैंने पिछले साल तो इस बात को नजरअंदाज कर दिया, लेकिन अब और नहीं। धन्यवाद। दिलजीत दोसांझ जैसे कलाकार के लिए, जो अक्सर अपने संगीत के माध्यम से एकता और खुशी का संदेश देते हैं, इस तरह के विवाद उनके लिए एक संवेदनशील मुद्दा रहे हैं, और उन्होंने इस बार इसे पूरी गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका ऐतराज कभी भी किसी विशेष झंडे या बैनर से नहीं था, बल्कि उनके पीछे के गलत मकसद पर था।

वेनिस में राधिका का रॉयल अंदाज

राधिका अंबानी एक बार फिर अपने शानदार फैशन सेंस को लेकर चर्चा में हैं। वेनिस बिएनाले में उनका बेहद रॉयल और एलिगेंट लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अंबानी परिवार की छोटी बहू राधिका ने इस खास मौके पर आइवरी और गोल्डन टोन वाला ऑफ-शोल्डर गाउन पहना, जिसमें वह किसी डिज्नी प्रिंसेस से कम नहीं लग रही थीं। उनके इस लुक ने फैशन प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। राधिका के गाउन का डिजाइन बेहद खास था। ड्रेस के ऊपरी हिस्से को ड्रेप्ड कॉर्सेट लुक दिया गया था, जिससे उनके पूरे आउटफिट को शानदार स्ट्रक्चर मिला। वहीं कमर के नीचे से गाउन का फ्लेयर्ड डिजाइन उसे और भी भव्य बना रहा था। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में राधिका का रॉयल अंदाज साफ नजर आ रहा है। राधिका ने अपने मेकअप को बेहद सिंपल और नेचुरल रखा। सॉफ्ट ब्राउन आई मेकअप और न्यूड पिंक लिप शेड ने उनके चेहरे की खूबसूरती को और निखार दिया। उन्होंने भारी ज्वेलरी की जगह सिर्फ गोल्डन फ्लोरल ईयररिंग्स और एक स्टेटमेंट रिंग पहनी, जिसने उनके पूरे लुक को क्लासी बना दिया। फैंस राधिका के इस अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

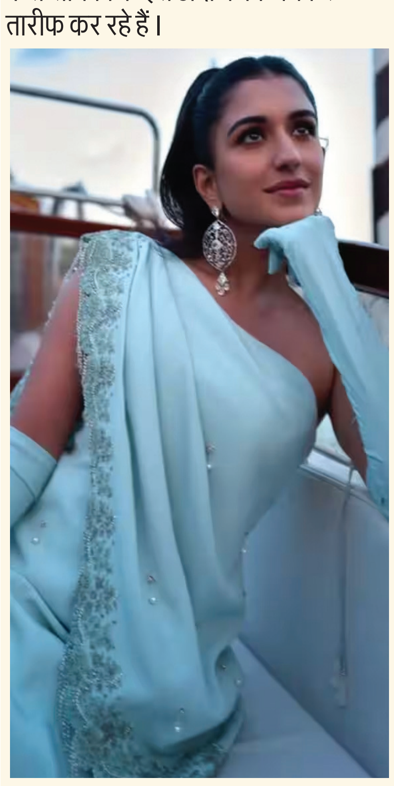

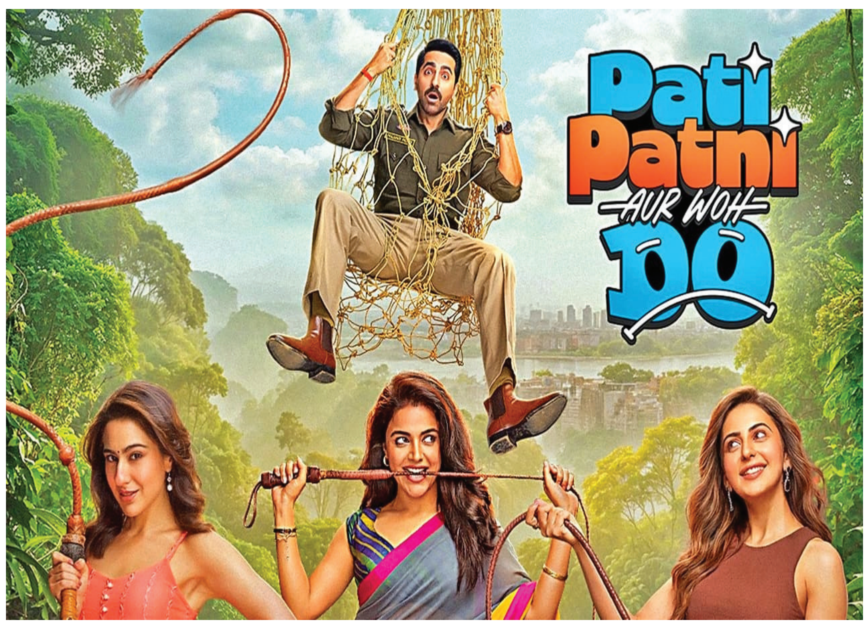

सारा अली खान जुटी पति पत्नी और वो 2 के प्रमोशन में

अपनी आगामी ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान बेहद उत्साहित हैं। प्रमोशन में जुटी सारा अली खान ने फिल्म में एक अहम किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के 'नीलोफर' नामक किरदार को लेकर मजेदार खुलासा किया है। अभिनेत्री का मानना है कि फिल्म का हर एक किरदार अपने आप में खास और महत्वपूर्ण है, मगर उनकी खासी दिलचस्पी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के निभाए गए 'नीलोफर' के किरदार में थी। बातचीत के दौरान, फिल्म के सह-कलाकार आयुष्मान खुराना ने सबसे पहले यह राज खोला। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में कई मुख्य किरदार होने पर क्या किसी को दूसरे का रोल ज्यादा पसंद आया, तो आयुष्मान ने बताया कि सारा अली खान को रकुल प्रीत सिंह का किरदार बहुत भाया। उन्होंने कहा कि सारा को लगता है कि नीलोफर के डायलॉग सबसे बेहतरीन और प्रभावशाली हैं।

इस पर सारा अली खान ने भी अपनी बात रखते हुए रकुल प्रीत सिंह की कॉमिक टाइमिंग और अभिनय की खूब प्रशंसा की। सारा ने कहा, 卐मुझे नीलोफर का किरदार बहुत पसंद आया था। फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही यह रोल मुझे बेहद आकर्षक लगा। लेकिन अब जब मैंने सामने से देखा कि रकुल ने इसे कैसे निभाया है, तो मुझे लगता है कि उनके लिए यह रोल बिल्कुल परफेक्ट था। रकुल इतनी मजेदार और स्वाभाविक लग रही हैं कि जो हुआ अच्छे के लिए ही हुआ। अगर कोई दूसरी दुनिया होती और मुझे मौका मिलता तो मैं जरूर नीलोफर का किरदार निभाना चाहती।卐 यह टिप्पणी उनके किरदार के प्रति उनके गहरे लगाव और रकुल के प्रदर्शन के प्रति उनके सम्मान को दर्शाती है।

इसके साथ ही रकुल प्रीत सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयुष्मान खुराना के साथ पहले भी काम कर चुकीं रकुल ने बताया कि दोस्तों और परिचित सह-कलाकारों के साथ दोबारा काम करना काफी आसान और मजेदार होता है। उन्होंने कहा, इस बार सबसे अलग बात यह रही कि सेट पर बहुत सहजता थी। हमें एक-दूसरे के काम करने के तरीके, हमारी केमिस्ट्री और हमारे अभिनय की शैली के बारे में पहले से पता था। इससे काम करना न केवल आसान हो जाता है, बल्कि यह मस्ती भरा और रचनात्मक रूप से संतोषजनक भी बन जाता है।卐 फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' टी-सीरीज और बी.आर. स्टूडियोज के बैनर तले बनी है। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है जो दर्शकों को हंसाने और सोचने पर मजबूर करने का वादा करती है। यह फिल्म आगामी 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर बना रही पहचान

ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद बॉलीवुड की एक और अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने की तैयारी कर रही हैं। दिशा पाटनी की पहली इंटरनेशनल फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसने काफी चर्चा बटोर ली है। यह फिल्म एक काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया की कहानी पर आधारित है। 'स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की यह पहली कड़ी है। फिल्म की कहानी लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार की है। इसमें दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष को दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में संतुलन और नियम बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग विचारधारा और नई दिशा का समर्थन करता है। इसी टकराव के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सबसे अहम भूमिका में नजर आता है। फिल्म में जेसिका को एक ऐसी युवती के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी गुटों से है। वह दोनों पक्षों के नेताओं की बेटी है और इसी वजह से उसे दो दुनियाओं के बीच एक मजबूत कड़ी माना जाता है। कहानी में दुनिया का भविष्य उसके फैसलों पर निर्भर करता दिखाई देता है। ट्रेलर में यह भी दिखाया गया है कि जेसिका अपनी रहस्यमयी शक्तियों को समझने और नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं है, बल्कि अपनी असली पहचान खोजने और सही रास्ता चुनने की जिम्मेदारी भी है। ट्रेलर में दिशा पाटनी के कई दमदार एक्शन दृश्य देखने को मिलते हैं। वह तलवारबाजी से लेकर रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करती नजर आती हैं। उनके एक्शन सीक्वेंस और स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। फिल्म की स्टार कास्ट भी काफी मजबूत मानी जा रही है। दिशा पाटनी के साथ हॉलीवुड अभिनेता केविन स्पेसी, डॉल्फ लुंडग्रेन और टायरेस गिब्सन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। दिशा पाटनी ने फिल्म को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए कहा कि पहली इंटरनेशनल फिल्म में काम करना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने बताया कि अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए उन्हें बहुत कुछ सीखने का मौका मिला।

वरुण और पूजा की केमिस्ट्री ने जीता दिल

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का नया रोमांटिक गाना 'तेरा हो जाऊं' रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। गाने में वरुण धवन और पूजा हेगड़े की शानदार केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। दोनों की फ्रेश जोड़ी स्क्रीन पर एक अलग ही ऊर्जा और रोमांटिक एहसास लेकर आई है, जिसने युवाओं के बीच इस गाने को तेजी से लोकप्रिय बना दिया है। वरुण धवन की सहज अदायगी और पूजा हेगड़े की ग्रेसफुल मौजूदगी ने गाने को खास बना दिया है। इस गाने को स्टेबिन बेन और जोनिता गांधी ने अपनी मधुर आवाज दी है। वहीं, इसका संगीत व्हाइट नॉइज़ कलेक्टिव्स ने तैयार किया है और बोल वायु ने लिखे हैं। गाने में आधुनिक रोमांस को बेहद खूबसूरती से पेश किया गया है, जिसकी वजह से यह इंस्टाग्राम रील्स और म्यूजिक प्लेलिस्ट्स में तेजी से ट्रेंड कर रहा है। दर्शकों का कहना है कि लंबे समय बाद ऐसा रोमांटिक ट्रैक आया है, जो सीधे दिल को छूता है। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को डेविड धवन निर्देशित कर रहे हैं। टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को लेकर पहले से ही जबरदस्त उत्साह बना हुआ है और अब इस गाने ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

पिता हमेशा कहा करते थे, लगे रहो बेटे, काम करते रहो: ईशा देओल

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल के लिए हमेशा ही सबसे बड़ी प्रेरणा उनके दिवंगत पिता अभिनेता धर्मेंद्र की सीख और विश्वास रहा है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान ईशा ने अपने नए बिजनेस के बारे में बात करते हुए भावुक अंदाज में बताया कि उनके पिता हमेशा उनकी रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करते थे। अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ने की हिम्मत देते थे।

ईशा ने मुंबई के रियल एस्टेट समूह 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' के साथ मिलकर अलीबाग में लग्जरी विला डिजाइन प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि वह और उनके पिता घंटों तक अलग-अलग जगहों की बनावट, घरों की संरचना और साधारण स्थानों की खूबसूरती पर चर्चा किया करते थे। उन्होंने कहा कि उनके पिता अक्सर उन्हें एक ही बात कहते थे 'लगे रहो बेटे, करते रहो।' ईशा के मुताबिक यही शब्द आज भी उन्हें प्रेरित करते हैं और आगे बढ़ने का हौसला देते हैं। उन्होंने कहा कि पिता के विश्वास ने ही उन्हें अपने इस सपने को साकार करने की ताकत दी। अपने नए डिजाइन कारोबार का नाम ईशा ने 'ईशा धर्मेंद्र देओल डिजाइन' रखा है। इस नाम के पीछे भी पिता से जुड़ी एक खास भावना है। उनके बिजनेस के लोगो में लालटेन का प्रतीक बनाया गया है, जिसे धर्मेंद्र ने खुद अपने हाथों से तैयार किया था।

ईशा ने बताया कि यह लालटेन उनके लिए केवल एक डिजाइन नहीं, बल्कि पिता के प्यार और आशीर्वाद की निशानी है। उन्होंने कहा कि वह इस रोशनी को अपने काम के जरिए आगे बढ़ाना चाहती हैं। ईशा ने सोशल मीडिया पर भी अपने इस नए सफर की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि वह अपने इस सपने को एक नई पहचान दे रही हैं और यह हमेशा अपने पिता को समर्पित रहेगा। उनकी इस पहल को परिवार का भी पूरा समर्थन मिला। अभिनेता बॉबी देओल ने उनकी पोस्ट साझा करते हुए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि ईशा इस क्षेत्र में भी शानदार काम करेंगी। गौरतलब है कि धर्मेंद्र का नवंबर 2025 में मुंबई स्थित उनके जूहू आवास पर निधन हो गया था।

तुम्हारी स्कूल की छुट्टियां तो खत्म हो गई होंगी और स्कूल से मिला हॉलीडे होमवर्क भी तुमने खत्म कर लिया होगा। लेकिन तुममें से कितने बच्चों ने हैंडराइटिंग के 100 पेज पूरे किए। नहीं किए ना! बेचारी टीचर कह-कहकर थक जाती हैं कि रोज 10 पेज लिखकर हैंडराइटिंग का अभ्यास करो, लेकिन तुम लोग हमेशा इससे बचते हो। चलो आज हम जानते हैं हैंडराइटिंग की कहानी और क्या है इसका महत्व।

आईना है तुम्हारी लिखावट

क्या है हैंडराइटिंग

सबसे पहले तुम्हें समझना चाहिए कि हैंडराइटिंग क्या है? पेन या पेंसिल पकड़कर अक्षर बनाना ही केवल हैंडराइटिंग की परिभाषा नहीं है, बल्कि अलग-अलग इंसान के लिखने की अद्भुत कला को हैंडराइटिंग कहा जाता है और ये कैलिग्राफी और टाइपफेस से अलग होती है। तुम्हें पता है, हर इंसान की अपनी एक हैंडराइटिंग होती है और पूरी दुनिया में किसी भी इंसान की हैंडराइटिंग एक जैसी नहीं है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि जुड़वां बच्चों की हैंडराइटिंग भी एकदम अलग होती है।

लेखन की शुरुआत

हैंडराइटिंग के इतिहास को लेकर लोगों के अपने-अपने मत हैं। कहा जाता है कि इसकी शुरुआत 3,300 ईसा पूर्व मेसोपोटामिया में हुई थी। उस समय किसी आदमी ने मिट्टी के बोर्ड पर राशन का रिकॉर्ड रखने के लिए पहली बार लिखा था। ब्रिटेन के एक म्यूजियम में इस बोर्ड को आज तक संभालकर रखा गया है। वहीं कुछ शोधकर्ताओं का ये भी मानना है कि 60,000 से 25,000 ईसा पूर्व आदमी हड्डियों और पत्थरों पर आड़ी-तिरछी लाइनें खींचा करता था, ठीक उसी तरह जिस तरह तुम लोग क्लास में बोर होते समय अपनी कॉपी में खींचते रहते हो। इसकी भी एक मजेदार कहानी है। पुराने समय में जब लोग जहाज लेकर जाते थे तो उस टापू की पहचान के लिए उसके पत्थरों पर बड़ी-बड़ी लकीरें खींच देते थे जिससे कोई और जहाज और उसके कर्मचारी वहां अपना ठिकाना न बनाएं।

कहती है बहुत कुछ..

तुम्हारी हैंडराइटिंग तुम्हारे बारे में बहुत कुछ बताती है। इसे ग्राफोलॉजी यानी हैंडराइटिंग एनालिसिस भी कहते हैं। तुम जिस तरह अक्षर बनाते हो, तराशते हो, इससे तुम्हारी 5000 तरह की पर्सनैलिटी का पता चलता है। साइकोलॉजी विषय में तुम्हारी हैंडराइटिंग की मदद से ही पता लगाया जाता है कि दिमाग सही काम कर रहा है या नहीं।

राइटिंग से जुड़ी मजेदार बातें

– नेपोलियन बोनापार्ट के बारे में तो तुम लोग जानते ही होगे। पता है, उनकी हैंडराइटिंग इतनी भयानक और भद्दी थी कि वह जब भी अपने कमांडर को कोई नोट लिखकर भेजते थे तो वह किसी युद्ध का मैप लगता था।

– कुछ लोगों का मानना है कि राइटिंग दुनिया में पिछले 5,000 सालों से है, वहीं कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि यह 50,000 से 100,000 साल पुरानी है।

– यूरोप में 15वीं शताब्दी में केवल अमीर वर्ग के लोग ही अच्छी राइटिंग में लिखना जानते थे।

– अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन की हैंडराइटिंग इतनी सुंदर थी कि जब वह केवल 12 साल के थे, तब उनके नोट्स की एक कॉपी वॉशिंगटन की लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस में लगाई गई थी।

– अमेरिका में 1000 से भी ज्यादा ऐसे स्कूल हैं, जहां हैंडराइटिंग एक आवश्यक स्किल है। यानी तुम लोग जिस तरह बहाना बना देते हो, वे बच्चों हैंडराइटिंग के लिए बहाना भी नहीं बना पाते हैं।

– वैज्ञानिकों का मानना है कि साफ-सुथरे तरीके से लिखने से याददाश्त तेज होती है।

बनेगा बेहतर भविष्य

पता है अगर तुम साफ-सुथरी हैंडराइटिंग में लिखते रहोगे तो तुम्हारा भविष्य बेहतर बन सकता है। अच्छे लेखन और राइटिंग का प्रभाव दूसरे व्यक्ति पर जरूर पड़ता है। हो सकता है कि तुम अपनी सुंदर हैंडराइटिंग के कारण कैलिग्राफी आर्टिस्ट, राइटिंग आर्टिस्ट, शिक्षक और लेखक आदि बन जाओ। स्कूल में भी अपने टीचर की नजर में तुम नंबर वन छात्र बन सकते हो। स्कूल में भी सुलेख प्रतियोगिताएं होती ही रहती हैं। अपनी हिंदी और अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं की राइटिंग सुधारो और इन प्रतियोगिताओं के चैंपियन बनकर दिखाओ। देखना, हर तरफ तुम्हारी वाहवाही होगी।

राइटिंग स्किल भी जरूरी

राइटिंग में कुछ रचनात्मकता भी झलकनी चाहिए और इसी रचनात्मकता को कहते हैं राइटिंग स्किल। तुम्हारी हैंडराइटिंग और तुम्हारे ज्ञान का मिश्रण ऐसा होना चाहिए कि तुम्हें कोई भी विषय दे दिया जाए और तुम फट से उस पर लिख डालो। तुम्हारे शिक्षक भी उन बच्चों से बेहद खुश रहते होंगे, जिनकी हैंडराइटिंग और राइटिंग स्किल अच्छी होती होगी, इसलिए अभ्यास जरूरी है। निरंतर अभ्यास करते

रहने से तुम निबंध, अनुच्छेद, पत्र, संवाद, चित्र और डायरी लेखन बिना किसी हिचकिचाहट के आसानी से कर सकोगे।

अक्षर का पुराना इतिहास

देखो, हैंडराइटिंग को सुंदर बनाने के लिए एक-एक अक्षर को सुडौल और खूबसूरत बनाना पड़ता है। इन प्यारे-प्यारे अक्षरों की भी एक कहानी है। पहले अक्षर की खोज 1900 ईसा पूर्व सीनाई पेनिनसुला के लोगों ने की थी। इन सेमिटिक लोगों को मिस्र ने गुलाम बना रखा था। ये लोग हमेशा सोचते रहते कि अक्षरों की अपनी एक दुनिया है और हर शब्द की अपनी एक ध्वनि भी है। उन्हें समझ में आया कि अक्षर से चीजें याद रखने में बेहद मदद मिलती है, वहीं संकेत तो वे भूल जाते हैं। इसके बाद उन्होंने 22 मिस्र के संकेतों को अपने संकेतों के साथ मिलाया और पहले अक्षर की रचना की। इसके बाद वे इन अक्षरों का प्रयोग कुछ प्रचलित चीजों के लिए करने लगे जैसे घर, हाथ, पानी, आंख और मछली।

नेशनल हैंडराइटिंग डे

जिस तरह तुम लोग टीचर्स डे, रिपब्लिक डे और फादर्स डे सेलिब्रेट करते हो, वैसे ही कई देशों में हैंडराइटिंग डे भी मनाया जाता है। यह दिन हर वर्ष 23 जनवरी को आता है। इस दिन बच्चों अपने-अपने घरों में, स्कूलों में कम से कम एक पेज जरूर लिखते हैं। बच्चों की हैंडराइटिंग का विकास बचपन से शुरू हो जाता है। इसलिए निरंतर अभ्यास करना जरूरी है। अगर बच्चा उल्टे हाथ से लिखना शुरू कर रहा है तो उस पर ध्यान देने की थोड़ी अधिक जरूरत है। इसके लिए अभिभावक उसका हाथ पकड़कर और बिंदु बनाकर उसका अभ्यास करवाएं।

ऐसे सुधार सकते हो लिखावट..

रोज लिखो – तुम रोज कम से कम पांच पन्ने लिखने की आदत डालो। इस तरह तुम्हारी हैंडराइटिंग खुद-ब-खुद सुधर जाएगी और तुम्हें लिखने में मजा आने लगेगा।

स्पेलिंग पर ध्यान – लिखते समय स्पेलिंग की गलती का जरूर ध्यान रखना। जब तुम रोज अभ्यास करो, तब किसी बड़े से एक बार जरूर अपने पेज को पढ़वा लो, इस तरह तुम्हारी हैंडराइटिंग का भी आकलन हो जाएगा और तुम्हारी स्पेलिंग की गलतियां भी सामने आ जाएंगी।

बनाओ प्यारी सी डायरी – देखो हैंडराइटिंग के अभ्यास के लिए तुम्हारी नोटबुक भी खास होनी चाहिए, इसलिए एक प्यारी सी डायरी खरीदो और रोज उस पर ही अभ्यास करो। इस तरह तुम्हें अपनी डायरी से प्यार होगा और तुम्हें लिखना भी अच्छा लगने लगेगा।

ग्रीटिंग कार्ड बनाओ – तुम अपने मम्मी-पापा, टीचर और भाई-बहनों के लिए खुद से कार्ड बनाओ और उस पर लिखो। इससे भी तुम्हारा अभ्यास होता रहेगा।

चिट्ठी करेगी मदद – आज मोबाइल के जमाने में चिट्ठी का दस्तूर एकदम खत्म हो गया है, लेकिन तुम इस परंपरा को फिर से शुरू कर सकते हो। बस झट से कागज-कलम उठाओ और अपने किसी रिश्तेदार को चिट्ठी लिखो। देखना, तुम्हारी हैंडराइटिंग में कितना सुधार आता है।

अच्छी कलम-पेंसिल का इस्तेमाल – अच्छी हैंडराइटिंग में बढ़िया पेन और पेंसिल का भी बेहद योगदान होता है, इसलिए इन चीजों में कभी कंजूसी मत करना। तुम जितना अच्छा पेन या पेंसिल इस्तेमाल करोगे, तुम्हारा सुलेख उतना सुंदर होगा।

फाउंटेन पेन – जब तुमने पहली बार पेन से लिखना शुरू किया होगा, तब तुम्हारी टीचर ने फाउंटेन पेन से लिखने की सलाह दी होगी। फाउंटेन पेन से हैंडराइटिंग बेहद अच्छी होती है।

आत्मविश्वास जरूरी – अच्छी हैंडराइटिंग के लिए आत्मविश्वास भी बेहद जरूरी है। हर समय बस ये मत सोचो कि मेरी राइटिंग तो कितनी गंदी है, बल्कि ये सोचो कि मुझे अपनी हैंडराइटिंग सबसे बेहतर करनी है।

लिखो बोर्ड पर – अक्षरों को बेहतर शेप देने के लिए व्हाइट या ब्लैक बोर्ड पर लिखना शुरू कर दो। इससे तुम्हारा हाथ सेट होगा और तुम फिर कॉपी पर भी अच्छा लिखना शुरू कर दोगे।

देखो दोस्तों की राइटिंग – दूसरों से सीखकर तुम बहुत कुछ सीख सकते हो। अपने दोस्तों की हैंडराइटिंग देखकर भी प्रेरणा ले सकते हो।

अपनाओ अपना स्टाइल – तुम जिस तरह लिखने में आरामदायक महसूस करते हो, वैसे ही लिखो। ये कतई जरूरी नहीं कि तुम्हारा दोस्त कर्सिव लिख रहा है तो तुम भी वैसे ही लिखो। तुम अपना खुद का राइटिंग स्टाइल अपनाओ। **कंप्यूटर को 'नो'**– हर समय लिखने के लिए कंप्यूटर, टाइपराइटर और अन्य शॉर्टकट अपनाने से बचो। छोटे से छोटे नोट, घर की लिस्ट भी हाथ से लिखो।

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो युकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और काबरेनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सेंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।